देशबन्धु

जबलपुर, रविवार 22 जून 2025 । वर्ष –69 । अंक –217 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ सैलाब (कहानी)
■ देशभक्ति का रास्ता... 04
■ भारत-पाक युद्ध रोकने के लिए मुझे नोबेल...
■ पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगाता... 09
■ तेल की कीमतों में तीन साल की सबसे बड़ी छलांग
■ एयर इंडिया हादसे के बाद यात्रियों में डर... 11
■ टीम इंडिया ने पहली...
■ महिला हॉकी प्रो लीग... 10

सार संक्षेप

नीरज ने जीता पेरिस डायमंड लीग का खिताब

- नीरज ने 88.16 मीटर का थ्रो किया
- जर्मनी के जूलियन वेबर को पछाड़ा

पेरिस, (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 88.16 मीटर का थ्रो किया और जर्मनी के जूलियन वेबर को पछाड़ते हुए खिताब अपने नाम किया।

नीरज ने बताया कि वह डायमंड लीग में 90 मीटर के पार फेंकने की कोशिश में थे, लेकिन रन-अप तेज हो जाने के कारण वह अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख पाए। उन्होने ओलंपिक्स डॉट काम से कहा मैं आज 90 मीटर से ज्यादा की उम्मीद कर रहा था, लेकिन रन-अप बहुत तेज था और मैं कंट्रोल नहीं कर सका। फिर भी डायमंड लीग जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि काफी समय बाद खिताब हासिल हुआ है।

इससे पहले नीरज ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर न केवल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूरी फेंकी थी, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। हालांकि उस प्रतियोगिता में जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर उन्हें दूसरे स्थान पर धकेल दिया था।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-राहुल ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।
चुहिया- हां प्रिये- बस उम्मीद करो कि यह सिर्फ आरोप ही हों।

अहमदाबाद हादसा

एयर इंडिया के तीन अफसरों को हटाने का आदेश

डीजीसीए ने एयरलाइन से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने क्रू शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल में गंभीर खामियों को लेकर एयर इंडिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की, जिसमें तीन वरिष्ठ अधिकारियों को रोस्टरिंग डिपार्टमेंट से तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया। इस पर एयरलाइन ने शनिवार को कहा कि उसने नियामक के निर्देश को स्वीकार कर लिया है और आदेश को लागू कर दिया है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया को क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़ी सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से तीन अधिकारियों को हटाने का आदेश दिया। विमानन नियामक द्वारा जारी एक औपचारिक निर्देश के अनुसार, नियामक ने इन तीन अधिकारियों को अनधिकृत और गैर-अनुपालन वाले क्रू पेयरिंग, अनिवार्य लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के उल्लंघन और फ्लाइट क्रू रीसेंसी मानदंडों का पालन करने में विफलता सहित कई उल्लंघनों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। डीजीसीए ने स्थिति को शेड्यूलिंग प्रक्रियाओं और पर्यवेक्षी निरीक्षण दोनों में सिस्टम की एक बड़ी विफलता बताया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि अंतरिम अवधि में कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी इंटीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर (आईओसीसी) पर सीधी निगरानी रखेंगे।

बार-बार होने वाली चूक में शामिल रहे-एयर इंडिया ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल और मानक प्रथाओं का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के लिए एयर इंडिया प्रतिबद्ध है। डीजीसीए के अनुसार, ये तीनों अधिकारी क्रू रोस्टरिंग को लेकर गंभीर और बार-बार होने वाली चूक में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ 10 दिनों के भीतर आंतरिक >>शेष पृष्ठ 2 पर

एक और लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद प्लेन हादसे के करीब एक हफ्ते बाद एक और फ्लाइट के पायलट ने मेडे कॉल किया था। इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट के पायलट ने यह इमरजेंसी कॉल किया था। इसकी जानकारी शनिवार को सामने आई। घटना 19 जून की है। पायलट ने विमान में फ्यूल की काफी कमी देखी थी, इसके बाद उसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे यानी इमरजेंसी कॉल की थी। हालांकि इस फ्लाइट की तुरंत बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

- गुवाहाटी से चेन्नई जा रही थी इंडिगो फ्लाइट
- बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग, 168 यात्री सवार थे

हिमालय की चोटियों से लेकर, समुद्री पोतों तक योग

प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों संग किया योग, दिया हील इन इंडिया का भी मंत्र

विशाखापत्तनम, (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिकों संग योग किया। इस भव्य आयोजन में आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू भी शामिल हुए। इस बार की योग की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है।

मंच से प्रधानमंत्री ने दुनिया को योग को मानवता की भलाई के लिए उठाया गया सामूहिक प्रयास करार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। आज की दुनिया में ऐसी एकता और ऐसा समर्थन सामान्य बात नहीं है। ये सिर्फ एक प्रस्ताव का समर्थन नहीं था। बल्कि मानवता के भले के लिए दुनिया का सामूहिक प्रयास था। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस पॉज बटन की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।

प्रधानमंत्री ने योग को लेकर हो रहे रिसर्च की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा, विश्व में योग के प्रसार के लिए भारत योग की साइंस को आधुनिक रिसर्च से और अधिक सशक्त कर रहा है। देश के बड़े-बड़े मेडिकल संस्थान योग पर रिसर्च पर जुटे हैं। योग की वैज्ञानिकता को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान मिले, ये हमारा प्रयास है। प्रधानमंत्री ने हील इन इंडिया का जिक्र करते हुए कहा, आज हील इन इंडिया का मंत्र भी दुनिया में काफी पॉपुलर हो रहा है। भारत बेस डेस्टिनेशन बन रहा है। योग की इसमें बड़ी भूमिका है। योग के लिए कॉमन प्रोटोकाल बनाया गया है। दुनियाभर के लोगों को भारत के इस वेलनेस ईको सिस्टम का फायदा मिले इसके लिए ई-आयुष वीजा दिए जा रहे हैं।

भारत के मूलदर्शन और योगशैली से दुनिया को परिचय कराने का दिन है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुए राष्ट्रीय कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के अटल पथ पर राज्य स्तरीय योग संगम सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ एवं निरोगी काया के लिए प्रतिभागियों के साथ योगाभ्यास भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन का इस अवसर पर सजीव प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रसारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए अटल पथ पर बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों और जनसामान्य ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में योग किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभागियों के साथ किया योगाभ्यास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने आष्टांग योग दर्शन के रचयिता महर्षि पतंजलि को प्रणाम कर, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए मानवता को योग का वरदान देने के लिए उनका आभार माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून का दिन खगोलीय गणना की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आज के दिन भगवान सूर्यनारायण उत्तरायण की यात्रा पूरी कर दक्षिणायन में प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग के माध्यम से भारत के मूल दर्शन और जीवन शैली से विश्व को परिचित कराया है।

इजराइल-ईरान संघर्ष 9वें दिन भी रहा जारी

इजराइली हमले में 3 ईरानी कमांडर मारे गए

तेल अवीव, (एजेंसियां)। इजराइल ने ईरान के एक और न्यूक्लियर साइंटिस्ट की हत्या कर दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, साइंटिस्ट इसार तबातबाई-कमशेह और उनकी पत्नी की मौत शुक्रवार को तेहरान में एक अपार्टमेंट पर ड्रोन हमले में हुई थी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इजराइल 13 जून से अब तक 11 ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स की हत्या कर चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने ईरानी सेना के 3 कमांडरों और 4 जवानों को भी मारने का दावा किया है।

अब तक 827 भारतीयों को निकाला गया-इधर, ईरान के मशहद से एक और फ्लाइट शनिवार शाम 4:30 बजे 310 भारतीय नागरिकों को लेकर दिल्ली पहुंची। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 827 भारतीयों को निकाला जा चुका है।

इजराइल में अब तक 24 की मौत-अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

दिल्ली-भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस में झांसी स्टेशन पर मारपीट

भाजपा विधायक के समर्थकों पर यात्री की पिटाई का आरोप

नई दिल्ली। 19 जून को दिल्ली से भोपाल जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के एक्जीक्यूटिव कोच में झांसी रेलवे स्टेशन पर एक यात्री के साथ 7-8 लोगों द्वारा मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित यात्री राज प्रकाश ने आरोप लगाया कि यह हमला उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की बबीना विधानसभा से भाजपा विधायक राजीव सिंह पारीछा के समर्थकों ने किया।

मारपीट का कारण सीट बदलने से इनकार बताया जा रहा है, जिसने हिंसक रूप ले लिया। उसी कोच में मौजूद मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने इस घटना की कड़ी निंदा की और रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीजेपी विधायक राजीव सिंह अपनी पत्नी कमली सिंह और बेटे श्रेयांश सिंह के साथ दिल्ली से सवार हुए। उनकी सीटें इस प्रकार थीं-

राजीव सिंह-सीट नंबर 8
कमली सिंह- सीट नंबर 50
श्रेयांश सिंह- सीट नंबर 51

सीट नंबर 49, पर राज प्रकाश बैठे थे। विधायक ने राज प्रकाश से अपनी सीट नंबर 8 के साथ उनकी सीट बदलने का अनुरोध किया ताकि वह अपने परिवार के साथ बैठ सकें। राज प्रकाश ने मेडिकल कारणों (पैरों के लिए अतिरिक्त जगह की आवश्यकता) का हवाला देते हुए सीट बदलने से मना कर दिया। इसके बाद, जब ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पर रुकी, 7-8 लोग कोच में घुसे और राज प्रकाश पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उन्हें लात-घूंसे और चप्पलों से मारा, जिससे उनकी नाक में फ्रैक्चर हो गया और उनके नाक, मुंह, और कान से खून बहने लगा। एक सह-यात्री कीर्ति ने बताया, हमलावर सीट नंबर 49 पर बैठे राज प्रकाश पर टूट पड़े। कोच में बच्चे और महिलाएं डर गईं।

पूर्व मंत्री रामनिवास रावत का बयान-सुरक्षा पर सवाल-वंदे >>शेष पृष्ठ 2 पर

राहुल का चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

जिससे जवाब चाहिए था, वही सबूत मिटा रहा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जब आयोग से जवाब मांगे जा रहे हैं, तब वह उल्टे सबूतों को मिटा रहा है। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब चुनाव आयोग ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव की सीसीटीवी, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग को 45 दिन बाद नष्ट कर दिया जाए।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मतदाता सूची मशीन-रीडेबल फॉर्मेट नहीं देंगे। सीसीटीवी फुटेज कानून बदल कर छिपा दी। चुनाव की फोटो और वीडियो अब 1 साल नहीं, 45 दिन में मिटा देंगे। जिससे जवाब चाहिए था - वही सबूत मिटा रहा है।' उन्होंने आगे लिखा, स्पष्ट है कि मैच फिक्स है। और फिक्स किया गया चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर है। राहुल गांधी लंबे समय से चुनाव आयोग से मतदाता सूची, चुनावी आंकड़ों और चुनाव से जुड़ी वीडियो फुटेज की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में गड़बड़ी हुई है।

नारे गढ़ने में मोदी को महारत, समाधान में नहीं - लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेश्रन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें नारे गढ़ने की कला में महारत हासिल है जबकि समाधान नहीं देते हैं। श्री गांधी ने आज 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' वादे के बावजूद देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है,युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर आ गया है और चीन से आयात दोगुना क्यों हो गया है।

कांग्रेस नेता ने लिखा, स्पष्ट है कि मैच फिक्स है, जो लोकतंत्र के लिए जहर है

चुनाव आयोग ने दी सफाई- गोपनीयता और सुरक्षा जरूरी

राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने जवाब दिया है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज को सार्वजनिक करना। मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। आयोग के अनुसार, इस तरह की मांगें दिखने में तो जनहित और लोकतांत्रिक ईमानदारी के समर्थन में लगती हैं, लेकिन वास्तव में इनका उद्देश्य इसके विपरीत होता है।

JAN JYOTI
SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा
मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
9165108121 janjyotieyehospital.com
आज ही विजिट करें
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

विभीषिका

गाज़ा में दिल दहला देने वाली तस्वीर

पानी की जद्दोजहद में खो गया बचपन

तेलअवीव। गाज़ा पट्टी से एक वीडियो ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। इस वायरल वीडियो में एक मात्र दो साल की मासूम बच्ची अपने घर से बाहर निकलकर दो भारी जरीकैन उठाए हुए पानी भरने की कोशिश करती नजर आ रही है।

यह वीडियो न सिर्फ गाज़ा में चल रहे युद्ध की भयावहता को दर्शाता है बल्कि इस बात की गवाही भी देता है कि इज़राइल की नाकाबंदी ने वहां के आम नागरिकों की जि़न्दगी को किस कदर मुश्किल बना दिया है। यह वीडियो दुनिया भर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया है और लाखों लोग इसे देख चुके हैं। छोटी सी बच्ची के हाथों में बड़े-बड़े जरीकैन देखकर हर किसी का दिल पसीज गया। बच्ची का यह दृश्य बताता है कि गाज़ा में हालात कितने नाज़ुक और अमानवीय हो गए हैं, जहां एक नन्हीं सी जान को भी परिवार के लिए पानी लाने जैसी जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ के अनुसार गाज़ा में विस्थापित बच्चों को प्रतिदिन महज 1.5 से 2 लीटर पानी मिल पा रहा है, जो किसी भी स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानक से बेहद कम है। आपातकालीन परिस्थितियों में भी एक व्यक्ति के लिए कम से कम 15 लीटर पानी प्रतिदिन की आवश्यकता होती है जिसमें पीने, नहाने और खाना पकाने जैसी बुनियादी ज़रूरतें शामिल होती हैं। सिर्फ जीवित रहने के लिए भी 3 लीटर पानी प्रतिदिन चाहिए होता है, लेकिन गाज़ा में यह संख्या बेहद घटकर 1.5 लीटर तक सिमट चुकी है। इसका सीधा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रहा है, जो डिहाइड्रेशन, डायरिया, त्वचा रोगों और कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। गाज़ा में इस समय लाखों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो चुके हैं। अनुमान है कि दिसंबर से अब तक लगभग 10 लाख लोग गाज़ा के दक्षिणी हिस्से राफ़ा में पहुंचे हैं, जिनमें से आधे बच्चे हैं। ये सभी भोजन, पानी, दवाइयां, छत और सुरक्षा जैसी बुनियादी चीजों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। >>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

देश में कोरोना संक्रमित 19453 मरीज हुए स्वस्थ

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी दर्ज की गई है और शनिवार को इस वायरस से उबरने वालों की कुल संख्या 19453 पहुंच गयी जबकि कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा घटकर 5012 रह गया। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से राजस्थान के एक और मरीज की मौत होने के साथ देश में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 121 हो गया।

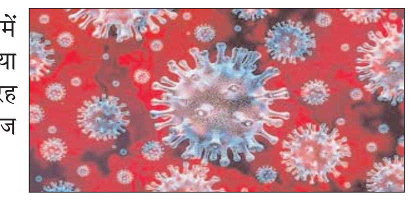

योगी सरकार का अनूठा प्रयास

वृद्धाश्रमों और सर्वोदय विद्यालयों में गूंजे योग के मंत्र

लखनऊ,(आईएएनएस)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगी सरकार के समाज कल्याण विभाग ने एक अनूठी पहल की है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में संचालित वृद्धाश्रमों और जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में विशेष योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में बुजुर्गों, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया। योग प्रशिक्षकों ने योग के लाभ और जीवन में इसकी महत्ता पर जागरूकता फैलाई, जिससे समाज के वंचित वर्गों को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया गया।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में संचालित वृद्धाश्रमों में रहने वाले 6,500 से अधिक बुजुर्गों ने इस अवसर पर योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया। वहीं, सर्वोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों और प्रशिक्षकों के साथ मिलकर सामूहिक योग कर 'निरोग जीवन' का संकल्प लिया। योगी सरकार का समाज कल्याण विभाग प्रदेश के प्रत्येक जिले में 150 क्षमता वाले वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है। इस अवसर पर वाराणसी वृद्धाश्रम में बीएचयू के योग विशेषज्ञ विनोद कुमार पटेल द्वारा सभी वृद्धजनों और स्टाफ को योग कराया गया और उन्हें नियमित योग से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। महोबा के आधारशिला वृद्धाश्रम में योगाचार्य प्रेम नारायण स्वर्णकार ने विशेष सत्र का संचालन किया। बहराइच के अमीनपुर नगरौर वृद्धाश्रम में योगाचार्य अजय कुमार चौधरी, डॉ. राम गोपाल व अन्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों को सरल योगासन सिखाए। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने वृद्धजनों को प्रेरित किया कि वे हर दिन योग करें और स्वस्थ जीवन जिएं।

योग दिवस के अवसर पर जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में भी योग कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। चकिया, चंदौली स्थित हेतिमपुर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। विद्यार्थियों ने प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, वज्रासन, ताड़ासन जैसे योगासन किए। योग प्रशिक्षकों ने उन्हें एकाग्रता बढ़ाने, मानसिक तनाव को दूर करने और जीवनशैली में अनुशासन लाने की विधियां बताईं। कार्यक्रम के दौरान सभी संस्थानों में योग को जीवनशैली में शामिल करने पर बल दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि योग न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि यह मन को भी शांत करता है। विशेष रूप से बुजुर्गों और किशोरों के लिए योग दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है।

समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक कृष्ण प्रसाद ने बताया कि योग दिवस विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सेहत को बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। विभाग द्वारा कक्षा 6 से 12 तक 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें आवासीय सुविधा, गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग भी दी जाती है।

योग ही सनातन का सार है, योग परम सत्य है, सनातन शाश्वत सत्य योग है, योगधर्म ही सनातनधर्म व युगधर्म है : स्वामी रामदेव

एंटीएजिंग, इम्युनिटी लोंगिविटी एवं डिजीज को कन्ट्रोल करने से लेकर उन्हें रिवर्स करने का सामर्थ्य योग में है : आचार्य बालकृष्ण

कुरुक्षेत्र, देशबन्धु। पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के दिशानिर्देशन में 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पतंजलि योगपीठ तथा हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज, आचार्य बालकृष्ण जी महाराज तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक भूमि पर योग साधकों को योगाभ्यास कराया। इसी के साथ पतंजलि योग समिति के माध्यम से देश के समस्त 650 जिलों में कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत निःशुल्क योग का प्रशिक्षण दिया गया। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 1 लाख से अधिक योग साधकों ने एक-साथ योगाभ्यास कर नया कीर्तिमान बनाया। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी जी महाराज ने उपस्थित योग साधकों को योग व स्वदेशी का संकल्प दिलाया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम वन अर्थ, वन हेल्थ रही।इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि दुनिया में अब 200 करोड़ से ज्यादा लोग योग कर रहे हैं, योग अब युगधर्म बन गया है। उन्होंने कहा कि योग ही सनातन का सार है। योग अप्रतिम विद्या, योग हमारे संस्कारों, संस्कृति व प्रकृति में है। युगों-युगों से योग हमारे भीतर घटित हो रहा है। योग ही जीवन का सत्य है। योग ही मति, कृति, प्रकृति व संस्कृति का आधार है। संस्कृति मूलक समृद्धि का आधार योग ही है। विरासत मूलक विकास का नारा हमारे योगी योद्धा माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिया है।

स्वामी जी ने कहा योगी योद्धा मोदी जी ने प्रत्येक ग्राम प्रधान को योग को प्रचारित करने हेतु पत्र लिखा है। सरपंच व ग्रामप्रधान अब योग्य योगपंच व योगप्रधान बनें। माननीय प्रधानमंत्री जी जहाँ भी जाते हैं वहाँ योग व भारतीय संस्कृति व सनातन की प्रतीक श्रीमद्भगवद्गीता भेंट करते हैं। देश में राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री गृहमंत्री व रक्षा मंत्री भी योगी हैं। आज देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, गृहमंत्री, रक्षामंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री योग करते हैं।

- आज दुनिया के 200 देशों के 200 करो? से ज्यादा लोग कर रहे हैं योग : स्वामी रामदेव
- हमें योगयुक्त तथा नशा व रोगमुक्त हरियाणा बनाना है -नायब सिंह सैनी
- एंटीएजिंग, इम्युनिटी लोंगिविटी एवं डिजीज को कन्ट्रोल करने से लेकर उन्हें रिवर्स करने का सामर्थ्य योग में है: आचार्य बालकृष्ण

देश का हेल्थ बजट शून्य करने का ताकत है योग में-देश में दवाओं के नाम पर 10 लाख करो? रुपए खर्च होते हैं। जब देश के करोड़ों लोग रोज योग करेंगे तो देश का हेल्थ बजट शून्य हो जाएगा। यदि प्रत्येक देशवासी योग करे तो देश को 10 लाख करो? रुपए की बचत हो सकती है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि योग एवं योगमूलक जीवन पद्धति को आत्मसात करने के लिए आज विश्व लालायित है। योग युगों-युगों से चली आ रही हमारे पूर्वजों की बहुत ब?ी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है। योग का क्रियात्मक पक्ष अष्टांगयोग, ध्यानयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, क्रियायोग एवं हठयोग आदि का वैयक्तिक व सामूहिक अभ्यास है। योगमूलक सनातन, शाश्वत, वैज्ञानिक, सार्वभौमिक सिद्धान्तों पर आधारित एक आध्यात्मिक नैतिक व्यवस्था है।स्वामी जी ने कहा कि 1835 से चली आ रही मैकाले की शिक्षा पद्धति से देश को मुक्त करने के लिए पतंजलि गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्र और नेतृत्व वाले बच्चों का निर्माण कर रहे हैं। आगे लाखों विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कर हम एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि दैनिक जीवन में यदि आधा से एक घंटा का भी योग का क्रियात्मक अभ्यास कर लिया जाये तो जीवन को स्वस्थ, सुखी व आनन्दमय बनाया जा सकता है। प्रतिदिन के योगाभ्यास से एंटीएजिंग, इम्युनिटी लोंगिविटी एवं डिजीज को कन्ट्रोल करने से लेकर उन्हें रिवर्स करने का सामर्थ्य योग में है। योग पर हो रहे विभिन्न शोधों एवं वैश्विक स्तर पर वर्ल्ड के टॉपइम्पैक्ट के जनरल्स में योग रिसर्च के हजारों प्रमाण प्रकाशित हो चुके हैं तथा हमने भी सैकड़ों रिसर्च पेपर योग पर पतंजलि रिसर्च फाउन्डेशन की ओर से प्रकाशित करवाये हैं।

योग दिवस पर दिलवाया योग व स्वदेशी का संकल्प

स्वामी जी ने कहा कि देश में समृद्धि स्वदेशी अपनाने से ही आ सकती है। ऑक्सफैम ग्लोबल यू.के. एवं अन्य स्रोतों के सर्वे के अनुसार, 1765 से 1900 के बीच विदेशी कंपनियों और आक्रांताओं ने भारत से 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की लूट की और आज भी वह लूट निरंतर जारी है। स्वामी जी स्वदेशी के माध्यम से इस लूट को रोकने और भारत को आर्थिक महाशक्ति की ओर ले जाने के लिए संकल्पित है। हमारे योगी योद्धा प्रधानमंत्री मोदी जी ने आह्वान किया है कि हम प्रतिदिन जीवन में स्वदेशी का प्रयोग करें। प्रात- से सायं तक प्रतिदिन प्रयोग होने वाले सामान की सूची बनाएँ और विदेशी सामान का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाएँ। ऐसा करके हम भारत माता की सेवा कर सकते हैं। स्वदेशी के संकल्प से ही भारत परम वैभवशाली बनेगा। Prosperity for Charity के तहत पतंजलि ने 100त्र लाभ भारत माता की सेवा में लगाया है, लगा रहे हैं और आगे भी लगाएंगे।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गण 1. निशांत खंडेलवाल पिता राजेन्द्र खंडेलवाल निवासी 324 सदर केंट जबलपुर 2. भोलेशंकर नामदेव पिता रामशंकर नामदेव निवासी 3009 झंडाचौक पुरवा गढा जबलपुर 3. मकसूद खान पिता नूरखां निवासी आनंद नगर सुभाष वार्ड जबलपुर समर्थ कस्ट्रक्शन एवं डेवलपर्स जबलपुर के द्वारा दिनांक 05.12.2017 को (वर्तमान) स्व. विष्णू प्रसाद शिवहरे पिता जुगलकिशोर शिवहरे निवासी ग्राम मेहता थाना घंसौर जिला सिवनी एवं वार्ड क्रमांक 4 थाना वा तहसील लखनादौन जिला सिवनी से ग्राम मेहता प.ह.नं. 28 नया 14 तहसील वा थाना घंसौर जिला सिवनी स्थित खसरा नंबर-126/1 रकवा 3.19 हे. भूमि को खरीदने के संबंध में रजिस्टेड इकरारनामा उप पंजीयक आफिस लखनादौन में प्रतिफल बतौर किया गया था तथा उक्त भूमि में से खसरा नंबर-126/1/2 रकवा रकवा 0.49 हे. तथा खसरा नंबर 126/1/1 रकवा 2.46 हे. की भूमि का दिनांक 17.06.2020 को रजिर्स्टड विक्रय पत्र के माध्यम में मेरे पक्षकार गणों ने विष्णू शिवहरे के जीवन काल में रजिस्ट्री करा ली है इस प्रकार मेरे पक्षकार गणों को 2.95 हे. भूमि प्राप्त हो चुकी है। तथा मूल खसरा नंबर- 126/1 बटांक खसरा की शेष भूमि 0.25 हे. भूमि की रजिस्ट्री होना था इसी बीच विष्णू शिवहरे का देहांत हो गया है और रजिस्ट्री नहीं हो पाई तथा उक्त भूमि में से मेरे पक्षकार गणों से रजिर्स्टड अनुबंध होने के बावजूद भी स्व. विष्णू शिवहरे ने चोरी छिपे कुछ भूमि की रजिस्ट्री अन्य लोगों को कर दी है ऐसी जानकारी वर्तमान में मेरे पक्षकार गणों को प्राप्त हुई है एवं वर्तमान में स्व. विष्णू शिवहरे की मृत्यु उपरांत उनके विधिक उत्तराधिकारी गण 1. सावित्री बाई (पत्नि) 2. जगदीश शिवहरे (पुत्र) 3. संगीता (पुत्री) 4. अनीता (पुत्री) 5. कमला (पुत्री) के नाम पर विक्रित भूमि खसरा नंबर 126/1 रकवा 3.19 की शेष भूमि का नया खसरा नंबर- 126/1/1/1 रकवा 0.04 हे. तथा खसरा नंबर-126/1/3/1 रकवा 0.15 हे. राजस्व रिकार्ड में दर्ज है मेरे पक्षकार गणों को ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है कि विष्णू शिवहरे के विधिक उत्तराधिकारी गण जिन्हे पूर्व में अपने पिता के द्वारा मेरे पक्षकार गणों को भूमि विक्रय किये जाने की जानकारी है उनके द्वारा उक्त भूमि को विक्रय किए जाने का सौदा तथ्य को छुपाकर आम जनता से किया जा रहा है। अतः आम सूचना के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि ऊपर वर्णित भूमि के बटांक खसरा तथा शेष दोनों रकवा की भूमि के किसी अंश को क्रय न करे न ही क्रय करने के संबंध में कोई सौदा, इकरारनामा, रजिर्स्टड विक्रय पत्र निष्पादित न करे अन्यथा जो भी व्यक्ति संस्था संपूर्ण भूमि या भूमि के कोई भी अंश को क्रय करेगा उसकी संपूर्ण जबाबदारी क्रेता की होगी और इसमे होने वाले किसी भी नुकसान अदालती कार्यवाही की प्रतिपूर्ती व कब्जे के संबंध में मेरे पक्षकार गण उत्तरदायी नही होगे ।

लखनादौन, दिनांक 22/6/2025

शंकर ला चेम्बर्स
विनय नेमा (अधिवक्ता)
कचहरी रोड लखनादौन जिला सिवनी 9424327131

अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर वापस भेजा

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे चार और बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में अवैध रूप से रहने के लिए होटलों का इस्तेमाल किया। फिलहाल उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ), दिल्ली के माध्यम से बांग्लादेश भेज दिया गया है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना लखनवाड़ा जिला सिवनी म.प्र.

क्रमांक / था. प्रा./लखनवाडा / 775ए/2025 दिनाक 18/6/2025

// वाहन नीलामी सूचना//

आम जनता को सूचित किया जाता है कि थाना डूण्डासिवनी जिला सिवनी 281/2022 4.6.9 गौवंश प्रतिशेध अधिनियम 11घ पशुओं के प्रति क्रूरता अधिनियम 66/192 मो. व्ही. एक्ट में 1 नग चार पहिया टाटा वाहन नीलाम किया जाना है। बाहन का निवर्तमान अनुमोदित ऑफसेट मूल्य के आधार पर किया जावेगा। अधिकतम बोली को विक्रेता घोषित किया जायेगा। निविदा के समय धरोहर राशि तत्काल जमा होगी अन्यथा निविदा अमान्य होगा। धरोहर राशि का समायोजन मूल राशि में किया जायेगा। असफल निविदाकारों की धरोहर राशि वापस की जाकर कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। तीन दिन में संम्पूर्ण राशि जमा करनी होगी वरना धरोहर राशि राजमात होगी। निविदा का बाहन का अवलोकन नीलामी के समय कर सकते है बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। नीलामी विक्रय उपरान्त पुलिस विभाग का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा, निविदा की अंतिम प्रक्रिया तक किसी भी बिन्दु पर निर्णय का अंतिम अधिकार निर्णय अधिकारी का होगा। निविदाकार को फोटो युक्त पहचान पत्र स्वप्रमाणित देना होगा प्रत्येक निविदाकार को बोली में भाग लेने के पूर्व नीलामी स्थल पर 500/- रूपये नगद रसीद के रूप में जमा करने होंगे जो किसी भी हालत में वापस योग्य नहीं होंगे एवं जमानत राशि 10,000/- जमा करानी होगी जो बापसी योग्य होगी या वाहन क्रय करने की दशा में विलोपित किये जायेगे। धरोहर राशि राजकोष में जमा की जावेगी।

क्र.	वाहन क्रमाक	वाहन प्रकार
1	MP20GB5587	TATA INTRA

उपरोक्त वाहनों की नीलामी दिनांक 25-06-2025 दिन बुधवार को समय 12.00 बजे स्थान थाना परिसर लखनवाड़ा जिला सिवनी में की जावेगी।
"आज दिनांक 18 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।"
नीलामी स्थानः थाना परिसर लखनवाड़ा जिला सिवनी
नीलामी दिनाकः- 25.06.2025 दिन बुधवार
समयः-12.00 बजे
सम्पर्क मो. नं. 8269052466

थाना प्रभारी
G-14564/25 थाना लखनवाड़ा, जिला सिवनी (म.प्र.)

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER- I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur (M.P.)- 482001

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993

RC/677/2018 16-06-2025

BANK OF BARODA
Versus
MOHAMMED RAFIQUE RAFIQUE

To,
(CD 1) MOHAMMED RAFIQUE RAFIQUE, STREET NO. 3, MAKKA NAGAR, RAJA CHOWK, SUBHASH WARD, ADHARTAL, JABALPUR (M.P.)- 482002
(CD 2) MOHAMMAD SAFIQUE, STREET NO. 3, MAKKA NAGAR, RAJA CHOWK, SUBHASH WARD, ADHARTAL, JABALPUR (M.P.)- 482002
(CD 3) SHAKEELA BEGUM, STREET NO. 3, MAKKA NAGAR, RAJA CHOWK, SUBHASH WARD, ADHARTAL, JABALPUR (M.P.)- 482002
(CD 4) RAJKUMAR SINHA, MANNULAL TRUST HOSPITAL CAMPUS, QTR NO. 01, DIXITPURA, JABALPUR (M.P.)- 482002

Whereas you the **MOHAMMED RAFIQUE** was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **17/12/2018** in **OA/475/2016** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs. 2185154.00 (Rupees Twenty One Lakhs Eighty Five Thousands One Hundred Fifty Four Only)** along with pendentelite and future interest @ 12.00% Simple Interest Yearly w.e.f. **14/07/2016** till realization and costs of **Rs. 51000 (Rupees Fifty One Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable / Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **01/08/2025** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and setting the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

SPECIFICATION OF PROPERTY

Double Storied Residential Building, on Khasra No. 190/10, 190/10k, P.C. No. 22/25, N.B. No. 52, situated at Betla Adhartal, Subhash Ward, Tehsil & District- Jabalpur (M.P.) Build-up area GF- 2224 sq.ft. & FF- 2224 sq.ft. Total 4448 sq.ft. area of land 4320 sq.ft. in the name of Smt. Shakeela Begum W/o Mohammad Ishhaque, Mohammad Rafique S/o Mohammad Ishhaque and Mohammad Safique S/o Mohammad Ishhaque.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **16/06/2025.**

Seal **(Ms PRITI DESAI), Recovery Officer-II, Debts Recovery Tribunal, Govt. of India, Ministry of Finance Jabalpur (M.P. & C.G. States)**

CHANGE OF NAME

I Ramsingh Nigam Thakur Sohalat S/o Solhat Singh Nigam Thakur R/o House No- 81, Ward No- 20, Railway Colony Hirdagarh, Hirdagarh Jamai Chhindwara, Madhya Pradesh - 480551, have changed my name to Ramshing Sohalat . कृति

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

Phone/Fax No.: 07658-264242, E-mail: cmobijuri@mpurban.gov.in,

क्र./497/न.पा./लो.नि./2025 बिजुरी, दिनांक 09/06/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_UAD_429458_1	OCTAGONAL POLE FITTINGFROMBESIDE OF CENTRAL BANK OF INDIA TO SARASWATI SCHOOL TIRAHA VIA SBI BANK AT WARD NO10	18.41 लाख	13810.00	2000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
2	2025_UAD_429457_1	CONSTRUCTION OF SAMUDAYIKBHAWAN AT MAIRTOLAWARD NO 03	69.06 लाख	51796.00	10000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
3	2025_UAD_429455_1	CONSTRUCTION OF GANESH PANDAL NEARPUROSHOTTAM SINGH HOUSE AT WARD NO 03	16.94 लाख	12708.00	2000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
4	2025_UAD_429454_1	CONSTRUCTION OF NAV DURGA PANDAL AT KAPILDHARA COLONYATWARDNO 07	27.39 लाख	20550.00	5000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
5	2025_UAD_429459_1	EXTENSION OF LT LINE NEAR SAMUDAYIKBHAWAN AT KHALE TOLA BASTI WARD NO 01	20.85 लाख	15642.00	5000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
6	2025_UAD_429473_1	INSTALLATION OF 100KVTRANSFORMER AT NEW COLONY AND 11KV LINE SHIFTING INFRONT OF TEHSIL AND NAGARPALIKA OFFICE AT WARD NO 12	10.16 लाख	7626.00	2000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
7	2025_UAD_429475_1	EXTENSION OF 11KV LINE FROM RAM SINGH HOUSE TO BABBUPAVHOUSEAT WARD NO 13	30.26 लाख	22700.00	5000.00	08-07-2025 (17:30 HRS)
8	2025_UAD_429456_1	CONSTRUCTIONOF STRUCTURE OF DURGAPANDALAT WARD NO 03	9.58 लाख	9588.00	2000.00	09-06-2025 (17:30 HRS)
9	2025_UAD_429462_1	EXTENSIONOF11KV LINE AT SAHU MOHALLAATWARD 15	4.49 लाख	4992.00	2000.00	23-06-2025 (17:30 HRS)
10	2025_UAD_429463_1	LT LINE EXTENSION AT GALLAIYA TOLA ANDMOHADADAFAI AT WARD 6	6.92 लाख	6928.00	2000.00	23-06-2025 (17:30 HRS)

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जायेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद् बिजुरी जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

एयर इंडिया.....

अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। वर्तमान में एआई 171 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर दुर्घटना से जूझ रही एयर इंडिया को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अहमदाबाद की दुखद घटना में 241 यात्रियों और क्रू मेंबर्स सहित लगभग 270 लोगों की मौत हो गई थी।एविएशन इंडस्ट्री एम्प्लॉइज गिल्ड (एआईईजी) ने पिछले साल

न्यायालय श्रीमान जिला न्यायाधीश महोदय, बुदनी जिला सीहोर (म.प्र.)

Filling No. RCSHM 36/2025
CNR No. MP37050001332025
Reg. No. RCSHM 5/2025

पेशी दिनांक - 25.07.2025

श्रीमती अंकिता पाण्डे व नवीन केवट
विरूद्ध
सर्वसाधारण

एतद द्वारा अनावेदक सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अंकिता पाण्डेय पत्नि नवीन केवट पुत्री उदित नारायण पाण्डेय उम्र-25 वर्ष निवासी फाईल - 2 कोलार भोपाल (म.प्र.) वर्तमान ग्राम जाजना तहसील रहटी जिला सीहोर म.प्र. एवं नवीन केवट पुत्र स्व. रघुनाथ प्रसाद केवट उम्र-32 वर्ष निवासी हाउस नं. 300 आई पाइप बस्ती सरवेन्ट क्वाटर मेडिकल पुरूवा गढ़ा जबलपुर मध्यप्रदेश के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 13 (बी) हिन्दु विवाह अधिनियम 1956 के अंतर्गत सहमति से उनके मध्य हुए विवाह दिनांक 12.05.2015 को विच्छेद किये जाने बावत् इस न्यायालय में प्रस्तुत कर विवाह विच्छेद की डिक्री प्राप्त करने की मांग की है। इस प्रकरण के पक्षकार अंकित पाण्डेय एवं नवीन केवट विरूद्ध सर्वसाधारण है, जिसका वाद क्रमांक **RCSHM 5/2025** है जिसका **CNR No. MP 37050001332025** है जिसमें अनावेदक/सर्वसाधारण को अनावेदक के रूप में पक्षकार बनाया गया है, जिसमें उनकी उपस्थिति हेतु पेशी सुनवाई दिनांक 25.07.2025 दिन शुक्रवार को नियत की गई है, जिसमें आप अनावेदक/सर्वसाधारण अपना प्रतिपक्ष रखने या हित या संबंध हो तो अपने प्लीडर या अभिभाषक जिसे आप द्वारा उक्त प्रकरण के संबंध में समझाकर निर्देशित किया गया है, जिससे यह प्रकरण में आपकी और से उपस्थित कर आपका पक्ष समर्थन कर सके, नियत पेशी दिनांक को दिन के 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित रहे और अपना पक्ष रखें, अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही करके आपके बिना सुने जाकर निर्णय पारित किया जायेगा, यदि उक्त पेशी दिनांक को अवकाश घोषित होने पर न्यायालय द्वारा प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस में होगी जो सूचित हो दिनांक 16.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

कृति **डॉ. वैभव विकास शर्मा, जिला न्यायाधीश बुदनी जिला सीहोर (म.प्र.)**

In The Court Of VI Additional District and Session Judge District Court, Jabalpur

Presiding Officer:
विपिन सिंह भदौरिया
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA/0000282/2023)
श्रीमती सुनीता सिंह गौर...वादी
Vs
मोहम्मद सिद्दीक ...प्रतिवादी
Process Id-/ 2025
पेशी दिनांक.:-02/07/2025

प्रेषिती-(1) आरिफ खान उर्फ अतू खान उर्फ पिता स्व. इदरीश खान पता- मौलाना आजाद वार्ड क्रमांक 26 मुबारक किराना स्टोर्स के पास शेर खान का अखाड़ा मंजूराबाद थाना गोहलपुर जिला जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी श्रीमती सुनीता सिंह गौर ने अपके विरूद्ध आर सी ए प्रथम अपील धारा अंतर्गत 96 सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 19 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ प्रथम अपील धारा अंतर्गत 96 सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की छायाप्रति संलग्न
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 878 **(विपिन सिंह भदौरिया) जिला न्यायाधीश (षष्टम) जबलपुर (म.प्र.)**

दिल्ली-भोपाल वंदे ......

भारत (20172 दिल्ली से भोपाल) में एक्जीक्यूटिव क्लास (श्व-2) में सीट नंबर 49 पर बैठे एक व्यक्ति के साथ 7-8 बाहर से आए लोगों ने पूरे कोच के यात्रियों के सामने मारपीट की। घायल व्यक्ति के नाक, मुंह, कान से खून बहने लगा। इन लोगों का साथ पुलिस के कुछ लोग भी दे रहे थे। उन्होंने आगे कहा- वंदे भारत जैसी ट्रेन में ये स्थिति है तो आम ट्रेनों में यात्रियों का क्या हाल होगा? इस तरह की घटनाएं यात्रियों को भयभीत करने का काम करती हैं। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से आग्रह है कि इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

विधायक का पक्ष- अभद्रता का आरोप, एनसीआर दर्ज-बीजेपी विधायक राजीव सिंह ने इस मामले में अपनी सफाई दी और झांसी जीआरपी थाने में गैर-संज्ञेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज कराई। उन्होंने दावा किया कि राज प्रकाश और उनके साथी ने उनकी पत्नी और परिवार के प्रति अभद्र व्यवहार किया। झांसी के रेलवे पुलिस अधीक्षक विपुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया, राज प्रकाश ने भोपाल पहुंचने पर शिकायत दर्ज करने की बात कही थी, लेकिन शुक्रवार दोपहर तक भोपाल रेलवे पुलिस को कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जाएगी, बशर्ते शिकायत दर्ज हो।

पानी की जद्दोजहद..

छोटे बच्चों के लिए यह हालात और भी ज्यादा खतरनाक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की आपात स्थिति में बच्चे जल्दी डिहाइड्रेशन, डायरिया और संक्रमण का शिकार होते हैं। ये सभी समस्याएं एक साथ मिलकर उनकी जान के लिए घातक बन सकती हैं।

विमान में तकनीकी खराबी की सूचना देने के लिए एयरलाइन द्वारा दो केबिन क्रू सदस्यों को बर्खास्त

यूनिसेफ का कहना है कि मौजूदा हालात में बच्चों के जीवित रहने की संभावना बेहद घट गई

देश-प्रदेश

उवाच

राज्यपाल के नेतृत्व में राजभवन में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन में सामूहिक योगाभ्यास का नेतृत्व किया। राज्यपाल के साथ करीब 150 प्रतिभागी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम राजभवन के सांदीपनि सभागार मे हुआ। राज्यपाल ने सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। आसनों के बाद कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि प्राणायाम किए। क्लैपिंग एवं लाफिंग थेरेपी के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम का समापन हुआ।

खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से मजदूर की मौत, 4 घायल

मुरैना, एजेंसी। जिले के नूराबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जड़ेरुआ के समीप वाटर प्रोजेक्ट के लिए पाइप लाइन डालने के लिए आज हो रही खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से एक निजी टेलीकॉम कंपनी के एक मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के ग्राम जड़ेरुआ के पास वाटर प्रोजेक्ट के लिए एक निजी टेलीकॉम कंपनी के मजदूर पाइप लाइन डालने के लिए खुदाई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर में सोलह फीट गहरे में काम करते समय अचानक मिट्टी धंस गई और उसमें पांच मजदूर दब गए। इस हादसे में कल्लू सिंह (40) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल प्रीतम, प्रमोद, संदीप और सुनील सिंह को उपचार के लिए मुरैना के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार मिट्टी में दबे मजदूरों को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला।

उज्जैन जिले के डोंगला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित कार्यशाला हुई

डोंगला की प्रतिष्ठा के साथ आधुनिकीकरण पर दिया जाएगा विशेष ध्यान: डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन जिले के काल गणना केंद्र डोंगला का देश में एक विशिष्ट स्थान है। डोंगला को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने के साथ ही यहां स्थापित वेधशाला के समय-समय पर आधुनिकीकरण के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा । मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को डोंगला में खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा'' पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के साथ डोंगला भी काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। डोंगला के विकास और आधुनिकीकरण के लिए समय-समय पर कार्य किया जाएगा। डोंगला की महत्ता सर्वविदित है। राज्य सरकार वैज्ञानिक प्रबंधन तथा वैज्ञानिक शोध के लिए कटिबद्ध है। प्राचीन भारतीय ज्ञान पर और अधिक रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डोंगला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित कार्यशाला का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्राचीन ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान का समन्वय करते हुए आज के युग की समस्याओं के समाधान के लिए शासन द्वारा कार्य किया जाएगा।

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि डोंगला भारतीय काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। भारतीय काल गणना में सूक्ष्म गणना को महत्व दिया गया है। वैज्ञानिक डॉ. श्रीनिवासन ने राज्य शासन द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. अरविंद रानाडेने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में विकास के लिए सराहनीय कदम उठाए गए हैं। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश में एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स तथा स्पेस टेक्नोलॉजी के सामंजस्य पर कार्य किया जा रहा है। उज्जैन तथा डोंगला काल गणना का केंद्र है। कार्यशाला कोमहाप्रबंधक आरआरएससी सेंट्रल इसरो भारत सरकार डॉ. जी. श्रीनिवासन तथा प्रोफेसर मूर्ति ने भी संबोधित किया ।

एमओयू हुआ साइन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परंपरा डिवीजन नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मध्य एमओयू साइन किया गया। इसके अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमाणीकरण दस्तावेजीकरण तथा मानकीकरण का कार्य किया जाएगा । इसके अलावा आगामी मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ड्रोन एवं रोबोटिक्स हैकाथॉन पोस्टर का विमोचन किया गया। साथ ही आगामी जनवरी में भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री बने शिक्षक, शून्य होती परछाई को देखा

उज्जैन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 21 जून को होने वाली अद्भुत खगोलीय घटना डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में देखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंकु यंत्र पर परछाई परिचालन व्यवस्था में शून्य होती परछाई को देखा और उपस्थित सभी को सूर्य परिचालन से समय परिवर्तन और काल गणना को भी समझाया।

उन्होंने शिक्षक के रूप में भारतीय ज्ञान परंपरा अनुसार खगोलीय विज्ञान की जानकारी सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को समझाई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, जनप्रतिनिधि राजेश धाकड़, बहादुर सिंह चौहान, महानिदेशक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद डॉ. अनिल कोठारी, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे, शिवकुमार शर्मा उपस्थित रहे।

दोपहर 12:28 बजे डोंगला वेधशाला पर छांव हुई विलुप्त

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम आयोजित

भारत ने दुनिया को योग दिया : शिवप्रकाश

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि दुनिया ने युद्ध दिया, लेकिन भारत ने दुनिया को भगवान बुद्ध और योग दिया, जो मानव कल्याण के मार्ग को प्रशस्त कर रहे हैं। योग का मतलब ही जोड़ना होता है। योग मन को जोड़ने का कार्य करता है। एकाग्रता से कार्य करने से ही सफलता मिलती है। एकाग्रता योग से ही प्राप्त की जा सकती है। शिवप्रकाश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने कार्य को कुशलता पूर्वक संपन्न कर परमात्मा को समर्पित करना ही योग है।

योग ब्रह्मांड को समान भाव से देखने की दृष्टि देता है, जो संघर्ष, शोषण, युद्ध से निकलकर सबके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत हुई और आज संपूर्ण विश्व योग की तरफ बढ़ रहा है। विश्व के सभी समस्याओं को योग के माध्यम से हल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में आज जमीन, पानी और आकाश पर एक साथ योग किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री शरतेन्दु तिवारी, संभाग प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, सत्येन्द्र भूषण सिंह, एसएस उप्पल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने किया और आभार प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने माना।

धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है, योग : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि योग, धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत के मूल दर्शन, जीवन शैली और हजारों वर्षों पुरानी हमारी योग परंपरा से पूरी दुनिया को परिचित कराने का गौरवशाली दिवस है। योग के माध्यम से निरोग के साथ-साथ हमारा मन शांत होता है, शांति से संतोष प्राप्त होता है और संतोष से हम अहिंसा की ओर बढ़ते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। साथ ही इस बात का समर्थन किया कि योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने पूरी दुनिया में समग्र स्वास्थ्य क्रांति के नए युग का सूत्रपात किया। हम 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। यह एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, विषय को समर्पित है।

दुनिया ने योग को आत्मसात किया : शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज विश्व के 180 से अधिक देशों ने योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने दुनिया के देशों को स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनाने की सलाह दी थी और दुनिया के देशों ने हमारी भारतीय संस्कृति के प्रतीक योग को आत्मसात किया। वर्तमान कालखण्ड में भारत के गौरव की यश-पताका को निरन्तर विश्व में लहराने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस भारतीय ज्ञान-मनीषा को समूची दुनिया में लोकप्रिय एवं नवीन पहचान दिलाने का कार्य किया है। आज पूरा विश्व योग के साथ ही भारत के वैभव और निरन्तर प्रगति की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहा है। मोदी जी के प्रयासों से ही आज विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील अधारताल जिला जबलपुर

आम इश्तहार

रा.प्र.क्र. 2491/अ-6/2024-25

आवेदक महेश दुबे पिता श्री बल्देव प्रसाद दुबे निवासीः- 425 वृन्दावन दुबे की गली दीक्षितपुरा जबलपुर म0प्र0 के अनुसार पंजीकृत वसीयतनामा पत्र दिनांक 18/12/1990 के द्वारा नजूल ब्लॉक न0 4 प्लॉट न0 73/2 का रकवा 1865 वर्गफुट भूमि वसीयतनामा पत्र दिनांक 18/12/1990 के आधार पर वसीयतनामा पत्र के अनुसार वर्तमान राजस्व अभिलेखो में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र वसीयतनाम पत्र एवं वर्तमान राजस्व अभिलेखों की प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 8/7/25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20/6/25 इश्तहार किया गया।

जारी दिनांक 20/6/25 तहसीलदार
पेशी दिनांक 8/7/25 अधारताल जबलपुर

Barela Nagar Parishad

संपत्ति आईडी 1004185578 जावक नं. 1429
प्रकरण क्र. शहरी स्थानीय निकाय-PT5477 दिनांक 17-06-2025

नामान्तरण आपत्ति का सूचना पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि MR. Jitendra kumar chourasiya S/o हस्ते यशराज खत्री S/O संजीव कुमार खत्री ने भवन / भूखण्ड क्रमांक 354, Barela 483001 Ward-12
पिन क्रमांक / पुरानी सम्पति आई.डी - 0
प्लाट एरिया - 1680, निर्माण एरिया - 1680.0

सं.क्र.	उपयोग प्रकार	उपयोग कारक	ज़मीन	निर्माण	क्षेत्र
1	आवासीय	स्वयं-उपयोग	ग्राउंड फ्लोर	अन्य आंशिक कच्चे भवन जो उपरोक्त में नहीं आते	800.0
2	आवासीय	स्वयं-उपयोग	ग्राउंड फ्लोर	खुली भूमि	880.0

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर निम्नलिखित नाम/नामों 1. यशराज खत्री S/O संजीव कुमार खत्री पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है।
जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर Barela Nagar Parishad के कार्यालय में नामान्तरण शाखा में लिखित एवं प्रमाण-पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थनापत्र प्रस्तुतकृत का नाम कर निर्धारण पुस्तिका में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

र.नं. 881 राजस्व अधिकारी, नगर परिषद बरेला

Barela Nagar Parishad

संपत्ति आईडी 9000020470 जावक नं. 1456
प्रकरण क्र. शहरी स्थानीय निकाय-PT5940 दिनांक 20-06-2025

नामान्तरण आपत्ति का सूचना पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि MRS. राम बाई साहू W/O rajendra prasad sahu हस्ते राजेन्द्र प्रसाद साहू S/O झलकन लाल साहू ने भवन / भूखण्ड क्रमांक 54, Barela 483001 Ward-13
पिन क्रमांक / पुरानी सम्पति आई.डी - 7000881229
निर्माण एरिया - 8433.0

सं.क्र.	उपयोग प्रकार	उपयोग कारक	ज़मीन	निर्माण	क्षेत्र
1	वाणिज्यिक	किराये से	ग्राउंड फ्लोर	आर.सी.सी.आर. या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	2258.0
2	आवासीय	स्वयं-उपयोग	पहली मंजिल	आर.सी.सी.आर. या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	980.0
3	आवासीय	स्वयं-उपयोग	ग्राउंड फ्लोर	खुली भूमि	5195.0

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर निम्नलिखित नाम/नामों 1. राजेन्द्र प्रसाद साहू S/O झलकन प्रसाद साहू पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है।
जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर Barela Nagar Parishad के कार्यालय में नामान्तरण शाखा में लिखित एवं प्रमाण-पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थनापत्र प्रस्तुतकृत का नाम कर निर्धारण पुस्तिका में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

र.नं. 881 राजस्व अधिकारी, नगर परिषद बरेला

Barela Nagar Parishad

संपत्ति आईडी 1004185194 जावक नं. 1458
प्रकरण क्र. शहरी स्थानीय निकाय-PT5934 दिनांक 20-06-2025

नामान्तरण आपत्ति का सूचना पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि MRS. राम बाई साहू W/O हस्ते राजेन्द्र प्रसाद साहू S/O झलकन लाल साहू ने भवन / भूखण्ड क्रमांक 54, Barela 483001 Ward-13
पिन क्रमांक / पुरानी सम्पति आई.डी - 0
प्लाट एरिया - 3740, निर्माण एरिया - 3040.0

सं.क्र.	उपयोग प्रकार	उपयोग कारक	ज़मीन	निर्माण	क्षेत्र
1	वाणिज्यिक	किराये से	ग्राउंड फ्लोर	आर.सी.सी.आर. या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	1200.0
2	वाणिज्यिक	किराये से	पहली मंजिल	आर.सी.सी.आर. या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	1200.0
3	वाणिज्यिक	किराये से	ग्राउंड फ्लोर	आर.सी.सी.आर. या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	1200.0

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर निम्नलिखित नाम/नामों 1. राजेन्द्र प्रसाद साहू S/O झलकन प्रसाद साहू पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है।
जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर Barela Nagar Parishad के कार्यालय में नामान्तरण शाखा में लिखित एवं प्रमाण-पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थनापत्र प्रस्तुतकृत का नाम कर निर्धारण पुस्तिका में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

र.नं. 881 राजस्व अधिकारी, नगर परिषद बरेला

नकली मुद्रा मामले का आरोपी मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2013 के केरल नकली मुद्रा मामलों से जुड़े एक प्रमुख आरोपी को 12 साल बाद मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया है। एजेंसी के एक अधिकारी ने शनिवार को यहां बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से मोइदीनबाबा उमर बेरी उर्फ मोइदीन के प्रत्यर्पण के बाद उसे केरल के कोच्चि में एक विशेष अदालत में पेश करने के लिए भेजा गया है। बेरी 2015 से यूएई अधिकारियों की हिरासत में था और प्रत्यर्पण प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया था। वांछित भगोड़ा दुबई से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्वासित के रूप में लौटा है।

प्रमुख यात्रा गलियारों में सुरक्षा उपायों को किया गया मजबूत

पहलगाम हमले के बाद फिर से पटरी पर लौट रहा कश्मीर का पर्यटन

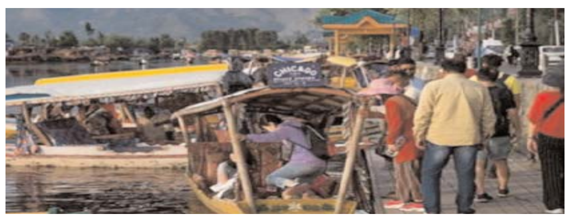

जम्मू, देशबन्धु। पहलगाम नरसंहार के बाद बुरे वक्त को काटने वाले कश्मीरी अब अल्लाह का शुक्र अता करना नहीं भूलते क्योंकि कश्मीर की ओर टूरिस्टों के रूख ने उन्हें फिर से जीने और कश्मीर में ही टिके रहने की वजह दे दी है। हालांकि यह बात अलग है कि इस बार अमरनाथ यात्रा में हेलिकाप्टर सेवा पर प्रतिबंध अभी भी कश्मीर के हालात के प्रति शंका पैदा करते थे। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए जानलेवा हमले के बाद एक छोटे लेकिन गंभीर झटके के बाद, कश्मीर का पर्यटन उद्योग फिर से पटरी पर लौट रहा है। कश्मीर में उत्साहजनक आंकड़े और नए सिरे से आशावाद के साथ पर्यटन उद्योग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि 1 जून से 16 जून के बीच कश्मीर में 23,266 पर्यटक आए, जिनमें 448 विदेशी नागरिक शामिल थे - यह क्षेत्र की सुरक्षा और आतिथ्य में विश्वास को फिर से जगाने का एक आशाजनक संकेत है। पर्यटन में हाल ही में आई तेजी, कश्मीर के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। पहलगाम की घटना के कारण बड़े पैमाने पर यात्राएं रद्द की गईं और होटल व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों, कारीगरों और टूर ऑपरेटरों सहित हितधारकों को भारी नुकसान हुआ। हालांकि, जम्मू और कश्मीर प्रशासन के निरंतर प्रयासों से परिणाम मिल रहे हैं। अधिकारियों ने अप्रैल के हमले के बाद बंद किए गए आठ प्रमुख पर्यटन स्थलों को फिर से खोल दिया है और सभी प्रमुख यात्रा गलियारों में सुरक्षा उपायों को स्पष्ट रूप से मजबूत किया गया है। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी का कहना था कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के पर्यटकों की वापसी बेहतर सुरक्षा माहौल में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। उद्योग से जुड़े हितधारकों में भी उम्मीद जगी है। पहलगाम के एक होटल व्यवसायी शब्बीर अहमद के बकौल, हम हमले के बाद तबाह हो गए थे। लेकिन अब, पर्यटकों के आने से, हम फिर से वापसी के संकेत देख रहे हैं। जून हमारी उम्मीदों से बेहतर रहा है और हमें जुलाई और अगस्त में भी अच्छी उम्मीद है। डल झील के शिकारा संचालक तारिक हुसैन ने भी यही भावना दोहराई थी। वे कहते थे कि एक समय था जब मेरे पास कई दिनों तक एक भी ग्राहक नहीं आता था। अब मुझे रोजाना पांच से छह ग्राहक मिलते हैं। ऐसा लगता है कि जिंदगी फिर से पटरी पर लौट रही है।

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

मैं शपथकर्ता आर्मी नं. 15570643K, RANK-SEP (ACP) (HAV), NAME- RAMESH KUMAR KUSHWAHA उम्र लगभग 43 वर्ष पिता RAMBIHARI KUSHWAHA पता - Ganga Miya, Rewa Colony, Ward No, 78, Ranjhi, Dist. Jabalpur, M. P. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ.- 1. यह कि मेरा स्थाई पता - Ganga Miya, Rewa Colony, Ward No. 78, Ranjhi, Dist. Jabalpur, M. P. है। 2. यह कि मैं शपथकर्ता भारतीय थल सेना से सेवानिवृत्त हुआ हूँ। 3. यह कि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम RAM BIHARI KUSHWAHA दर्ज है, जिसमें मेरे पिता के नाम RAM BIHARI के बीच में स्पेश है, तथा मेरे पिता की जन्मतिथि 10/06/1954 दर्ज है, जो कि गलत है। 4. यह कि मेरे पिता के आधार कार्ड (6678 3625 2712) में मेरे पिता का नाम RAMBIHARI KUSHWAHA तथा मेरे पिता की जन्मतिथि 01/01/1960 दर्ज है, जो कि सत्य व सही है। 5. यह कि मुझ शपथकर्ता के सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिता का पूरा व सही नाम RAMBIHARI KUSHWAHA तथा मेरे पिता की सही जन्मतिथि 01/01/1960 दर्ज किया जावे। इस हेतु शपथपत्र प्रस्तुत है। RO - 194

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ARCHNA DEVI is legally wedded spouse of Army No 13774844X Rank HAV/CLK Name MAHINDRA KUMAR of Unit-RECORDS JAK RIF Presently residing at Vill-NARAICHA PO-KHAJUHA, TEH- BINDKI, DISTT FATEHPUR, STATE- UTTAR PRADESH, PIN- 212631 शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरा नाम ARCHNA DEVI से ARCHANA DEVI के रुप में परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है द्वारा शपथ पत्र दिनोंक 21/06/2025 नोटरी जबलपुर मप्र।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, Army no 13774365W Rank HAV Name GIAN RATTAN OF UNIT- 13 JAK RIF Presently residing at VILL- THANGI, PO- THANGI, TEH- MOORANG, DISTT-KINNAUR, STATE- HP, PIN- 172109, शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी माताजी का नाम HERA LAMO से HEERA LAMO परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है। द्वारा शपथ पत्र दिनॉक 21/06/2025 नोटरी जबलपुर मप्र ।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम सुधार सूचना

मैं अंकित सिंह ठाकुर पिता श्री गुलाब सिंह ठाकुर निवासी- म.नं.27, वार्ड नं.15, जमुनिया बगराजी, जिला जबलपुर म.प्र. यह कि मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम पदम सिंह (Padam Singh) दर्ज है जो कि गलत है। मैं अपना नाम आधारकार्ड पर संशोधित करवाना चाहता हूँ अतः मेरे आधारकार्ड पर मेरा नाम अंकित सिंह ठाकुर (Ankit Singh Thakur) दर्ज करवाना चाहता हूँ यह कि पदम सिंह (Padam Singh) एवं अंकित सिंह ठाकुर (Ankit Singh Thakur) दोनों ही नाम मेरे अर्थात् एक ही व्यक्ति के हैं अतः मेरे आधारकार्ड पर मेरा नाम सुधार कर अंकित सिंह ठाकुर (Ankit Singh Thakur) दर्ज किया जाये व मुझे अंकित सिंह ठाकुर (Ankit Singh Thakur) के नाम से जाना-पहचाना व पढ़ा-लिखा जाये।

गलत नाम-पदम सिंह (Padam Singh)
सही नाम-अंकित सिंह ठाकुर (Ankit Singh Thakur)

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0325/अ-6/2025-26

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि डॉ. अरूण कक्कड़ पिता त्रिलोकनाथ कक्कड़ निवासी जबलपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक..... के माध्यम से मौजा पोलीपाथर न.ब. 164 प.ह.नं. 24/2 ख.नं. 24/1, 24/2, 23, 8/2 रकवा... वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र, वसीयतनामा/ बटवारानामा/ हस्तांतरण पत्र/ हक्क त्यागपत्र/ दानपत्र एवं नक्शा बंटाक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 04.07.25 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 19/06/25 को जारी।

जारी दिनांक- 19/06/2025
पेशी दिनांक- 04/07/2025

र.नं. 880 नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

फौती

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/330/अ-6/2025-2026

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल प्रसाद/ स्व. गनेश प्रसाद नि- मस्जिद रोड गोकलपुर, जबलपुर ने प्लाट नं. 147/1 निर्मित रकवा/रकवा 1104 व.फु. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक दिनांक .... मृत्यु दिनांक 10.04.1989, 24.8.2011 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार प्लाट नं. 147/1 निर्मित रकवा/रकवा 1104 व.फु. ग्राम करौंदी प.ह.नं. 25 रकवा 1104 व.फु. गनेश प्रसाद पिता रामलाल वानी निवासी-गोकलपुर, रांझी, जबलपुर के नाम दर्ज हैं। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 25/06/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 10/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 10/06/2025
पेशी दिनांक 25/06/2025

र.नं. 880 तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं मुबारक हुसैन अंसारी उम्र 39 वर्ष पिता मोहम्मद शब्बीर निवासी 424, मोतीनाला नया पुल, शहीद अशफाक उल्ला खां वार्ड जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. का निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं कि-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूं 2. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम सुहैम हुसैन अंसारी दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र जो कि नाबालिग है, उसके आधार कार्ड में उसका नाम संशोधित करवाना चाहता हूं 3. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम सलमान हुसैन अंसारी (SALMAN HUSSAIN ANSARI) करवाना चाहता हूं। 4. यह कि सुहैम हुसैन अंसारी एवं सलमान हुसैन अंसारी (SALMAN HUSSAIN ANSARI) उक्त दोनों नाम मेरे पुत्र याने एक ही बालक के नाम हैं। 5. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम सलमान हुसैन अंसारी (SALMAN HUSSAIN ANSARI) दर्ज कराने हेतु दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है। र.नं. 879

न्यायालय नायब तहसीलदार पनागर जिला-जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0626/अ-6/2025-26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक समर भट्टा पिता स्व. एस.आर. भट्टा निवासी जबलपुर ने ग्राम घाना प.ह.नं. 57 रा.नि.मं. पनागर स्थित भूमि खसरा नं. 74/3 रकवा 0.0380 हेक्टेयर भूमि का फौती/वसीयत/ विक्रय पत्र/ दान पत्र/ पारिवारिक व्यवस्था पत्र/ आपसी बटवारा के आधार पर नामांतरण बटवारा/अभिलेख दुरुस्त/ रकवा सुधार/ नक्शा बटांक हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि के नामांतरण बटवारा/ अभिलेख दुरुस्ती/रकवा सुधार/ नक्शा बटांक में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति इश्तहार प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में पेश कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इश्तहार आज दिनांक 18/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सुनवाई दिनांक- 04/07/2025

र.नं. 880 नायब तहसीलदार पनागर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/25-26/
दिनांक 18/06/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रतिभा वर्मा पति स्व. सुशील कुमार ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के भवन क्रमांक 2430/8 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000387653, पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा 900 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 850 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड/ बंटवारानामा, शपथपत्र के आधार पर निगम में दर्ज स्व. सुशील कुमार पिता सूरजदीन काछी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 875 संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

साहित्य

कहानी

सैलाब

■ उपेन्द्रनाथ अश्क

सर ग़रूर बुलंद कर के साहिल ने समुंदर से कहा, मेरी शान ही से तेरी शान है।

समुंदर ने पुर-शोर क़हक़हा लगाया और किनारे को बहा दिया।

पण्डित राधे शाम एक रुजअत-पसंद अख़बार के एडिटर और मालिक थे। उनका ज़मीर इस पज़मुर्दा चिंगारी की तरह था, जो ख़ुशामद और चापलूसी की मनों राख के नीचे दब गई हो। क़ौमी तहारीक से वो दूर भागते थे। तरक़्क़ी-पसंद अंजुमनों की कमज़ोरियों को बे-नक़ाब कर के उन्हें कोसना, उनका रोज़ का मामूल था और उनकी इस ख़िदमत के इवज़ उन्हें सरकारी इश्तिहारात मिलते थे। अगरचे उनके अख़बार की इशाअत चंदाँ हौसला अफ़्ज़ा न थी।

उस वक़्त जब सूबा भर के अख़बारात क़ौमी तहरीक की हिमायत कर रहे थे। नौजवानों की क़ुर्बानियों पर उनकी हौसला अफ़ज़ाई कर रहे थे। नमक के क़ानून को तोड़ने की तलक़ीन करते हुए उसके पर्दे में वो देर से सोई हुई क़ौमी तहरीक की बेदारी के ख़्वाब देख रहे थे। उनके दिन रात तहरीक की मुख़ालिफ़त करने में सर्फ़ हो रहे थे।

वो तहरीक के ख़िलाफ़ लिखते थे। उसके मुहर्रिकों का मज़ाक़ उड़ाते थे और कहते थे, 'क़ौम की ताक़त और वक़्त एक निहायत फ़ुज़ूल और बेमानी तहरीक के लिए सर्फ़ किए जा रहे हैं। मुल्क में बीसियों क़िस्म के टैक्स वसूल किए जाते हैं। नमक का टैक्स कोई बड़ा भारी टैक्स नहीं। अगर उसे मंसूख़ भी कर दिया गया तो इससे कोई ख़ास फ़ायदा नहीं पहुँचेगा। साठ हज़ार! सिर्फ़ साठ हज़ार, हालाँकि लाखों रुपया ऐश-ओ-इशरत में सर्फ़ हो रहा है।' लेकिन जब उन्हें कोई बताता कि नमक के टैक्स का बार मुफ़लिस लोगों पर ज़्यादा पड़ता है और ग़रीबों के लिए साठ हज़ार रुपया साठ लाख के बराबर है तो वो एक फीकी हंसी हंसकर बे-ज़ारी से सर हिला देते।

वो सिर्फ़ नमक की तहरीक के ख़िलाफ़ हों, ये बात न थी। वो हर तरक़्क़ी पसंद तहरीक के ख़िलाफ़ थे। वो उन क़दामत पसंद लोगों में से थे जो ब्रिटिश राज को हिन्दोस्तान के लिए रहमत तसव्वुर करते हैं और सोचा करते हैं कि अगर ये राज न रहा तो हिन्दोस्तान में फिर अबतरी का दौर दौरा हो जाएगा। सूबा भर के अख़बार और रिसाले उनका मज़ाक़ उड़ाया करते। अपने ग़पशप के कालमों में उस पर फब्तियां कसा करते। अंग्रेज़ी दानों में वो यस मैन और उर्दू वालों में 'जी हुज़ूरिये' के नाम से मशहूर थे। लेकिन उन्हें इस बात की शर्म न थी। बल्कि सरकार की ख़ुशनुदी हासिल करने में, इश्तिहारात लेने में, उनके हमअसरों के दिए हुए यही ख़िताबात उनके काम आते थे और सितम ज़रीफ़ी ये कि उनके अख़बार का नाम 'रहबर' था।

कांग्रेस की तरफ़ से शहर में नमक के क़ानून को तोड़ने का ऐलान कर दिया गया था। एक अज़ीमुश्शान जलूस की तैयारियां हो रही थीं। प्रोग्राम मुरत्तिब हो चुका था। इतवार का दिन था और अख़बारों में चूँकि छुट्टी थी। इस लिए हर अख़बार ने अपने ज़मीमे निकालने का इंतिज़ाम कर रखा था और लोग बड़ी बेताबी से उनका इंतिज़ार कर रहे थे। ताकि सही प्रोग्राम से रुशनास हो सकें। कमला भी घर के काम काज से फ़ारिग़ हो कर अख़बार की मुंतज़िर थी।

वो पण्डित राधे शाम की आज़ाद ख़याल बीवी थी। वो उसे हमेशा 'रहबर' ही पढ़ने के लिए देते थे। वो दफ़्तर में चाहे कितने अख़बार मँगाएं। लेकिन घर उनमें से एक को भी न जाने देते थे और कमला हमेशा चाहा करती थी कि वो तस्वीर का दूसरा रुख भी देखे, अपनी सहेलियों से जो वो सुनती थी, अगरचे उसका एक लफ़्ज़ भी अपने ख़ावंद के सामने ज़बान से न निकलने देती थी। लेकिन वो चाहती थी कि उसके ख़ावंद ये सब चापलूसी छोड़ दें। ख़ुशामद की सारी से ख़ुद्दारी की आधी भली, लेकिन अपने ख़ावंद के मुँह पर उसने कभी कुछ भी न कहा था। चपरासी आकर 'रहबर' का ज़मीमा फेंक गया। इस दो वर्क़ के अख़बार में भी उन्होंने इस तहरीक के ख़िलाफ़ एक छोटा सा लीड लिख रखा था। रंज और ग़ुस्सा के मारे कमला ने अख़बार के पुर्ज़े पुर्ज़े कर दिए और उन्हें कोने में फेंक कर कोच में धँस गई। तभी उसके ख़ावंद, 'रहबर' के क़दामत पसंद एडिटर श्री राधे शाम कमरे में दाख़िल हुए। फटे हुए अख़बार के पुर्ज़ों को देखकर उन्होंने ज़रा तीखे लहजे में कहा, 'ये क्या बेहूदगी है?'

कमला चप कोच पर बैठी थी।

उन्होंने फिर गरज कर कहा, 'ये क्या बेहूदगी है।'

कमला अब के भी चुप रही, उसने सिर्फ़ एक-बार अपने ख़ावंद की तरफ़ आँख उठा कर देखा।

बरस ही पड़ने को तैयार बादल की तरह उसकी आँखें भरी हुई थीं।

राधे शाम आहिस्ता से उसके पास कोच पर बैठ गए। उन्होंने कहा, 'देख कमला, मैं ये सब बर्दाश्त नहीं कर सकता। मुझे ये सब झगड़ा बिल्कुल नापसंद है, बाहर ही मेरी कम मुख़ालिफ़त नहीं होती जो घर में इस की ज़रूरत बाक़ी रह जाये।'

'आप मुख़ालिफ़त की वजह क्यों पैदा करते हैं।'

पण्डित राधे शाम ने फिर जोश से कहा, 'मैं हर फ़ुज़ूल तहरीक की तक़लीद नहीं कर सकता। मैं न आम लोगों की तरह दिमाग़ से आरी हूँ कि जो कोई कहे उसे मान कर अंधा धुंद उसकी तक़लीद करूँ, न में बेकार हूँ कि कुछ करते रहने के लिए हर तहरीक का फ़ायदा उठाने की कोशिश करूँ। और न मुझे शोहरत की तमन्ना है कि अवाम को ग़लत रास्ते पर लगा कर अपनी लीडरी क़ायम रखूं।'

कमला ने चीख़ कर कहा, 'आप देश का कुछ फ़ायदा नहीं कर सकते तो देश भगतों को गालियां तो न दें। अपनी ख़ुदग़रज़ी को छुपाने के लिए कोई दूसरा बहाना आपके पास नहीं क्या?'

और दामन में मुँह छुपा कर वो रोने लगी।

राधे शाम हँसे, 'ख़ुदग़रज़ी!' ज़ेर-ए-लब उन्होंने कहा और फिर बोले, 'सादा-लौह अवाम को छोड़कर कौन ग़रज़मंद नहीं। सब अपनी अपनी ग़रज़ के लिए तहरीकों का फ़ायदा उठाते हैं।

किसी को इज़्ज़त की तमन्ना है, किसी को शोहरत की। किसी को काम की ख़्वाहिश है किसी को नाम की, मुझे उनमें से किसी चीज़ की ज़रूरत नहीं, फिर मैं क्यों मुफ़्त में अवाम को धोका दूं, जो मुनासिब समझता हूँ लिखता हूँ।'

कमला अब कुछ भी न कहना चाहती थी लेकिन रुक न सकी। उसने कहा, 'यूं क्यों नहीं कहते कि ऐश-ओ-आराम आपको इतना प्यारा है। ये बड़े बड़े कमरे, ये कुर्सियाँ-मेज़, ये काउच, ये क़ीमती कपड़े और ये सब ऐश-ओ-आराम के सामान आपको इतने अज़ीज़ हैं कि इसकी ख़ातिर आप अपने ज़मीर को फ़रोख़्त कर सकते हैं।'

'तो क्या मैं अकेला ही इन सबको इस्तिमाल करता हूँ, क्या तुम्हारे आराम के लिए मैं ये सब नहीं करता।' उन्होंने गरज कर कहा।

'मुझे इन सबकी कोई ज़रूरत नहीं।' और वो उठकर अंदर कमरे में चली गई। कुछ लम्हा तक मब्हूत से राधे शाम वहीं बैठे रहे। फिर वो हँसे और ज़ेर-ए-लब उन्होंने कहा, 'बेवक़ूफ़! और फिर...औरत!' और बेज़ारी से सर हिला कर वो उठे और बाहर चले गए।

'क़ानून नमक को...तोड़ दो!'

'क़ानून नमक को...तोड़ दो!'

'क़ानून नमक को...तोड़दो!'

और फिर, 'लंगोटी वाले की जय और बंदे मातरम।' पण्डित राधे शाम बाज़ार के एक कोने में खड़े जलूस देख रहे थे। जैसे-जैसे जलूस गुज़रता जाता लोग दूकानों से उठकर, काम छोड़कर उसके साथ शामिल होते जाते। मर्दों-औरतों का एक बेपनाह हुजूम था। एक समुंदर था कि बहता बहाता चला जा रहा था।

सबसे आगे 'बाल भारत सभा' के लड़के थे। मासूमियत के नन्हे अवतार, छोटे छोटे झंडे लिये। 'क़ानून नमक...तोड़ दो।' के नारे लगाते जा रहे थे। उनके चेहरे जोश की वजह से सुर्ख़ हो रहे थे और उन पर एक जलाल बरस रहा था। थकावट की उन्हें परवा न थी। धूल की या धूप की उन्हें फ़िक्र न थी। बस एक ही धुन थी कि जब उनका 'नायक' ऊंची आवाज़ में कहे, 'क़ानून नमक' तो वो उछल कर झंडियां हिला कर उस से भी ऊंची आवाज़ में नारा लगाऐं, 'तोड़ दो।'

वहीं खड़े खड़े राधे शाम ने महसूस किया। जैसे उनका भी दिल एक मासूम बच्चे के क़ालिब में चला गया है और वो उन बच्चों के साथ इस अफ़्सानी समुंदर में लहरों सा बहा जा रहा है, तभी वो चौंक पड़े।

एक टोली के आगे आगे एक शख़्स बेतरह उछल रहा था। चेहरा जोश से सुर्ख़ था। सर के बालों की, क़मीज़ के गिरेबान या आस्तीनों की, उसे कुछ भी चिंता न थी। जुनूनियों की तरह वो उछल कर और बार-बार वो सामने ख़ला में इशारा कर के कहता था, 'ओह की आया?' और सारी की सारी टोली चिल्ला उठती। 'इन्क़िलाब' और ये शख़्स शहर का मशहूर वकील था। एम.ए, एल.एलबी.।

पंडित जी के सारे जिस्म में सनसनी दौड़ गई और उनके रौंगटे खड़े हो गए और वो दूर तक उसे देखते रहे। उछल उछल कर यही नारा लगाते देखते रहे। जब वो चौंके तो फ़िज़ा में लेडी वालंटियरों का गीत गूंज रहा था और बाज़ारों की छतों पर बैठी हुई औरतें उनकी आवाज़ के साथ आवाज़ मिला कर गाने लगी थीं:

'असीं चीन लवांगे
क़ानून नमक नूं तोड़ के। असीं चीन...'

पंडित जी की आँखें खुली की खुली रह गईं। सबसे आगे आगे, हाथ में क़ौमी झंडा उठाए कमला, उनकी अपनी बीवी गा रही थी। 'असीं चीन लवांगे' और सब उसकी आवाज़ में आवाज़ मिला कर गा रही थीं, 'क़ानून नमक नूं तोड़ के।'

ख़्वातीन का जुलूस गुज़र गया। उसके बाद शहर के सरकरदा लीडर नमक बनाने का सामान उठाए चले आ रहे थे। छतों से और दूकानों से उन पर फूलों की बारिश हो रही थी। उनके चेहरे मामूल से दुगुने मालूम होते थे।

और उनके बाद हज़ारों का हुजूम जैसे बहता हुआ चला जा रहा था। पंडित जी अपनी जगह से उतरे और हुजूम में शामिल हो गए।

तभी किसी ने ज़ोर से नारा लगाया,

'क़ानून नमक को'

सब बोले

'तोड़ दो।'

हुजूम की इस आवाज़ में पण्डित राधे शाम की आवाज़ भी शामिल थी लेकिन ये आवाज़ मुख़्तलिफ़ नहीं थी। अपने भाईयों की आवाज़ से हम-आहंग...एक आवाज़।

ग़ज़ल

■ शेख़ इब्राहीम ज़ौक़

लाई हयात आए क़ज़ा ले चली चले
अपनी ख़ुशी न आए न अपनी ख़ुशी चले

हो उम्र-ए-ख़िज़्र भी तो हो मालूम वक़्त-ए-मर्ग
हम क्या रहे यहाँ अभी आए अभी चले

हम से भी इस बिसात पे कम होंगे बद-क़िमार
जो चाल हम चले सो निहायत बुरी चले

बेहतर तो है यही कि न दुनिया से दिल लगे
पर क्या करें जो काम न बे-दिल-लगी चले

लैला का नाक़ा दश्त में तासीर-ए-इश्क़ से
सुन कर फ़ुग़ान-ए-क़ैस बजा-ए-हुदी चले

नाज़ाँ न हो ख़िरद पे जो होना है हो वही
दानिश तिरी न कुछ मिरी दानिश-वरी चले

दुनिया ने किस का राह-ए-फ़ना में दिया है साथ
तुम भी चले चलो यूँही जब तक चली चले

जाते हवा-ए-शौक़ में हैं इस चमन से 'ज़ौक़'
अपनी बला से बाद-ए-सबा अब कभी चले

अब तो घबरा के ये कहते हैं कि मर जाएँगे
मर के भी चैन न पाया तो किधर जाएँगे

तुम ने ठहराई अगर ग़ैर के घर जाने की
तो इरादे यहाँ कुछ और ठहर जाएँगे

ख़ाली ऐ चारागरो होंगे बहुत मरहम-दाँ
पर मिरे ज़ख़्म नहीं ऐसे कि भर जाएँगे

पहुँचेंगे रहगुज़र-ए-यार तलक क्यूँ कर हम
पहले जब तक न दो आलम से गुज़र जाएँगे

शोला-ए-आह को बिजली की तरह चमकाऊँ
पर मुझे डर है कि वो देख के डर जाएँगे

हम नहीं वो जो करें ख़ून का दावा तुझ पर
बल्कि पूछेगा ख़ुदा भी तो मुकर जाएँगे

आग दोज़ख़ की भी हो जाएगी पानी पानी
जब ये आसी अरक़-ए-शर्म से तर जाएँगे

नहीं पाएगा निशाँ कोई हमारा हरगिज़
हम जहाँ से रविश-ए-तीर-ए-नज़र जाएँगे

सामने चश्म-ए-गुहर-बार के कह दो दरिया
चढ़ के गर आए तो नज़रों से उतर जाएँगे

लाए जो मस्त हैं तुर्बत पे गुलाबी आँखें
और अगर कुछ नहीं दो फूल तो धर जाएँगे

रुख़-ए-रौशन से नक़ाब अपने उलट देखो तुम
मेहर-ओ-मह नज़रों से यारों की उतर जाएँगे

हम भी देखेंगे कोई अहल-ए-नज़र है कि नहीं
याँ से जब हम रविश-ए-तीर-ए-नज़र जाएँगे

'ज़ौक़' जो मदरसे के बिगड़े हुए हैं मुल्ला
उन को मय-ख़ाने में ले आओ सँवर जाएँगे

देशभक्ति का रास्ता पेट से होकर जाता है

■ संजय चावला

देशभक्ति के इस नवयुग में सब कुछ बदल रहा है — नारे, नज़ारे, यहाँ तक कि नाश्ते भी। अब केवल दिल से नहीं, देशभक्ति का रास्ता सीधा पेट से होकर जाता है। जयपुर के त्यौहार स्वीट्स के मालिक जैन साहब को ही देख लीजिए। हाल ही में हुए ओपरेशन सिन्दूर के बाद उनमें ऐसी देशभक्त भावना जागी कि उन्होंने अपनी दुकान की प्रसिद्ध मिठाइयों — मोतीपाक और मैसूरपाक — के नामों से 'पाक' शब्द को निकाल फेंका। अब वे गर्व से मोतीश्री और मैसूरश्री नाम से बिक रही हैं। मालिक जैन साहब का मक़सद निस्संदेह देशी घी की तरह शुद्ध है। लेकिन अफ़सोस, देशभक्ति की आँधी में वे भूल गए कि शब्दों के भी अर्थ होते हैं। अब अगर किसी शब्द की ध्वनि किसी दूसरे देश से मिलती-जुलती हो तो क्या हम उसे देशनिकाला दे देंगे? मैसूरपाक का 'पाक' कोई सीमा पार की साज़िश नहीं है। यह एक कन्नड़ शब्द है — जिसका अर्थ होता है 'पकाने की प्रक्रिया'। यह तो उस चाशनी का भी नाम है जो धीरे-धीरे उबलती है और मिठास बिखेरती है — जैसे कभी भारत की संस्कृति बिखरा करती थी। 19वीं सदी में मैसूर की शाही रसोई में काकासुर नामक बावर्ची ने इसका आविष्कार किया था। अब स्वर्ग में बैठा वह बेचारा सोच रहा होगा — 'मैंने मिठाई बनाई थी या राष्ट्रद्रोह?'

बहरहाल, नाम बदलने का यह राष्ट्रव्यापी अभियान नया नहीं है। इतिहास गवाह है कि जब भावनाएँ उबलती हैं, तो सबसे पहले कढ़ाई में पकते हैं व्यंजन। अमेरिका में 9/11 के बाद एक सांसद ने फ्रेंच फ्राईस का नाम बदलकर फ्रीडम फ्राईस रख दिया था। वजह? फ्रांस ने इराक युद्ध का समर्थन नहीं किया था। अब ये कोई नहीं बताता कि फ्रेंच फ्राइज़ दरअसल बेल्जियम की उपज थीं — और उन्हें 'फ्रेंच' तो अमेरिकियों ने ही कहा था। यही हाल कैनाडा में हुआ, जब ट्रम्प ने वहाँ के साथ व्यापार युद्ध छेड़ दिया। कुछ कैफे वालों ने अमेरिकानो कॉफी को कनाड़ानो कर दिया — भले ही वो कॉफी बीन्स न अमेरिका से आई थी, न कैनाडा से। तुर्की और ग्रीस ने भी 1974 के युद्ध में इसी तरह से मोर्चा खोला — टर्किश कॉफ़ी ग्रीस में ग्रीक कॉफ़ी बन गई। यह सब दर्शाता है कि जब तोप न चले, तो चम्मच चला दीजिए। भारत में तो अब हर चाय, हर चटनी, हर चाशनी पर राष्ट्रध्वज लहराने की होड़ लगी है। हैदराबाद की कराची बेकरी को तो यह सफाई देनी पड़ी कि 'हमारा नाम चाहे जो हो, हमारे बिस्कुट पूरी तरह भारतीय हैं।' ये अलग बात है कि उनके मालिक विभाजन के बाद भारत आए थे। और अब सवाल उठता है — क्या हम पाकशास्त्र को भी श्रीशास्त्र कहेंगे? क्या पाकशाला को श्रीशाला? और पाकस्थली — यानी हमारा पेट — उसका क्या होगा? उसे भी किसी सरकारी योजना का नाम देना पड़ेगा क्या? पेटश्री योजना – 'जहाँ भी भोजन पचे, वहीं तिरंगा लहराए!'

इस देश में भोजन कभी केवल भोजन नहीं रहा। यह एक सामाजिक घोषणा रहा है — कि आप कौन हैं, किस ओर हैं, और किस थाली में खा रहे हैं। खाने पर प्रतिबंध, भोजन के नामों का संकीर्णकरण — यह सब केवल पेट की बात नहीं, पहचान की लड़ाई बन चुकी है। कितनी विडम्बना है कि हम भूल रहे हैं — भोजन वह कला है जो जोड़ती है, बाँटती नहीं। कोई मिठाई किसी मुल्क की नहीं होती — वो उस स्वाद की होती है जिसे साझा किया जा सके। मैसूरपाक में न पाकिस्तान है, न कोई राजनीतिक षड्यंत्र — उसमें है तो बस बेसन, घी, और वो मीठा भाव जो हर त्योहार में बँटता है। मगर इस देश में आजकल भाव से ज़्यादा ब्रांड चलता है। शायद इसी लिए अब मिठाई भी प्रधानमंत्री श्री मिष्ठान योजना के तहत आएगी। और स्वाद से ज़्यादा मायने रखेगा नाम। इसलिए अगली बार जब आप किसी मिठाई का टुकड़ा मुँह में रखें, तो सोचिए — यह आपके स्वाद का सवाल नहीं, राष्ट्रभक्ति का इम्तिहान है। क्योंकि भाई साहब, इस दौर में 'पेट' नहीं, 'पाक' ज्यादा संवेदनशील है।

कविता

अंडमान

■ शशांक शेखर

आदमी कितना निरर्थक जीव है
और आदमी के भी तो यहाँ
पितामह पुरुष हैं
इतने पुराने मानव , ये आदिवासी
क्या है इसने पुराना हमारा पास ?
जिसे संजो लिया जाए
कौन सा ग्रंथ कौन से ईश्वर हमारे
इनसे पुराने हैं ?
मिस्र के पिरामिड भी तो धूप सेक रहे
क्या इन आदिवासियों के
धूप से सिके हुए बदन से पुराने हैं ?

हम चले समुद्र के किनारे रोज़
और चल चलकर थके भी
फिर यहीं लेटकर आराम फ़रमा भी हुए
सच समुद्र के पास दवा है थकाने
और राहत देने की भी
मैं जब अपने समुद्री जहाज़ से
झाँककर बाहर देखता

उस वक्त जब हम टापुओं की सैर पर थे
मुझे लगता आख़िर हम कौनसे
कर्तव्य-पथ पर हैं
हम किस राह के पथिक हैं और क्या ही
योगदान है हमारा
लेश मात्र भी इनके जीवन में
मसलन हम ना रहें तो
इन टापुओं के जीवन पर क्या असर होगा

एक हरी चादर ओढ़े ये टापू
बड़ी गंभीर मुद्रा में बैठे रहते हैं
इंतज़ार में कि पानी पर सरकता
कोई जहाज़
उनसे आलिंगन करे ,
पर हम हर जगह रुकते नहीं
हम इनके बगल से
आहिस्ता से निकल जाते हैं
ना हम उनके ना वो हमारे नाम जानते हैं
मुझे याद है
जब मैंने देखा समुद्र की विराटता

और जिसका ना ओर नज़र आया
था ना छोर
कुछ था मेरे भीतर
जो पिघलना शुरू हुआ था
बहुत छोटा दुनियावी आदमी ही तो हूँ मैं
और ये समुद्र देवता है पुराणों का
और पुराणों से भी पुरानी
सभ्यता रच बस रही है यहाँ
कौन किससे पुराना है?
क्या पुरातन होना ही
सार्थकता का पैमाना है?
मैंने देखा जहाज़ में बैठे हुए समुद्र में
कहानियाँ, सभ्यता ,पुराण वेद, देवता,
मानव , जीव जंतु
सब विलीन हो रहे थे
दूर साहिल पर नज़र पड़ी अचानक
तो सूरज शाम के आग़ोश में
डूबने की तैयारी कर रहा था ।

■ (पेशे से सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड।)

लघुकथा

इंजेक्शन

■ अरुण अर्णव खरे

रघु फिर साप्ताहिक हाट से निराश लौटा था। उसे जितनी उम्मीद थी, उससे बहुत कम दाम में सब्जियां बिकी थीं। हाट से लौटकर चुपचाप चारपाई पर लेट गया। फिर पत्नी से बोला- 'बड़ी मुश्किल से लागत निकल रही है। मेहनत का कोई मोल ही नहीं जैसे।

'ननकू को तो बहुत फायदा हो रहा है, कल ही उसने शरबती को पायलें लाकर दी हैं', परबतिया ने उत्सुकता से रघु की ओर देखा।

'ननकू शहर से कोई इंजेक्शन लाया है जिसे लगाने से सब्जियों का वजन ढाई-तीन गुना बढ़ जाता है, इसलिए उसे मुनाफा हो रहा है।'

'आप भी ननकू से पूछकर दवा ले आओ बाजार सेज नहीं तो शहर जाके ठोकरें खानी पड़ेंगी', चिंतातुर परबतिया बोली। पास बैठा पांच साल का बच्चा पंचम अचानक बोल पड़ा- 'बापू, माई सही बोल रही है, शहर से दो इंजेक्शन ले आना। एक सब्जी को लगाना और दूसरा मुझे, ताकि मैं जल्दी से बड़ा होकर आपका काम कर सकूं।'

दो ग़ज़लें

■ बालमोहन पांडेय

2

सब के होंटों पे ये मरने की दुआएँ कैसी
चारागर तू ने हमें दीं हैं दवाएँ कैसी

एक ही पल में बदलते हैं मनाज़िर क्या क्या
हम तिरी आँखें बनाएँ तो बनाएँ कैसी

मय-कशी छोड़ दो जब भूल चुके हो उस को
अब शिफ़ा मिल ही गई है तो दवाएँ कैसी

ऐसे हालात में हँसने की तमन्ना किस को
ऐसे माहौल में जीने की दुआएँ कैसी

अंधे लोगों को सुना देते हैं उस का चेहरा
आप के लोग भी देते हैं सज़ाएँ कैसी

हँसते-गाते भी उदासी नहीं छोड़ी मैं ने
छोड़ देती हैं जो बच्चों को वो माएँ कैसी

वैश्विक चेतना का उत्सव बन गया है योग : राकेश सिंह

जबलपुर. देशबन्धु। 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्कूलों, कॉलेजों, नगरीय निकायों, विकासखण्ड मुख्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये गये। योगाभ्यास के इन कार्यक्रमों में हजारों लोगों ने उत्साह से भागीदारी की।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग की थीम पर किया गया।

योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास योग संगम का जिले का मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इन्डोर हॉल में आयोजित किया गया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, जन प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कॉमन योगा प्रोटोकॉल के अनुसार योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास तथा प्राणायाम किया।

रानीताल स्टेडियम में आयोजित किया गया मुख्य कार्यक्रम

सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गौंड भी इनमें शामिल थे।

कार्यक्रम में योग दिवस के विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) में आयोजित के कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। इसके साथ ही भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संबोधन का भी सीधा प्रसारण किया गया। इसके लिये रानीताल खेल परिसर के इंडोर हॉल में एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अपने संबोधन में नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुभकामनाएं दी, उन्होंने कहा कि योग हमारे ऋषि मुनियों द्वारा दिया गया वह ज्ञान है जिसे समूचा विश्व आलोकित हो रहा है,प्राचीन काल में योग हिमालय की कंदराओं में साधकों की साधना का माध्यम हुआ करता था, लेकिन आज यह न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर जबलपुर के घाटों तक अफ्रीका के रेगिस्तान से लेकर जापान के उद्यानों तक सभी जगह अपनी छटा बिखेर रहा है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री मोदी को जाता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि योग आज सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि वैश्विक चेतना का उत्सव बन चुका है, प्रधानमंत्री के एक प्रस्ताव पर दुनिया के 180 देशों ने यह स्वीकार किया कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की यह अनुपम भेंट वैश्विक सकारात्मक परिवर्तन का साधन बन सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला मुख्यालय पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम के साथ ही विकासखण्ड स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालयों में योग के कार्यक्र म आयोजित किये गए। इसके अलावा विभिन्न संगठनों द्वारा भी जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पमरे मुख्यालय एवं तीनों मंडलों में मनाया गया योग दिवस

प्रधानमंत्री के द्वारा वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई, जिसे सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय के निर्देशन में एवं जबलपुर, भोपाल, कोटा तीनों मंडलों में मंडल रेल प्रबंधकों के मार्गदर्शन में शनिवार 21 जून 2025 को पूरे जोर शोर से 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए इस वर्ष योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ के लिए योग विषय पर अपने विचारों से मार्गदर्शन दिया। सभी को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि योग एक वैज्ञानिक, वैश्विक तथा पंथ निरपेक्ष जीवन पद्धति है। योग एक अच्छा व्यायाम है, योग अभ्यास में शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाने में हमारे शरीर के अंगों का एक साथ उपयोग होता है, इसके साथ ही उन्होंने सभी को नियमित योग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ए.पी.एन.विद्यालय में योग दिवस

11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर ए.पी.एन विद्यालय में संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव उपस्थिति में उत्साह पूर्वक मनाया गया। संस्था अध्यक्ष द्वारा उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को योग करने के लिये प्रेरित किया इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग करने से व्यक्ति का शरीर निरोग रहता है और शरीर में स्फुर्ती रहती है। शाला परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम में बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य अजय कुमार वर्मा, अधिकारी सिद्दिका उस्मानी सहित शाला के शिक्षक शिक्षिकायें एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा के सभी 18 मंडलों में योग किया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के सभी 18 मंडलों में योग संगम के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे योगाचार्यों ने उपस्थित जनों को योग कराया। मंडलों में आयोजित योग संगम के कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, डॉ जितेंद्र जामदार, रविकिरण साहू, रिंकू विज, रजनीश यादव, पंकज दुबे के साथ पार्टी कार्यकर्ता एवं मंडल कार्यकारणी के सदस्य उपस्थित थे।

विद्युत कंपनियों ने संयुक्त रूप से मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में योग दिवस के अवसर पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी और मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अभियंताओं, कार्मिकों व उनके परिजनों के साथ ही शहर के अन्य नागरिकों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम-एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग(योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ) का संकल्प लिया। प्रात:6.30 बजे तरंग प्रेक्षागृह परिसर में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में अभियंता, कार्मिक, उनके परिजन व अन्य नागरिक शामिल हुए। योग प्रशिक्षक हरलाल कछवाह, राम लाल रजक, कालीचरण पंडा व भोला यदुवंशी ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया।

45 मिनट का योगाभ्यास- चारों योग गुरू ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निर्धारित सामान्य योग अभ्यासक्रम के अंतर्गत 45 मिनट का योगाभ्यास करवाया।

500 करोड़ रूपये की सडक, नाली एवं 75 करोड़ रूपये के विकास कार्य : महापौर

जबलपुर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के नेतृत्व में ढाई वर्षो के कार्यकाल में लोककर्म विभाग के अंतर्गत क्रमश: वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2025 तक संस्कारधानी के देवतुल्य नागरिकों को अनेकों सौगात दी गई, जिसमें मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में सडक, नाली के साथ ही स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए स्वच्छ वायु में रहने के लिए उद्यान विभाग के अंतर्गत स्वच्छ वायु और स्वच्छ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगभग 6 अरब रूपये के विकास कार्य कराये जा चुके हैं। जिसके लिए नगर निगम जबलपुर का देश में दूसरा और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हो चुका है और इसके लिए केन्द्र सरकार से उपहार एवं ईनाम स्वरूप अतिरिक्त राशि का आवंटन भी किया जा चुका है।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर श्री अन्नू ने बताया कि नगर निगम के लोककर्म विभाग के अंतर्गत 2.5 वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री अद्योसंरचना मद में 26 करोड 32 लाख 92 हजार, कायाकल्प मद में 70 करोड 53 लाख 25 हजार, मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अद्योसंरचना मद में 40 करोड 15 लाख 77 हजार, संजीवनी क्लीनिक मद में 10 करोड 56 लाख 91 हजार, ए.क्यू.आई. मद में 21 करोड 91 लाख 42 हजार, एस.डी.एम.एफ. मद से 4 करोड 84 लाख 76 हजार, महापौर मद हुये। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, एमआईसी सदस्यों में विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, अंशुल यादव, रजनी साहू शामिल थी।

मदन महल अंडर ब्रिज नाला है

पत्रकार वार्ता के दौरान महापौर श्री अन्नू ने बताया कि मदन महल अंडर ब्रिज के नीचे नाला है। कई दशक पहले इसे सूखे मौसम में चलने के लिये छोटी सी सड़क का रूप दिया गया था, रिकार्ड में इसे नाला के नाम से जाना जाता है। साल के 350 दिन सड़क बन जाता है।

जिला कांग्रेस समितियों को सशक्त बनाना है : गुरदीप सिंह सप्पल

जबलपुर, देशबन्धु। संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों को सशक्त बनाकर पार्टी के संगठन को मजबूत बनाना और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी द्वारा गुजरात में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत पार्टी में सुधार और संगठन को मजबूत करने की मंशा से की गई है। कांग्रेस का यह अभियान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 2025 को संगठनात्मक सुधारों का वर्ष बनाने के आह्वान के अनुरूप है। ये जानकारी जबलपुर पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षक गुरदीप सिंह सप्पल ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान दी।

पत्रकारवार्ता में केंद्रीय पर्यवेक्षक सप्पल ने बताया कि इस अभयान के अंतर्गत ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लिए बेहद ही मेहनती व्यक्ति को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जाएगी। अध्यक्ष पद की नियुक्ति के लिए पार्टी के प्रति समपर्ण, मेहनती, ईमानदार, साफ छवि सहित अन्य बातों पर मुख्यता से ध्यान दिया जाएगा। जबलपुर में उनके द्वारा प्रक्रिया पूर्ण कर दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से चर्चा कर जल्द ही जिलाध्यक्ष का नाम घोषित कर दिया जाएगा।

पत्रकारवार्ता में मौजूद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अभा कांग्रेस द्वारा नियुक्त प्रांत पर्यवेक्षक अजय सिंह राहुल ने कहा कि पार्टी की पहल कांग्रेस को नई दिशा देगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मार्गदर्शन में संचालित संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जबलपुर में विधानसभा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से विशेष संवाद करते हुए क्षेत्र में संगठन सृजन एवं आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक तरूण भानोत, विनय सक्सेना, संजय यादव, दिनेश यादव, अभिषेक चौकसे चिंटू सहित कांग्रेसजन मौजूद रहे।

निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देश पर पिंक सिटी के अतिक्रमण हटे

जबलपुर, देशबन्धु। निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देश पर संभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत आने वाले पिंक सिटी क्षेत्र एवं उसके आस पास के इलाकों के अतिक्रणों को हटाने की कार्रवाई की गयी। यह कार्रवाई वर्षाऋतु के दौरान वर्षाजल निकासी की व्यवस्था में कोई भी अतिक्रमण अवरोध उत्पन्न न करे जिसके कारण अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गयी। अब इन क्षेत्रों में वर्षाऋतु के दौरान वर्षाजल की निकासी सुगमता पूर्वक हो सकेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। कार्यवाही भवन शाखा और अतिक्रमण विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण अधिकारी मनीष त?से, उपयंत्री अभिषेक तिवारी, समयपाल दनैया कोरी अतिक्रमण दल प्रभारी लक्ष्मण कोरी उपस्थित रहे।

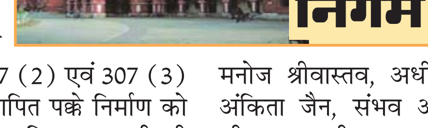

मनीष तमसे ने बताया कि नाले के किनारे पक्के निर्माण को भवन शाखा द्वारा 307 (2) एवं 307 (3) के नोटिस जारी कर नाले की जगह पर स्थापित पक्के निर्माण को हटाया गया। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा पिंक सिटी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया था।

निरीक्षण के दौरान ही उन्होंने अतिक्रमण के कारण वर्षा जल निकासी की व्यवस्था बाधित होने की संभावना व्यक्त की थी, इसके समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवैध रूप से अतिक्रमण कर निकासी की व्यवस्था को अवरूद्ध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए थे। निर्देशों के परिपालन में आज उक्त कार्रवाई की गयी।

निगमायुक्त ने निर्धारित समय के पूर्व आवश्यक कार्यो को पूर्ण करने दिये निर्देश-नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल म.प्र. के द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप दिनांक 23 जून 2025 को नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक नगरीय प्रशासन के आयुक्त लेगें। नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक की तैयारियों के संबंध में निगमायुक्त प्रीति यादव के द्वारा एक आदेश जारी कर अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, मनोज श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त अंकिता जैन, संभव अयाची, कार्यपालन यंत्री नवीन लोनारे, जी.एस. मरावी, सहायक आयुक्त अंकिता बर्मन, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला, सहायक यंत्री अजय लवाना, फायर अधीक्षक कुसाग्र ठाकुर, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, प्रशासनिक अधिकारी रवि राव, तकनीकी अधिकारी अंकुर खरे, बालेन्दू शुक्ला आदि को अलग-अलग उत्तरदायित्व सौपे गए हैं। जारी आदेश में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा यह भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि सभी अधिकारी अपने अपने कार्य दायित्वों को निर्धारित तिथि एवं समय के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर अवगत करायेगें।

वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर शिक्षा सम्मान कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। कौशल्या गोटियां, पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन ने बताया कि आदिवासी वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर, अखिल भारतीय आदिवासी शबरी महासंघ जबलपुर प्रदेश 22 जून को दोपहर 1 बजे, 56 रजवाड़े मैन रोड़ सुहागी जबलपुर में शिक्षा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। पांचवीं, आठवीं, दसवीं, बारहवीं के 30 आदिवासी छात्र छात्राओं को शिक्षा सम्मान अलंकरण से सम्मानित किया जायेगा। ये छात्र छात्राएं मेघावी एवं प्रथम आए बच्चों के लिए है। उनका हौसला एवं मार्ग दर्शन आगे की शिक्षा के लिए शबरी महासंघ संकल्पित है।

अमर शहीद स्मृति मेले का समापन आज

जबलपुर, देशबन्धु। 50 दिनों तक चले जबलपुर के मनोरंजन के इतिहास में एक नया आयाम करने वाले महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित अमर शहीद स्मृति मेले का समापन आज रविवार 22 जून को है। इस अवसर पर संयोजन मंडल के जादूगर एस के निगम, विजय जायसवाल, राजेंद्र टहगुरिया, मनीष जायसवाल, बच्चन श्रीवास्तव जबलपुर के प्रशासन, पुलिस विभाग, कलाप्रिय जनता, साहित्यिक सामाजिक संस्थाओं और आम जनता के प्रति मेले को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया है।

अंतर जिला पुलिस वार्षिक खेल-कूद स्पर्धा का शुभारम्भ 23 जून को

जबलपुर, देशबन्धु। 24वीं पूर्वी जोन अंतर जिला पुलिस वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 जून को पुलिस परेड मैदान में आयोजित है। इसका शुभारंभ पुलिस उपमहानिरीक्षक अतुल सिंह करेंगे। शाम पांच बजे से कार्यक्रम शुरू होंगे। जबलपुर के एसपी सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं जोनल स्पोर्टस अधिकारी सूर्यकांत शर्मा के निर्देशन में प्रतियोगिता की सभी तैयारियों को पुरा कर लिया गया है।

मन की बात एवं डॉ मुखर्जी की जन्म जयंती पर कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। मोदी सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षो के कार्यक्रमों के साथ ही संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारियों के संदर्भ में भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर की अध्यक्षता एवं नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, राजेश मिश्रा, रंजीत पटेल की उपस्थित में भाजपा कार्यालय रानीताल में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र संयोजक की बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण किए है समाज के हर वर्ग के उत्थान की दिशा में कार्य किया है ,

सोनकर ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 23 जून को भाजपा के पितृ पुरुष श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस का कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर मनाया जाएगा उसी दिन प्रत्येक बूथ पर 11 पौधों का पौधारोपण किया जाएगा एवं उन पौधों की देखभाल हेतु पालक भी नियुक्त किए जाएंगे ताकि पौधे वृक्ष का आकार ले सकें। इसके साथ ही 25 जून को आपातकाल दिवस मनाया जाएगा जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम जी उपस्थित रहेंगे, 26 जून को राष्ट्रीय महासचिव गौतम भी पौधारोपण कार्यक्रम करेंगें । 29 मई को प्रधानमंत्री के मन की बात का कार्यक्रम का आयोजित होना है मन की बात कार्यक्रम में भी वृक्षारोपण किया जाएगा।

बैठक में अभय सिंह ठाकुर, जय सचदेवा, अंजु भार्गव,रंजीत पटेल, लालू यादव, प्रणीत वर्मा, डिंपी विश्वकर्मा, रेणु कोरी, कमलेश राजन, प्रशान्त केसरवानी, योगेंद्र राजपुत, महेश राजपुत, रविंद्र पचौरी, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा के साथ मंडल अध्यक्ष एवं सभी मंडलों के शक्ति केंद्र संयोजक उपस्थित थे।

जिला न्यायालय व नगर निगम में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

जबलपुर, देशबन्धु। जिला न्यायालय व नगर निगम में नौकरी लगवाने के नाम पर पिता-पुत्र ने चार व्यक्तियों के साथ 8 लाख 69 रूपये की ठगी थी। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने न्यायालय के आदेष पर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

ओमती पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विनोद सेन निवासी ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन विगत 16 वर्ष से प्रकाश हेयर ड्रेसेस रसल चौक में काम करता था। उसके दुकान में हिमांशु यादव निवासी उड़िया मोहल्ला कटिंग कराने आता था। कोरोना काल के दौरान उसने अपने पिता नील चंद यादव की कटिंग करके घर बुलाया था। इस दौरान उसने बताया कि उसके पिता नगर निगम जबलपुर व उच्च न्यायालय जबलपुर में शासकीय ठेकेदार हैं। उनकी उच्च अधिकारियों व न्यायालय में अच्छा परिचय है। तुम्हारा कोई भाई-बहन व सगे रिश्तेदार को न्यायालय में ग्रेड-2 व ग्रेड-3 में नौकरी लगवा दूंगा। ग्रेड-2 पद के लिए तीन लाख तथा ग्रेड-3 के लिए तथा ग्रेड-3 के लिए दो लाख रूपये लगेंगे।

हिमांशु यादव व पिता नील चंद यादव के द्वारा ग्रेड-2 व ग्रेड- 3 एवं नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर विनोद के रिश्तेदार चंद्रिका सेन, शुभम सेन, भारती सेन से ऑनलाईन व नगद 3 लाख 94 हजार रूपये लिये था।

विमानतल की सुरक्षा और यात्री सुविधाओं पर फोकस करें :दुबे

सांसद अध्यक्षता में जबलपुर विमानपत्तन सलाहकार समिति की बैठक हुई

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर सांसद आशीष दुबे के नेतृत्व में जबलपुर डुमना विमानतल की विमानपत्तन सलाहकार समिति की प्रथम बैठक का आयोजन शनिवार को विमानतल भवन में हुआ, जिसमें जबलपुर विमानतल के विकास एवं सुविधाओं हेतु सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा विमानतल अधिकारियों से चर्चा की गई एवं अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए।

बैठक की शुरुवात दीप प्रज्वलन के साथ करते हुए अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में दिवंगत हुए यात्रियों को श्रद्धांजलि दी गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जबलपुर विमानतल का संपूर्ण वृत्त प्रस्तुत करते हुए विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। सांसद आशीष दुबे ने नव नियुक्त सलाहकार समिति सदस्यों का अभिनंदन किया एवं सुझाव आमंत्रित किए।

रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाये- डॉ जितेंद्र जामदार ने एयरपोर्ट का नाम रानी दुर्गावती के नाम करने की एवं सुव्यवस्थित हरियाली को विकसित करने की बात कही। डॉ राजेश धीरवानी ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से विमानतल तक की फोरलेन सडक हेतु बाधाओं को दूर करने हेतु प्रशासनिक कदम उठाने का सुझाव दिया ।कमल ग्रोवर ने टैक्सी के सुचारू संचालन एवं उचित किराए के निर्धारण की बात कही। तनुश्री राजे ने रिफ्रेशमेंट काउंटर खोलने हेतु सलाह दी।श्रद्धा मालपाणी द्वारा सोलर पैनल और कनेक्टिविटी बढ़ाने की बात कही गई। सी ए आशीष महावर ने स्पॉन्सरशिप के द्वारा कार्य करने का सुझाव दिया। नीटू भाटिया द्वारा प्रत्येक कार्य में सहयोग की बात रखी गई। प्रेमशंकर तिवारी ने शॉपिंग आउटलेट खोलने, राजा नागदेव ने फ्री वाईफाई की सुविधा को शुरू करने,विवेक गोस्वामी द्वारा पार्किंग हेतु सुविधाजनक नियम बनाए जाने का सुझाव दिया गया।

इन शहरों के लिये उड़ान शुरू हो- राजीव बड़ेरिया ने पुणे, अहमदाबाद और कोलकाता की उड़ान शुरू किए जाने की बात कही। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वी आई पी कारकेड हेतु स्पेस उपलब्ध कराने की बात कही गई। सलाहकार समिति से चर्चा करते हुए सांसद आशीष दुबे ने कहा कि जबलपुर के विकास हेतु जबलपुर विमानपत्तन सलाहकार समिति के सुझाव और आगामी लक्ष्य और दृष्टिकोण सबसे अहम होंगे। इसे बेहतर प्रयास माना गया।

सुझावों पर अमल होगा- सभी सुझावों पर हमारे अधिकारियों के द्वारा अमल किया जायेगा। सांसद श्री दुबे ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता विमानतल की सुरक्षा एवं यात्री सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। विमानतल में सी सी टी वी कैमरे, फायर स्टेशन,आपातकालीन स्थिति हेतु उचित तैयारी के साथ गुणवत्ता एवं सुरक्षा को सर्वोपरि रखने की आवश्यकता है। जबलपुर रक्षा,पर्यटन, शिक्षा,कृषि का प्रमुख केंद्र है जिसके लिए सुविधाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। हमें टूर ऑपरेटर काउंटर खोलने की आवश्यकता है जिनमें पेंच,बांधवगढ़, कान्हा,पन्ना नेशनल पार्क आदि के लिए सुविधा मिले।

विकास को प्राथमिकता- विमानतल प्राधिकरण द्वारा किए जाएं जिसमें सभी की सहभागिता हो। जबलपुर का विकास हम सभी की प्राथमिकता और नैतिक दायित्व है जिसे हम सभी को निभाने की आवश्यकता है। जबलपुर के विकास का संपूर्ण श्रेय केवल यहां की देवतुल्य जनता को है इनके आशीर्वाद से ही हम विकास के सतत कार्य कर पा रहे हैं। बैठक में एयरपोर्ट डायरेक्टर आरआर पांडे, जीएम वीके सूरी, एटीसी हेड नीरज गुडवानी,डि. डायरेक्टर अजय साहू,कमलेश शर्मा सहित अन्य विमानतल अधिकारी भी उपस्थित थे।

थल सैनिक कैम्प में चयन के लिए युद्ध कौशल कला में माहिर होंगे कैडेट्स

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण एवं थल थैनिक कैम्प का आयोजन किया गया। कैंप कमांडेंट कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे के निर्देशन में कैडेट्स ने योग आसन दोहराए। प्रथम दिन कैम्प में कैडैट्स ने सामूहिक योग किया। कैंप के प्रथम दिन एनसीसी ने सामूहिक योग किया। अगले चरण में एनसीसी का महत्व, संरचना एवं विभिन्न गतिविधियों की रुपरेखाओं पर व्याख्यान हुआ। इस दौरान उन्हें कैम्प में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। कैम्प में एनसीसी अधिकारी सुनील पटेल, अनुपमा सुंदरम, आशीष डेनियल, राहुल सोनी मौजूद थे।

मैप रीडिंग, हाइजीन का नॉलेज- थल सैनिक कैम्प में कैडेट्स को युद्ध कौशल क्षेत्र में मैप रीडिंग, हाइजीन, स्वास्थ्य परीक्षण से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई। शाम को खेलकूल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कैम्प में सूबेदार रामाश्रय सिंह, नायब सूबेदार एमके यादव, नायब सूबेदार एसके जेना, हवलदार एम गीते, हवलदार अमरीक सिंह, हवलदार गुरजीत सिंह, हवलदार हसन्त सिंह, हवलदार बृजेश कुमार, हवलदार बीजे खान, हवलदार सपन कुमार, नायक धर्मेन्द्र कुमार का योगदान रहा।

महिला शक्तियों का होगा सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। राजपूत महिला संगठन के तत्वावधान में वीरांगना सम्मान समारोह महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया जाएगा। यह आयोजन मप्र अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा द्वारा 23 जून को दोपहर 3 बजे से ग्रेंड समदड़िया में होगा। यह जानकारी संस्था पदाधिकारियों ने दी। इस दौरान महिल सशक्तिकरण रूपी वीरांगनाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा जबलपुर ईकाई संस्थापक डॉ. आराधना चौहान एवं अन्य मौजूद थे।

सदाबहार गीतों का चला दौर, गूंजे सुर

जबलपुर,देशबन्धु। स्वर फनकार म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में दत्त मंदिर के अनुसुइया भवन में संगीतमय संध्या का आयोजन किया। संयोजक डॉ. अनिल वाजपेयी थी। इस मौके पर मनोहर सोनी, सत्यमी तिरपुड़े, संगीत संयोजक गोलू बेन का सहयोग रहा। कार्यक्रम में गायक कलाकारों ने नए पुराने गीतों की प्रस्तुति देकर सुरीला समां बांधा।

शिविर में किया 58 यूनिट ब्लड कलेक्ट

जबलपुर,देशबन्धु। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में विजय नगर में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया गया। इस दौरान कुल 58 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। शिविर में मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक विभाग प्रभारी डॉ. शिशिर चनपुरिया, डॉ. सौम्या अग्रवाल, अर्चना शुक्ला, पंकज सोनकुसले, मुकेश मरावी, सुनील पंडित, रितु सिंह का सहयोग रहा।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 बंद होने से लोकसेवक परेशान

जबलपुर,देशबन्धु। प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की एजुकेशन पोर्टल 3.0 बंद होने से लोकसेवकों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है पोर्टल पर स्थानांतरण संबंधी किसी भी प्रकार के आदेश अपलोड नहीं दिख रहे हैं जिससे शिक्षकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है द्य पोर्टल 3.0 बंद होने से पोर्टलअपग्रेडेशन की प्रक्रिया कुछ समय के लिए रुक गई है इससे प्रदेश के हजारों शिक्षक जिन्होंने स्थानान्तरण हेतु आवेदन दिया था उनके आदेश अधर में लटक गए है। किसी ने बीमारी के चलते तो किसी ने परिवारिक समस्याओं के चलते आवेदन दिया था वे सभी पोर्टल बंद होने से परेशान है द्य अतः संगठन मुख्य मंत्री से मांग करता है की एजुकेशन पोर्टल 3.0 को अतिशीघ्र ठीक करवाया जाए जिससे सभी लोकसेवक जिन्होंने स्थानान्तरण/ ट्रांसफर चाहा है उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, शहीर मुमताज़, राजेश सहारिया, फिलिप एंथोनी, रऊफ खान, एनोस विक्टर, रामेश्वर प्रसाद दुबे, सुरेंद्र चौधरी, गुडविन चार्ल्स, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, विनोद सिंह, सुधीर अवधिया, देवेंद्र भट, मनमोहन चौधरी, योगेश ठाकरे, धनराज पिल्ले, गोपी शाह, वीरेंद्र श्रीवास, संतोष चौरसिया, आशीष कोरी आदि ने मांग की है।

महाकोशल शिक्षा प्रसार समिति के चुनाव सम्पन्न

जबलपुर,देशबन्धु। महाकौशल शिक्षा प्रसार समिति जबलपुर का चुनाव निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता सुनील चौबे के निर्देशन में निर्विरोध संपन्न हुआ, जिसमें श्रीमती सुनयना पटेरिया अध्यक्ष, प्रो. एच.बी.पालन उपाध्याय, सुधीर गुगलिया सचिव, श्रीमती प्रीति धर्माधिकारी कोषाध्यक्ष, एवं डॉ. अशोक भंडारी सहसचिव निर्वाचित हुए। प्रबंधक का पद अभी रिक्त है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीअमिताभ जैन, डॉ. पंकज शुक्ला ,श्री प्रभात जैन ,श्रीमती मनीषा रोहाणी, एड.सुनील चौबे , श्रीमती ज़रीना डिसिल्वा , श्री कार्तिक चौहान चयनित हुए। ज्ञातव्य हो कि शिक्षा के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान देने वाली इस संस्था के द्वारा संस्कारधानी का सबसे प्रतिष्ठित एवं प्राचीन चंचलबाई पटेल महिला महाविद्यालय (सी.पी.गर्ल्स कॉलेज) ,भातखंडे संगीत महाविद्यालय एवं बिदाम बाई गुगलिया कन्या विद्यालय का संचालन किया जा रहा है।

उपरैनगंज में हजरत चांदशाह वली रह. का तीन दिवसीय उर्स आज से शुरू

जबलपुर, देशबन्धु। उपरैनगंज स्थित हजरत चांदशाह वली रहमतुल्ला अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स शरीफ आज (22 जून) से शुरू हो रहा है। मग़रिब की नमाज़ के बाद कुरान ख्वानी के साथ उर्स का आगाज़ होगा। इस अवसर पर मज़ार शरीफ पर गुलपोशी की जाएगी और नज़रो न्याज़ के बाद लंगर तकसीम किया जाएगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल वाजिद खान, सचिव मो. ताहिर खान, मो. रिजवान खान और आशीष उसरेटे, आसिफ अख्तर, अजीज मामू, मुशाहिद खान, अजहर अली, एजाज सौदागर ने सभी अकीदतमंदों से उर्स में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

दैनिक राशिफल

रविवार 22 जून 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। अषाढ़ कृष्ण पक्ष की द्वादशी, नक्षत्र-रोहणी।

मेष - आपके दिन की शुरुआत ताजगी और स्फूर्ति के साथ होगी। आपके घर में मित्र और सगे सम्बंधियों के आने से माहौल खुशनुमा होगा। किसी उपहार के मिलने से आपको खुशी होगी। आप आज आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

वृषभ - आज कोई भी निर्णय लेने से पहले सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी के साथ भी गलतफहमी हो सकती है। शारीरिक अस्वस्थता आपके मन को उदास कर देगी। परिवार में मतभेद और मनमुटाव हो सकता है।

मिथुन - आज अनेक रूप से लाभ होने के कारण आपके उल्लास में दोगुनी वृद्धि होगी। पत्नी एवं बेटे की तरफ से लाभदायी समाचार मिलेंगे। मित्रों से हुई मुलाकात से आनंद मिलेगा। (**क.689-770**)

कर्क - नौकरी या व्यवसाय करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायक है। नौकरीपेशा लोगों पर उच्च पदाधिकारियों की कृपादृष्टि रहने से पदोन्नति की संभावना है। अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मामलों के साथ भी खुले मन से चर्चा होगी।

सिंह - सुस्ती के कारण आपके काम करने की गति मंद पड़ जाएगी। पेट की तकलीफ आपको परेशान करेगी। काम में विरोधी बाधा डाल सकते हैं। आज ऑफिस में अधिकारियों से थोड़ी दूरी रखना बेहतर होगा।

कन्या - आज वाणी पर संयम रखें और किसी नए काम का प्रारंभ न करें। क्रोध एवं आवेश के कारण बातचीत में नुकसान हो सकता है। परिवार एवं मित्रों के साथ भी वाद-विवाद हो सकता है।

तुला - आज का दिन मौज- मस्ती और मनोरंजन के साथ व्यतीत होगा। किसी नए व्यक्ति के साथ आकर्षण महसूस होगा और उनके साथ आपको प्रसन्नता मिलेगी। प्रवास में मित्रों और प्रियजनों का साथ आपके आनंद को दोगुना कर देगा।

वृश्चिक - परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा। शारीरिक-मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी। खर्च पर नियंत्रण होगा। बीमार व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता हुआ प्रतीत होगा। विरोधियों और दुश्मनों को पराजित कर सकेंगे।

धनु - आज आपको क्रोध पर संयम बरतने की जरूरत है। पेट संबंधित बीमारियों से परेशानी होगी। किसी भी काम में सफलता न मिलने से निराशा हो सकती है। साहित्य या अन्य किसी सृजनात्मक कला के प्रति रुचि रहेगी।

मकर - आज आपकी मन:स्थिति और स्वास्थ्य कुछ अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में क्लेशमय वातावरण से मन खिन्न रहेगा। शरीर में ताजगी एवं प्रफुल्लता का अभाव रहेगा। अपनों से मनमुटाव का प्रसंग हो सकता है।

कुंभ - मानसिक रूप से आज आप बहुत हल्कापन महसूस करेंगे। आपके मन पर छाए हुए चिंता के बादल हटने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। घर में भाई-बहनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे।

मीन - अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। किसी के साथ संघर्ष हो सकता है। वित्तीय मामले और लेन-देन में सावधानी रखनी पड़ेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद हो सकता है। मन पर नकारात्मकता हावी होगी। (**मा.668-559**)

3,6,8,9,34,69,85,90,42,93,59,07

संत रविदास विचार मंच ने माना आभार

जबलपुर,देशबन्धु। संत रविदास विचार मंच के अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने पुलिस अधीक्षक एवं मीडिया वालों ने ग्वारीघाट चौधरी मोहल्ला में आकर जो अनुसूचित जाति के गरीबों को सहयोग दिया है उसके लिए आप सभी को मेरी संस्था की ओर से प्रणाम करता है जो कि एक गरीब महिला मीराबाई चौधरी, ग्वारीघाट चौधरी मोहल्ला का मकान कृष्णकुमार विश्वकर्मा द्वारा अपने साथियों के साथ आकर दो दिन का समय मकान खाली करने के लिए कहा था जिस पर वह 50 साल से निवास कर रही महिला व्यथित एवं परेशान हो गई उसने अपने संत रविदास विचार मंच के अध्यक्ष को बताया उन्होंने जिला कलेक्टर महोदय एवं पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर उनसे सहयोग के लिए प्रार्थना की थी जिस पर उन्होंने कार्यवाही कर मकान तोड़ने से रोक दिया है। संत विचार मंच को मीडिया एवं सिटी केबिल वालों ने आकर उन्होंने इस अवैधानिक कार्य को रोकने में अपनी भूमिका निभाई है। इसके प्रति आभार जताया है। मंच के रामसिपाही सेठ, राजीव चौधरी, राकेश कुमार, चंदाबाई चौधरी, सियाबाई, रामकली चौधरी इन्होंने मंच के अध्यक्ष को उनके सहयोग के लिए सराहना की है।

वर्कशॉप में समझाया सिरामिक आर्ट का प्रभाव

शासकीय ललित कला संस्थान में आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय ललित कला संस्थान में विश्व संगीत एवं योग दिवस के मौके पर व्याख्यानमाला हुई। कार्यक्रम में भोपाल से आए मुख्य वक्ता सिरामिक कलाकार गिरिजा वायंगणकर थे। उन्होंने कला क्षेत्र में स्लाइड शो के लिए जरिए विषय वस्तु और कला क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों की चर्चा की गई। उन्होंने सिरामिक के विभिन्न आयाम, आकार, रूप, विभिन्न आकारों में किए गए रंगों का प्रभाव और उसके भावनात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभावों को समझाया। इलेक्ट्रॉनिक चॉक का समझाया उपयोग कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ने इलेक्ट्रॉनिक चॉक पर विभिन्न आकारों को मिट्टी के विविध रूपों निर्मित करने का डेमोन्स्ट्रेशन दिया। प्राचार्य डॉ. पूजा शुक्ला, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. मनीष कोष्टा, शिक्षिका शैलजा सुल्लेर मौजूद रहीं।

अब पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से जुड़ना और भी आसान

जबलपुर/भोपाल,देशबन्धु। अब पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से जुड़ना और भी आसान हो गया है। आपकी सुविधा के लिए कंपनी ने अपना आधिकारिक वॉट्सएप चैनल शुरू किया है। इस चैनल से जुड़कर बिजली उपभोक्ता कई सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं। ताजा अपडेट्स बिजली आपूर्ति, रखरखाव कार्य और नई योजनाओं से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी सबसे पहले पाएं। बिजली कटौती की सूचना अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी संभावित बिजली कटौती की जानकारी समय पर प्राप्त करें। शिकायत निवारण- अपनी शिकायतों या सुझावों को आसानी से हम तक पहुंचाएं। महत्वपूर्ण घोषणाएं कंपनी द्वारा जारी की गई सभी आवश्यक घोषणाओं से अवगत रहें।

नवीन कार्यकारिणी का गठन

जबलपुर, देशबन्धु। इंस्टीट्यूशन ऑफ वैल्यूअर्स जबलपुर ब्रांच की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को जहां नवीन पद दिए गए, वहीं उन्होंने कर्तव्यनिष्ठा की शपथ भी ली। आयोजन में अध्यक्ष पीसी टेंभरे, सचिव संजय वर्मा, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष पद्मेश तिवारी को चुना गया। इस मौके पर पीसी दुबे, राजकुमार साहू, सुशील अग्रवाल, कीर्ति चंदेलिया, अश्विनी शुक्ला को कार्यकारिणी सदस्य के रूप चुना गया। आयोजन में बैठक भी हुई जहां आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तय की गई।

त्रिलोक संस्था के तत्वावधान में विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। सुरों की सरिता में कलाकारों ने नर्मदा नदी का बखान किया। त्रिलोक संस्था के तत्वावधान में विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में तरंगिनी कार्यक्रम हुआ। आयोजन में नदियों का गीत स्मरण किया गया। जानकीरमण कॉलेज में हुए कार्यक्रम में अतिथि भूमिका डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, अभिमन्यु जैन, विनय शर्मा ने कहा कि नदी हमें सिखाती है, कि बिना रुके आगे बढ़ते रहना ही जीवन है। आयोजन में नदियों के महत्व को रेखांकित करते हुए संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

नर्मदा तुमको नमन ने बांधा समां

कार्यक्रम में कलाकारों ने भारतम महाभारतम, गंगा यमुना सिन्धु कावेरी, नर्मदा तुमको नमन, बम्बुलिया और नदियां धीरे-धीरे बहना... गीतों की प्रस्तुति कलाकारों ने दी। प्रस्तुति मुस्कान धोपे, उन्नति तिवारी, माही सोनी, अर्पिता तिवारी, शालिनी अहिरवार, चांदनी सेन, अनामिका वाजपेयी, हारमोनियम पर राजवर्धन पटेल, तबले पर आयुष मेहरा और चेतना बेन, ढप्प, शंख, मंजीरे पर मानसी सोनी ने संगत की। कार्यक्रम निर्देशन लोकेश मालवीय का रहा। इस मौके पर दविन्दर सिंह ग्रोवर, संजय गर्ग, अश्विनी वेद, राज गुप्ता, परग तेलंग, रविंद्र मुरहार, संजय पांडे मौजूद थे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री विश्वनाथ सिंह ठाकुर- स्टेट बैंक कॉलोनी निवासी श्री विश्वनाथ सिंह ठाकुर का 82 वर्ष की उम्र में शनिवार को प्रात: 7 बजे आकस्मिक निधन हो गया है आप राजेंद्र सिंग, कैलाश सिंग, राजेश सिंग के पिताजी थे जिनकी अंतिम यात्रा रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न हुई है

श्री हिमांशु तिवारी- बेलबाग छुई मोहल्ला निवासी श्री भुक्काड प्रसाद तिवारी के पुत्र श्री हिमांशु तिवारी (16) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मंजू खरे- कृष्णा विहार सागर कॉलोनी धनवंतरी नगर निवासी श्री सीएस खरे की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू खरे (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तुलसीदास पासी- लालमाटी चांदमारी ओम कला मंदिर रोड निवासी श्री तुलसीदास पासी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री देवीदीन- सदर स्थित एपीएन स्कूल के पीछे निवासी श्री देवीदीन (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनोद कुमार श्रीवास- छोटी ओमती निवासी श्री विनोद कुमार श्रीवास (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मधु बारमाटे- गोहलपुर अमखेरा हनुमंत नगर निवासी श्री अनिल बारमाटे की धर्मपत्नी श्रीमती मधु बारमाटे का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुसुम देवी विश्वकर्मा- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री प्रकाशचंद विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम देवी विश्वकर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शकुंतला चौरसिया- आदित्य कॉलोनी नर्मदा रोड निवासी श्री आरसी चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला चौरसिया (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्री कैलाश कोरी- वल्दी कोरी की दफाई निवासी श्री मिठाई लाल कोरी के पुत्र श्री कैलाश कोरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मेघा बेन- रामपुर बेन मोहल्ला निवासी श्री आकाश बेन की धर्मपत्नी श्रीमती मेघा बेन (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

युवक और महिला गांजे के साथ गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच की कार्यवाही, 1.2 लाख का गांजा बरामद

जबलपुर,देशबन्धु। क्राइम ब्रांच की टीम ने गोसलपुर पुलिस के साथ वन विभाग डिपो यात्री प्रतीक्षालय से एक युवक व एक महिला को गांजे के साथ दबोचा। जिनके पास से पुलिस ने पांच किलो 122 ग्राम गांजा कीमती एक लाख दो हजार रुपये का बरामद किया है। आरोपी उक्त गांजे को उड़ीसा लेकर आये थे और यहां शहर के अलग-अलग हिस्सों में बेचते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम को मुखबिर की सूचना पर गोसलपुर वन विभाग डिपों यात्री प्रतीक्षालय मेन रोड हाईवे पर दबिश दी। जहां एक युवक व एक महिला संदिग्ध हालत में बैठे नजर आये।

पुलिस ने दोनों को घेराबंदी कर धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम रोहित कनोजिया उम्र 24 वर्ष निवासी बस्ती नम्बर 1 राधा कृष्ण मंदिर के पास गोहलपुर एवं सत्ता नाग उर्फ रानी नागा उम्र 32 वर्ष निवासी सौरी विगेश थाना सोनपुर जिला बौध उड़ीसा बताया। संदेही रोहित कनोजिया के पास रखे एक ग्रे रंग के पि-बैग को खोलकर चौक करने पर 6 पेकेट में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला, जो कि तौल करने पर 05 किलो 122 ग्राम गांजा कीमती 1 लाख 2 हजार रूपये का होना पाया गया। आरोपी रोहित कनोजिया ने उक्त गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर उड़ीसा से गांजा लाकर जबलपुर में अवैध रूप से बेचना बताया। आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 05 किलो 122 ग्राम गांजा जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

सीढ़ी से गिरकर वृद्धा की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। सीढ़ी से गिरने के कारण वृद्ध महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। एक अन्य घटना में युवती ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। कोतवाली पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि श्रीमती लक्ष्मी बाई अहिरवार उम्र 60 वर्ष निवासी खिन्नी मोहल्ला कोतवाली की घर पर सीढ़ी से गिरने के कारण इलाज हेतु पुत्र कंछेदी लाल अहिरवार द्वारा मेडिकल कॉलेज लाया गया था डॉक्टर ने चैक कर मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

महिला ने जहर खाया

भेड़ाघाट पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलेश चक्रवर्ती उम्र 33 वर्ष निवासी गढ़ा गंज थाना गढ़ा ने सूचना दी कि उसकी भांजी वंदना चक्रवर्ती उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम बेलखेड़ा वर्तमान पता मायका ग्राम सहजपुर थाना भेड़ाघाट ने गत दोपहर अपने घर सहजपुर में अज्ञात वस्तु का सेवन करने से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था दौरान उपचार के रात लगभग 8-15 बजे श्रीमती वंदना चक्रवर्ती की मृत्यु हो गयी है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

धोखाधड़ी करने वाला बिल्डर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

फार्म लैंड के नाम पर लोगों को लगाया था करोड़ों का चूना

जबलपुर,देशबन्धु। फार्म लैंड के नाम पर बिल्डर ने लोगों से डेढ करोड रुपये से अधिक की ठगी की है। पुलिस ने आरोपी बिल्डर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बिल्डर के खिलाफ अभी तक 25 लोगों ने फार्म लैंड के नाम पर ठगी करने की शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने आरोपी बिल्डर को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए तीन दिनों का रिमांड प्राप्त किया है।

बरगी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार संजीवनी नगर स्थित सतपुड़ा एवेन्यू निवासी नीरज ललित प्रताप सिंह मूलत: रीवा जिले का निवासी है और बिल्डर का कार्य करता है। उसने ग्राम जोगीढाना तथा हर्रई में फार्म लैंड बताकर लोगों को निवेश के लिए आमंत्रित किया। इसके लिए बिल्डर ने ब्रोषर व पंपलेट भी छपवाए थे। बिल्डर की तरफ से ग्राहकों को प्रलोभन दिया गया था कि निवेश करने पर उनकी रकम शीघ्र दोगुनी हो जायेगी।

बिल्डर के प्रलोभन में आकर लगभग 25 से अधिक लोगों ने डेढ करोड रूपये से अधिक की राशि निवेश की थी। राशि लेने के बावजूद भी बिल्डर ने कई निवेशकों के नाम पर रजिस्ट्री नहीं की। कुछ लोगों के नाम पर दूसरे व्यक्ति की रजिस्ट्री कर दी गयी। जिसके कारण राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज हो रहा है। इसके अलावा बिल्डर ने शासकीय भूमि में भी अतिक्रमण कर उसे खुर्द-बुर्द किया गया। पुलिस ने निवेशकों की शिकायत पर आरोपी बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी व जालसाजी की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी बिल्डर को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड प्राप्त करने आवेदन प्रस्तुत किया था। न्यायालय ने आरोपी का तीन दिनों का पुलिस रिमांड प्रदान किया है। बिल्डर के द्वारा अन्य लोगों से ठगी किये जाने की संभावना है।

दो पक्ष भिड़े, डंडे और चाकू से हमला

जबलपुर,देशबन्धु। मंझौली थानातंर्गत ग्राम मोहनिया में रास्तें से निकलने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गये। जिसमें दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी, डंडे व चाकू से हमला कर दिया। हालांकि पक्ष ने दूसरे पर अवैध रूपयों की मांग किये जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि आकाश मोहनिया ने शिकायत दर्ज करायी कि बीती रात वह रेस्टोरेंट से काम कर वापस घर आ रहा था। घर के पास ही उसे सत्यपाल सिंह कनौजिया मिला, जो कि उससे शराब पीने के लिए रुपयों की मांग करने लगा। उसके रुपये देने से मना करने पर सत्यपाल सिंह ने चाकू से हमला कर उसकी बायीं आंख के ऊपर चोट पहुंचा दी। उसकी आवाज सुन उसका भाई अरविंद व मां ताराबाई दाहिया आये तो आरोपी ने उनके साथ भी डंडे से मारपीट कर चोट पहुंचा दी। वहीं ग्राम खिरवा निवासी 28 वर्षीय सत्यपाल सिंह ने शिकायत दर्ज करायी बीती शाम वह ट्रेक्टर लेकर ग्राम मोहनिया के अंदर की ओर से जा रहा था। जहां रास्ते में आकाश उर्फ अन्नू दाहिया व उसका भाई अरविंद दाहिया बीच रास्तें में आपस में गाली गलौज कर रहे थे, जिन्हें उसने रास्ते से हटने के लिये कहा तो दोनों भाइयों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों भाईयों ने झूमाझटकी करते हुए डंडे से मारपीट करते हुए नाखूनों से नोंच दिया।

शराबी बदमाशों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर बुलेट फूंकी

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी थाना क्षेत्रातंर्गत पुराना शोभापुर में बीती रात आधा दर्जन बदमाशों ने शराब पीकर जमकर उत्पात मचाया। आरोपियों ने नगर निगम के वाहन चालक के घर में घुसकरन केवल कार में तोड़फोड़ की बल्कि एक बुलेट मोटर साइकिल को आग के हवाले कर उसे फूंक दिया। इसके बाद आसपास के घरों के वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की। बदमाशा एक घंटे तक क्षेत्र में उत्पात मचाते रहे, लेकिन पुलिस मदद के लिये नहीं पहुंची, बाद में पीड़ितों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

जानकारी अनुसार पुराना शोभापुर निवासी 27 वर्षीय मोईनुद्दीन उर्फ मोनू नगर निगम अतिक्रमण दल में वाहन चलाता है। बीती रात करीब दो बजे उसके घर के पीछे

रांझी पुराना शोभापुर में वारदात, लोगों में दहशत

मोहल्ले का प्रवीण रजक व उसके साथी देवू अन्ना, अरुण पटेल व अन्य लोग बैठकर शराब पी रहे थे। तेज आवाज होने पर जब मोईनुद्दीन वहां पहुंचा तो सभी उससे शराब पीने के लिये तीन हजार रुपयों की मांग करने लगे। मोईनुद्दीन रुपये देने से मना किया तो सभी गालीगलौज करने लगे और मारने के लिये दौड़े, जिस पर मोईनुद्दीन अपने घर के अंदर आ गया। पीछे से आरोपी भी पहुंचे, जिन्होंने उसके घर के पास खड़ी टाटा इंडिगो कार एमपी 20 सीई 8315 में लोहे की राड एवं लाठी से तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद आरोपियों ने फिरोज खान की बुलेट मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 20 एनयू- 8152 में आग लगा दी, जिसे बुलेट जलकर नष्ट हो गई।

इसके बाद आरोपियों ने जमकर उत्पात मचाते हुए मोहल्ले के हनीफ खान के घर जाकर घर के सामने रखी पेशन मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन बी 7839 में लोहे की राड एवं लाठी से तोड़फोड़ कर उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया और रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

शराब के लिए पिता के पैर में पटक दी चीप

आरोपी युवक पुलिस गिरफ्त से दूर

जबलपुर,देशबन्धु। शराब के लिए रूपये नहीं देने पर बेटे ने पिता के पैर में चिप पटक दी। जिसके कारण पिता को पैर में गंभीर चोट आई है और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसके संबंध में पतासाजी प्रारंभ कर दी है।

रांझी थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार इतवारी लाल बिरहा उम्र 65 वर्ष निवासी कांचीपुरम कालोनी व्हीएफजे से रिटायर्ड कर्मचारी है। सेवानिवृत्त कर्मचारी शुक्रवार की रात लगभग साढ़े दस बजे घर पर था। तभी उसका बेटा विक्की बिरहा आया और शराब पीने के लिए 5 हजार रूपये मांग करने लगा। वृध्द ने शराब के लिए रूपये देने से इंकार कर दिया। रूपये देने से मना करने पर वह पिता के साथ गाली-गलौज करने लगा। जिसके विरोध करने पर बेटा बाहर गया और चिप उठाकर लाने के बाद पिता के बायें पैर पर पटक दी। इसके बाद बेटा जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। सेवानिवृत्त कर्मचारी का बेटा आदतन शराबी है और रोजाना शराब के लिए रूपये देने परिजनों पर दबाव बनाता हुई उपद्रव करता है। चिप लगने से वृद्ध को पैर में गंभीर चोट आई है। जिसके उपचार के लिए सिविल अस्पताल भर्ती में भर्ती किया गया है। पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ धारा धारा 296, 119(1), 351(2), बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपी बेटे की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है तथा उसकी तलाश जारी है।

पति को पाक्सो एक्ट में किया था 20 साल की सजा से दंडित

हाईकोर्ट ने बालिग मानते हुए आदेश को किया निरस्त

जबलपुर,देशबन्धु। नाबालिग मानते हुए पति को पास्को एक्ट में 20 साल की सजा दंडित किया गया था। पीड़ित के पति ने सजा के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस देव नारायण मिश्रा ने युगलपीठ ने पीड़िता को बालिग मानते हुए सजा के आदेश को निरस्त कर दिया है। खंडवा निवासी पीड़िता के पति की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। पीड़िता 18 मई 2020 को उसके साथ भाग गयी थी। इसके बाद दोनों ने मंदिर में विवाह किया था। विवाद के बाद शारीरिक संबंध स्थापित होने के कारण पीड़ता गर्भवती हो गयी थी। पीड़िता को नाबालिग बताते हुए पीड़िता के लापता होने की रिपोर्ट पिता के द्वारा पंधाना थाने में दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने पीडिता को बरामद करते हुए उसके खिलाफ पास्को एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीडिता ने खुद की उम्र 20 साल बताई थी। पीड़िता ने अपने बयान में बताया था कि उसके पिता ने पांच लाख रूपये की मांग करी थी। मांग पूरी नहीं होने पर पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने कक्षा पहली से पांचवी तक सेंट जेवियर स्कूल में पढ़ाई की थी। उक्त स्कूल से उसके उम्र के संबंध में रिकॉर्ड नहीं बुलाया गया है। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि पीडिता के पिता ने स्वीकार किया है कि वर्तमान में उसकी उम्र 59 साल है। उसका विवाह 22 साल की उम्र में हुआ था। शादी के चार साल बाद बडी लडकी पैदा हुई थी। उसके जन्म के दो साल बाद बेटा पैदा हुआ था। बेटे के डेढ़ साल बाद पीड़ता पैदा हुई थी। पीड़िता के पिता ने पांचवी के दाखिले के समय बिना आयु प्रमाण प्रस्तुत किये उसकी उम्र 26 नवम्बर 2004 दर्ज करवाई थी। युगलपीठ ने पीड़िता को बालिग मानते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा पास्को एक्ट में पति को दी गयी सजा निरस्त कर दिया है।

तीन दिन में वापस करो जमीन, वरना हाजिर हो

छिंदवाड़ा कलेक्टर को निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश का पालन न होने के मामले को काफी सख्ती से लिया। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ के समक्ष सरकार की ओर से अंडरटेकिंग दी गई कि वर्ष 1991 में याचिकाकर्ता से ली गई 6 हजार 7 सौ वर्गफुट जमीन उसे तीन दिन के भीतर वापस कर दी जाये। उक्त अंडरटेकिंग को मद्देनजर रखते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ तो अगली सुनवाई दौरान कलेक्टर पुनः हाजिर होकर स्पष्टीकरण देंगे। एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई छह अक्टूबर को निर्धारित की है।

दरअसल यह मामला छिंदवाड़ा के यशवंत राव की ओर से वर्ष 2012 में दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता मनीष तिवारी ने बताया कि सरकार ने 1991 में याचिकाकर्ता की जमीन अधिग्रहित की थी। वह कई सालों तक मुआवजे के लिए भटकता रहा। पूर्व में हाईकोर्ट ने जमीन वापस करने के आदेश दिए थे। स्पष्ट आदेश के बावजूद सरकार ने न ही याचिकाकर्ता को जमीन वापस की और न ही मुआवजा दिया। जिस पर पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी और कलेक्टर छिंदवाड़ा को हाजिर होने कहा था। निर्देशानुसार कलेक्टर शीलेंद्र सिंह उपस्थित हुए। जिसके बाद न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

डीएवी स्कूल के छात्रों को हाईकोर्ट से राहत

मान्यता नवीनीकरण आवेदन पोर्टल बंद होने से जमा न होने का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने डीएवी पब्लिक स्कूल सिंगरौली के छात्रों को राहत दी है। इसके अंतर्गत सितंबर माह तक स्कूल के नवीनीकरण पर विचार किया जाएगा। स्कूल के प्रवेशित छात्रों को कहीं और शिफ्ट नहीं किया जाएगा। पूरे सत्र वे डीएवी स्कूल में ही पढ़ेंगे।

याचिकाकर्ता डीएवी पब्लिक स्कूल गोरबी सिंगरौली की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि स्कूल की ओर से मान्यता नवीनीकरण का आवेदन दिया गया था। लेकिन कुछ तकनीकी गड़बड़ी के कारण अंतिम दिवस पर पोर्टल बंद हो गया। इसलिए नवीनीकरण संबंधी आवेदन पत्र जमा नहीं हो सका। जिला परियोजना समन्वयक द्वारा स्कूल प्रबंधन को आदेशित किया गया कि वह अपना समस्त अभिलेख संकुल स्कूल में जमा करे। स्कूल की मान्यता के नवीनीकरण के संबंध में स्कूल प्रबंधन द्वारा कलेक्टर के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। जिस पर कलेक्टर सिंगरौली द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को पत्र प्रेषित कर नवीनीकरण के संबंध में पुनः पोर्टल खोलने संबंधी अनुशंसा की। किंतु राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इस पर कोई विचार नहीं किया गया। इसीलिए व्यथित होकर स्कूल प्रबंधन ने हाईकोर्ट की शरण ली गई। दलील दी गई कि स्कूल में 600 छात्र पढ़ रहे हैं। कक्षा एक से आठ तक की व्यवस्था है। सभी विद्यार्थी नार्दन कोलफील्ड्स के कर्मचारियों के बच्चे हैं। छोटे बच्चों को अन्य स्कूलों में स्थानांतरित करने पर काफी असुविधा होगी। प्रकरण को बेहद संवेदनशील मानते हुए हाईकोर्ट ने राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को तलब किया। उन्होंने हाजिर होकर अंडरटेकिंग दी कि सितंबर माह तक स्कूल के नवीनीकरण पर विचार करेंगे। स्कूल के छात्रों को कहीं अन्य स्कूलों में शिफ्ट नहीं किया जायेगा, वे संपूर्ण सत्र वहीं पढ़ेंगे।

आवेदक एसआई के अभ्यावेदन का करो निराकरण

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने रेडियो एसपी जबलपुर को निर्देशित किया है कि याचिकाकर्ता के द्वितीय समयमान वेतनमान की रिकवरी के संबंध में विचार कर उचित निर्णय पारित करें। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने इसके लिए 60 दिन की मोहलत दी है। जबलपुर के रेडियो एसपी कार्यालय में पदस्थ सब इंस्पेक्टर भरत लाल नाग की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी 2021 के एक आदेश के तहत द्वितीय समयमान वेतनमान के लाभ की रिकवरी करने का प्रयास किया जा रहा है। शासन की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता उक्त लाभ पाने का पात्र नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के अनुसार इस तरह की रिकवरी नहीं की जा सकती। एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को सुको के निर्णय की प्रति के साथ नए सिरे से अभ्यावेदन प्रस्तुत करने कहते हुए उक्त निर्देश दिये।

हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने नाबालिग को तलाशा

आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जेल, मामले का हुआ पटाक्षेप

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस अनुराधा शुक्ला व जस्टिस अमित सेठ की युगलपीठ के आदेश पर सागर जिला अंतर्गत मालथौन थाने की पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग को खोज निकाला। जिसके बाद नाबालिग को संदेश चिराग चौहान के कब्जे से बरामद कर उसे हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने न्यायालय को बताया कि जिसके कब्जे से नाबालिग को बरामद किया गया है, उसके विरुद्ध अपहरण का प्रकरण कायम कर लिया गया है। यही नहीं अदालत में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। कोर्ट ने नाबालिग के बयान पर गौर करने के बाद नाबालिग को बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाकर्ता उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। याचिकाकर्ता पिता का आरोप था कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। लेकिन मालथौन पुलिस गंभीरता से खोज नहीं रही थी। इसलिए हाईकोर्ट आना पड़ा। उसकी ओर से अधिवक्ता रत्न भारत तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि चिराग चौहान पर संदेह के पुख्ता आधार हैं। इस संबंध में पुलिस को जानकारी दी गई। चूंकि चिराग का परिवार राजनीतिक पकड़ रखता है, अतः पुलिस दबाव में है। हाईकोर्ट ने आदेश जारी करे तो पुलिस को सख्त निर्देश दिये थे। जिसके बाद अपहृत को पेश किया गया और आरोपी को जेल भेजा गया।

डकैती की योजना बनाने वालों को पांच-पांच साल की सजा

अदालत ने चारों पर छह-छह हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर,देशबन्धु। अपर सत्र न्यायाधीश विपिन सिंह भदौरिया की अदालत ने डकैती की योजना बनाते पकड़े गए जबलपुर निवासी विनय उर्फ सतीश यादव, अमनजीत सिंह संधू, लक्की उर्फ जय कुमार और आयुष समुद्रे का दोषी करार दिया है। अदालत ने चारों आरोपियों को पांच-पांच साल की सजा सुनाते हुए छह-छह हजार का जुर्माना लगाया है। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजन प्रमोद कुमार पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि गोरखपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ असमाजिक तत्व बड़ी डकैती की फिराक में हैं। वे सुनसान जगह पर योजना बना रहे हैं। जिसके बाद पुलिस टीम ने दो मार्च 2023 की रात्रि को मौके पर दबिश दी। जहां से पुलिस ने उक्त चारों आरोपियों को मय औजार के साथ गिरफ्तार किया था।

स्कूल का ताला तोड़कर आलमारियां चुरा ले गये चोर

ओमती क्रिश्चियन हायर सेकेण्डरी स्कूल का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। ओमती थाना क्षेत्रातंर्गत स्थित क्रिश्चयन हायर सेकेण्डरी स्कूल के कमरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर चार आलमारियां चुरा ले गये। जिनमें छात्र-छात्राओं के दाखिला खारिज सहित अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। स्कूल मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि चंद्रकला स्वीट्स के समीप रहने वाली 68 वर्षीय उज्वला लारेंस क्रिश्चयन हायर सेकेण्डरी स्कूल में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। जिन्होंने बताया कि गर्मियों की छुट्टियों के बाद 16 जून 25 से आधिकारिक रूप से स्कूल खुल गया है। स्कूल में पढ़ने वाले छात्र ज्यादा संख्या में स्कूल नहीं आ रहे हैं। बीते दिवस सुबह जब वह स्कूल पहुँचा तो देखा कि स्कूल के रूम नम्बर 1, 2, 3, 4 और 6 के ताले टूटे हुए थे। रूम नम्बर 1 में रखी हुयी लोहे की अलमारियां नहीं मिली। उक्त अलमारियों में स्कूल के दाखिला खारिज एवं अन्य दस्तावेज रखे थे। कोई अज्ञात चोर 4 आलमालियां कीमत लगभग 40 हजार रूपये की चोरी कर ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

रुपयों की मांग करते हुए मारा चाकू-डंडा

विजयनगर व गोरखपुर क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। विजयनगर व गोरखपुर में शराब के लिये रुपयों की मांग करते हुए चाकू, पत्थर व डंडे से हमले किये जाने के मामले सामने आये है। तीनों ही मामलों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है।

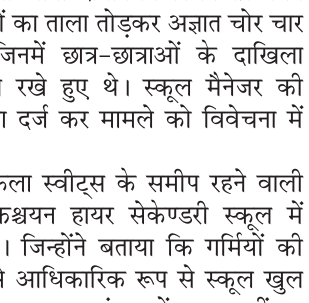

विजय नगर पुलिस ने बताया कि माढ़ोताल मदर टेरेसा नगर निवासी गुलाब शाह बीती रात दीनदयाल चौक में अरुण सोनी के अंडे के ठेले के समीप अपनी मजदुरी का पैसा लेने खड़ा था। उसी समय राकेश मरावी पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर गालीगलौज कर गुलाब से शराब पीने के लिये पांच सौ रुपये मांग ने लगा। गुनाब के रुपये देने से मना करने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर उसकी कमर में चोट पहुंचा दी। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि गुसेवर सेठी नगर में हीरालाल जयसवाल अपनी पत्नी रामवती के साथ लड़ाई-झगड़ा कर रहा था। उसी समय सत्यपाल जयसवाल वहां पहुंचा, जिसे देखकर रामवती ने पति को समझाईश देने के लिये कहा, जैसे ही सत्यपाल ने बीच बचाव किया तो आरोपी हीरालाल ने उससे शराब पीने के लिये रुपयों की मांग शुरु कर दी। सत्यपाल के विरोध करने पर आरोपी हीरालाल ने डंडे से हमला कर सत्यपाल को चोटे पहुंचा दी। उक्त तीनों मामलों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है।

कुटीर व ग्राम उद्योग में होने वाली भर्तियां याचिका के अधीन

पीएससी सहित अन्य को नोटिस जारी

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने कुटीर एवं ग्राम उद्योग विभाग में सहायक संचालक के पदों पर की जाने वाली भर्तियों को इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया है। ये भर्ती मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा की जा रही हैं। याचिका के जरिए एमपी पीएससी द्वारा जारी की गई चयन सूची को कटघरे में रखा गया है। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने मप्र लोक सेवा आयोग, कुटीर एवं ग्राम उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। जबलपुर निवासी रवि मौर्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व हितेंद्र गोल्हानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नियमानुसार बीई तथा बीटेक डिग्री वाले अभ्यर्थी उक्त पद के लिए पात्र नहीं है, इसके बावजूद भी आयोग ने उन्हें चयन सूची में शामिल किया है। उन्होंने बताया था कि आयोग ने अगस्त 2023 को विज्ञापन जारी कर मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग में सहायक संचालक के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसकी पात्रता के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला विज्ञान या वाणिज्य में स्नातक उपाधि के साथ सहकारिता से संबंधित दो वर्ष का अनुभव निर्धारित किया गया था। आयोग ने प्रतियोगी परीक्षा के बाद 4 जून 2025 को चयन सूची जारी की। इस चयन सूची में बीई तथा बीटेक डिग्रीधारियों को भी चयनित किया गया है। न्यायालय को बताया गया कि बीई तथा बीटेक डिग्री धारियों के लिए असिस्टेंट डायरेक्टर रूरल इंडस्ट्रीज (तकनीकी) पद मौजूद है जिसके लिए आयोग द्वारा पृथक से विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें केवल बीई तथा बीटेक डिग्री धारकों से ही आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, कला, विज्ञान या वाणिज्य में स्नातक उपाधि वालों को अवसर नहीं दिया गया है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त निर्देश देते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

तीन दशकों से जमे पटवारियों के कब होंगे तबादले

जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

पाटन, देशबन्धु। प्रदेश में तबादलों का दौर जारी है। वही राजधानी सहित कई जिलों में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए कई पटवारियों को इधर से उधर करने की जानकारी मिल रही है। बताया जा रहा है कि पाटन मुख्यालय में कुछ पटवारी तीन दशक से ज्यादा समय से पाटन मुख्यालय के हल्कों में जमे हुए है।

कभी कभार इनका पटवारी हल्का से स्थानांतरण तो हुआ लेकिन बाद में सैटिंग करके दोबारा उसी हल्का में आ गए। इस मामले को लेकर तहसील के किसान एवं ग्रामीण कई बार अपनी नाराजगी शासन प्रशासन के समक्ष जता चुके है कि विवादित पटवारियों का पाटन तहसील से अन्य तहसील या जिले में इनका तबादला कर दिया जाए। लेकिन राजनैतिक संरक्षण मिलने की वजह से ये पटवारी 30 वर्ष से भी अधिक समय से पाटन मुख्यालय में जमे हुए हैं।

पाटन मुख्यालय में अनिल कुमार खरे जिनका पटवारी हल्का,करारी मनकवारा है जो दिनांक 04/3/1986 से आज दिनांक तक लगभग 39 वर्ष से पाटन मुख्यालय में

अंगद के पैर की तरह जमे हैं। इसी तरह रामसेवक चड़ार पटवारी हल्का रमखिरिया दिनांक 03/02/1988 से पदस्य लगभग 37 वर्ष बीत जाने के बाद भी पाटन में जमे हैं वही भरत लाल सेन हल्का सिमरिया पोस्टिंग दिनांक 29/05/1995 लगभग 30 वर्ष,राजेंद्र लाल कोरी हल्का कूड़ा पोस्टिंग दिनांक 19/10/1995 लगभग 30 वर्ष,पटवारी दिनेश कुमार कोरी दिनांक 15/09/2000 को पाटन मुख्यालय में पदस्य हुए थे। ये भी 25 वर्ष से पाटन मुख्यालय में जमे हैं।

वर्षो से जमे इन अंगदों की वजह से तहसील का अन्नदाता एवं आम लोग अपने जरूर काम बिना पैसों के नहीं होने से बेहद परेशान है बताया जा रहा है कि जमीन के नामांतरण, बंटवारा,.फ़ौती कार्य सहित अन्य काम में खुलेआम ये अंगद रिश्वतखोरी कर रहे है।

निचले कर्मचारियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक रिश्वत का पैसा इनके द्वारा पहुंचाया जा रहा है जिसकी वजह से इन अंगदों के हौसले इस समय बुलंद हैं। और आज तक इन अंगदों पर तबादले की गाज नहीं गिरी है। जिस वजह से लोगों को अपने जरूरी कार्य करवाने के लिए इनके दफ्तरों में भटकना पड़ता है। अब देखना होगा दशकों से जमे पटवारियों पर शासन प्रशासन क्या कार्यवाही करता है।

भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत की बैठक आयोजित

पनागर, देशबन्धु। तहसील पनागर नुनिया कला ग्राम समिति में भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत की एक दिवसीय टोली बैठक रखी गई, बैठक में भारतीय किसान संघ अखिल भारतीय एग्रोएकामिनक रिसर्च सेंटर अध्यक्ष प्रमोद चौधरी जी,आखिल भारतीय उपाध्यक्ष डा,विशाल चंद्राकर जी छत्तीसगढ़, अखिल भारतीय प्रचार प्रसार प्रमुख राघवेन्द्र जी, मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी जी भोपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष ओमनारायण पचौरी जी, प्रांत अध्यक्ष गजराज सिंह रीवा, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, उपाध्यक्ष मोहन तिवारी, जी की उपस्थिति में टोली बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के अंतर्गत 24 जिला 158 तहसीलों आने वाली ग्राम समिति की वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गई। अखिल भारतीय एग्रोएकामिनक रिसर्च सेंटर अध्यक्ष प्रमोद चौधरी जी ने कहा आगामी 2027 सदस्यता समितियों का ध्यान रखते लक्ष्य निर्धारित अभी से सुनिश्चित करना चाहिए, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डा विशाल चंद्राकर जी ने कहा कि ग्राम समितियों की नियमित बैठक होंने चाहिए, अखिल प्रचार प्रसार प्रमुख राघवेन्द्र जी ने बताया कि रचनात्मक कार्य का अभियान महाकौशल प्रांत में चला सकते हैं।

मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय संगठन महेश चौधरी जी ने बताया कि टोली की बैठक में विचार कर सकती हैं निर्णय नहीं करतीं हैं रचनात्मक कार्य में ग्राम समितियों में स्वस्थ प्रशिक्षण, ग्राम समिति दर्शन, पहाड़ी गोद लेकर वृक्षारोपण, पंच परिवर्तन, आयामो के प्रशिक्षण, पूर्णकालिक कार्यकर्ता का चयन,अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की, प्रांत अध्यक्ष गजराज सिंह जी मण्डल, खण्ड, उपखंड,की रचना बनाने पर जोर दिया। प्रांत संगठन मंत्री भरत जी ने महाकौशल प्रांत जिला एवं प्रांत के कार्यकर्ताओं प्रवास की समीक्षा करना अनिवार्य बताया।

मां चमेली बाई बड़कूल के समाधि मरण में जुटा समाज

पनागर, देशबन्धु। नगर की महान विभूति 0चमेली बाई बड़कुल जिनको सभी जन मां संबोधन कहके पुकारते थे। उनका दिनांक 21 जून को आचार्य श्री समय सागर की महाराज के मंगल आशीर्वाद और प्रेरणा से जबलपुर तिलवारा स्थित प्रतिभास्थली में समता पूर्वक समाधि अंगीकार करते हुए अपनी नश्वर देह का त्याग किया। आपने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से 1985 में ही 2 प्रतिमा के वृत ले लिये थे।

1995 में 5 प्रतिमा फिर 2005 में 7 प्रतिमा और 2019 पपौरा जी में 10 प्रतिमा के उत्कृष्ट व्रतों का पालन जीवन भर किया। आपकी 8 संतानें 5 पुत्र और 3 पुत्रियों में चतुर्थ पुत्र रजनीश बड़कुल आज संघ में निर्यापक श्रमण मुनि श्री संभव सागर जी के रूप में अपना और हम सभी का कल्याण कर रहे है। आपने पनागर में सामाजिक क्षेत्र में नारी उत्थान के क्षेत्र में महान कार्य किया है।

आपकी अंतिम यात्रा का डोला नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बलिहातलब स्थित चरण छतरी समाधि स्थल पर ले जाया गया पिशनहारी की मडिया स्थित गुरुकुल से बाल ब्रह्मचारी नरेश भैया जी द्वारा अंतिम सभी क्रियाएं प्रीति एवं विधि विधान से संपन्न कराई गई जहां पूरी पनागर समाज के नर नारी बच्चों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उनके अंतिम दर्शन किए। आप नगर के बड़कुल रविकुमार,राकेश कुमार,राजेंद्र कुमार रूपेश कुमार की मां थीं। उनका जन्म 29/1/1938 को हुआऔर मरण 21/6/2025 को हुआ।

सार-समाचार

पाटन जेल में बंदियों के अधिकार पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

पाटन, देशबन्धु। शनिवार दिनांक 21/06/2025 को माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी की अध्यक्षता में सब जेल पाटन में बंदियों के अधिकार एवं प्लीबार्गेनिंग विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय जबलपुर के द्वारा उपजेल पाटन में बंदियो से मुलाकात करते हुये उनकी समस्याओं को सुना गया एवं बंदियों के अधिकार, प्लीबार्गेनिंग एवं विधिक सहायता,सलाह योजना के बारे में जानकारी दी गई। विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से बंदियों को अपराध की पुनरावृत्ति नहीं करने एवं अपने जीवन में सुधार लाकर समाज की मुख्यधारा में जुड़कर नये जीवन की शुरुआत करने की सलाह भी दी गई। शिविर में ओमप्रकाश रजक जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पाटन,शक्ति वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर,निधि जैन,विजया भारती यादव, मयूरी गुप्ता,शाम्भवी सिंह कोपरिहा,अमृता मिश्रा तिवारी एवं नारायण यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट पाटन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के द्वारा सब जेल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान हेमेन्द्र बागरी सहायक जेल अधीक्षक,सब जेल पाटन द्वारा उपस्थित न्यायाधीशगणों का आभार व्यक्त किया।

साक्षरता विकास व उन्नति की धुरी

विकास खंड साक्षरता सह समन्वयक विकास खंड पनागर

पनागर, देशबन्धु। 15 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे व्यक्ति जो शिक्षा से वंचित रह गये थे को साक्षर करने हेतु आज उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत संकुल स्तरीय नोडल अधिकारियों/शाला प्रभारियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन बिन्नी बाई जैन कन्या शाला पनागर में विकास खंड साक्षरता सह समन्वयक पनागर विनोद पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमें विकास खंड पनागर के सभी शासकीय शालाओं के प्रभारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित हुए, प्रशिक्षण में जिले की साक्षरता टीम के सदस्य दीपक पटेल जिला साक्षरता सह समन्वयक जबलपुर, श्यामराव मांडलेकर विकास खंड साक्षरता सह समन्वयक सिहोरा, हरमेश सेन बीआरसी पनागर नरेश पटेल बीएसी पनागर व सभी जन शिक्षक , संकुल सह समन्वयक साक्षरता एवं अक्षर साथी उपस्थित रहे संतोष पटेल माध्यमिक शिक्षक खेरी द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का पी पी टी द्वारा प्रदर्शन किया गया , प्रशिक्षण को सफल बनाने में प्रदीप ठाकुर व सभी बीआरसी कार्यालय के कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा,सभी प्रशिक्षक व नोडल अधिकारियों ने अपनी अपनी बसाहट के सभी असाक्षर व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें साक्षर करने हेतु अधिक से अधिक अक्षर साथी बनाने पर जोर दिया प्रत्येक बसाहट में सामाजिक चेतना केंद्र का संचालन अक्षर साथियों की मदद से किया जायेगा 7 सभी आम नागरिक जिनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक है अनुरोध है कि यदि कोई व्यक्ति असाक्षर है या साक्षर हैं पर उसके पास कोई वैध प्रमाण पत्र नहीं है या वो समझ के साथ धारा प्रवाह पढ़ नहीं पाता व तीन अंकों का सामान्य जोड़ घटाव नहीं कर पाता है वह अपनी समग्र आईडी ले कर अपनी नजदीकी शासकीय प्राथमिक शाला में जा कर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत अपना नाम दर्ज करा सकता है जिसे शासन के निर्देशानुसार साक्षर कर साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित किया जावेगा व यदि पास होता है तो प्रमाण पत्र सह अंक सूची जारी की जावेगी।

ओंकार नामदेव सरस्वती विद्या मंदिर के प्रतिभावान छात्रों-छात्राओं का सम्मान

पाटन, देशबन्धु। ग्राम सुनसर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में परमार्थ सेवा संस्थान द्वारा ओंकार नामदेव सरस्वती विद्या मंदिर पाटन के प्रतिभावान छात्रों एवं छात्राओं का सम्मान किया गया। कक्षा बारहवीं की बहिन कर्णिका चौबे,शिवी पाठक कक्षा दसवीं में आर्येंद्र गौतम,त्रिवेणी गौतम तथा विद्यालय के शिक्षक अंकित दुबे को सम्मानित किया गया।

एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य की योग क्रियाओं के साथ मनाया योग दिवस

सिहोरा, देशबन्धु। शनिवार 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय सिहोरा में संतोष बरकड़े विधायक विधानसभा सिहोरा के मुख्य आतिथ्य,श्रीमती संध्या दिलीप दुबे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिहोरा, रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री अध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा, रीता शुक्ला पार्षद वार्ड नंबर 5,श्री रूपेश सिंघाई अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहोरा,श्री अरविंद धुर्वे सहायक संचालक शिक्षा विकासखंड सिहोरा के विशिष्ट आतिथ्य में प्रात: 6 बजे से 7.45 तक आयोजित किया गया। इस वर्ष की योगा थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य है।

इस कार्यक्रम में हार्टफुल्नेस जबलपुर की टीम ने भी उपस्थित होकर सहभागिता की। इस टीम में सिस्टर रंजना मुदरे हार्टफुल्नेस ट्रेनर, मेजर जनरल ए एन मुदरे हार्टफुल्नेस ट्रेनर, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. यतीन खेर.न्यूरोसर्जन, डॉ गायत्री खेर डेंटिस् सम्मिलित थे। अनुपम सराफ जी युवा एवं प्रभावी व्यक्तित्व की पूर्ण उपस्थिति सराहनीय थी। इसके साथ साथ मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद सिहोरा ओझा जी और उनकी टीम की भी पूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम में नरेन्द्र मोदी विचार मंच महिला शाखा सिहोरा की प्रदेश महामंत्री एकता अश्विनी तिवारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक प्रकाश नायक, रामकुमार सेन, पटेल, मिश्रा आदि उपस्थित रहे। प्राचार्य अशोक उपाध्याय ने विद्यालय में योग कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का हार्दिक स्वागत वंदन अभिनंदन किया ।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम के अंतर्गत निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत राष्ट्रीय प्रसारण के माध्यम से विद्यालय के बच्चों , शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं अतिथियों ने योग की गतिविधिओ को किया। विधायक बरकड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग हमारे जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है हमें रोज योग करना चाहिए। योग से हम स्वस्थ रहते हैं, शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है।

प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि योग एक ऐसी प्राचीन विधा है जिसका उद्भव हमारे देश से ही हुआ है इसलिए आज भारत विश्व में योग गुरु के नाम से जाना जाता है। हमें वर्तमान समय के वातावरण में बढ़ते हुए तनाव, विभिन्न रोगों में नियंत्रण हेतु योग और मेडिटेशन बहुत ही आवश्यक है इसे हमें जीवन की अभिन्न कड़ी मानकर चलने की जरूरत है।

हमारे विद्यालय में योग ,ध्यान की गतिविधियां सुधा उपाध्याय जो योग की ट्रेनर है के द्वारा बच्चों को कराई जाती हैं। इस कार्य में श्री अशोक राय खेल शिक्षक का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। योगा कार्यक्रम में सन्तोष कुमार परोहा एनसीसी आफीसर और एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति विशेष प्रशंसनीय रही। रवि प्रकाश मिश्रा के प्रयास से योगा गतिविधिओ के बाद सभी बच्चों एवं उपस्थित जनों को भीगे हुए मूंग,चने, मूंगफली का रिफ्रेसमेंट दिया गया।

आज के इस कार्यक्रम की समाप्ति के अवसर पर नरेंद्र मोदी विचार मंच महिला शाखा सिहोरा के द्वारा इस मंच की प्रदेश महामंत्री एकता अश्विनी तिवारी के सौजन्य से विद्यालय में बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षक, शिक्षिकाओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही सुरक्षा कर्मियों और सफाई कर्मियों का भी मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में सविता पटेल, हरिराम राय,अशोक पटेल, प्रखर गुप्ता, निधि शुक्ला, सरस्वती सिंह राणा, धीरेन्द्र कुमार पाण्डे, रश्मि राय, अमित जैन, शर्मीला राय, अभिषेक प्यासी, रंजीत सिंह कोरी, रजनी कोरी अरविंद लोधी, अपूर्वा कूटार, प्रियंका श्रीवास, मनीषा खरे, संदीप तिवारी, परवेज खान, गौरव दाहिया, विवेक त्रिपाठी, प्रवीण पाण्डे, राजेन्द्र सिंह, प्रदीप द्विवेदी, मनीष श्रीवास की उपस्थिति सराहनीय रही।

एकीकृत शा.मा.शा.घुटना में ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

गांधीग्राम, देशबन्धु। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला, घुटना में ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शनिवार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं योग शिक्षक श राम निरंजन दुबे के कुशल मार्गदर्शन में बच्चों और शिक्षकों ने विभिन्न योगासनों और प्राणायामों का अभ्यास किया। योग सत्र के दौरान अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, नौकासन, ताड़ासन, धनुरासन, शवासन, सर्वांगासन, कटिचक्रासन आदि का अभ्यास कराया गया, जिससे उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत घुटना के सरपंच, सचिव श्री के.के. दुबे, सहायक सचिव और अन्य जन प्रतिनिधियों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए के.के. दुबे ने ग्राम वासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने और स्वस्थ जीवनशैली के लिए अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने योग के नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। योग दिवस के सफल आयोजन के बाद, सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन कराया गया। यह आयोजन योग के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक सफल कदम साबित हुआ।

योग संगम कार्यक्रम का आयोजन

पनागर, देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार शासकीय कला महाविद्यालय पनागर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-योग संगम कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन द्वारा योगासनों, प्राणायाम के महत्व को समझाते हुये योग को जीवन का अंग बनाने की सलाह दी, तत्पश्चात् क्री?ा अधिकारी श्री अवधेश दुबे एवं डॉ. गायत्री मरावी के निर्देशन में अधिकारी, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने योग अभ्यास किया तथा उससे होने वाले लाभों एवं महत्व के बारे में भी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

सांदीपनि उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय में योग सत्र का आयोजन

पाटन, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 भारत से लेकर अन्य देशों में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ मनाया गया। लोगों ने योग के जरिए न सिर्फ तन और मन को संतुलित करने का संकल्प लिया,बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का संदेश भी दिया। 11वे विश्व योग दिवस के मौके पर सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटन में विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह की अध्यक्षता,एसडीएम पाटन मानवेंद्र सिंह राजपूत विद्यालय प्राचार्य के विशिष्ट आथित् में योग शिक्षक वीरेंद्र सिंह पटवा द्वारा योग अभ्यास कराया गया जहां विभिन्न आसनों का अभ्यास छात्र-छात्राओं और अतिथियों के द्वारा किया गया जिससे अपने शरीर को निरोग रख सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान समस्त पार्षद जनप्रतिनिधियों के साथ शाला परिवार के वरिष्ठ शिक्षको की मौजूदगी रही।

विश्व योग दिवस पर छात्रों ने किया सामूहिक सूर्य नमस्कार

गांधीग्राम, देशबन्धु। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधीग्राम में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर विश्व योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम के अनुसार सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग प्रभारी श्रीमती लीला आत्मा, प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रभा बरुआ, और अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में छात्रों को अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगाभ्यास कराए गए। विशेष रूप से, छात्रों को सूर्य नमस्कार की बारह मुद्राओं का अभ्यास कराया गया, जिसमें पांच आसन दो बार दोहराए गए। सूर्य नमस्कार क मुद्राएं क्रमवार,हाथ जोड़कर सीधे खड़े होना,हस्त उत्तानासन- दोनों भुजाओं को सिर के ऊपर उठाकर पीछे ले जाना,पादहस्तासन,अश्व संचालनासन पर्वतासन,अष्टांग नमस्कार,भुजंगासन, पर्वतासन (दोबारा),अश्व संचालनासन (दोबारा), पादहस्तासन (दोबारा),हस्त उत्तानासन (दोबारा),प्रार्थना की मुद्रा में वापस आना कराई गई।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रभा बरुआ ने छात्रों को करो योग, रहो निरोग का संदेश देते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन योग करने से बीमारियां दूर रहती हैं। श्रीमती बरुआ ने जोर दिया कि यदि कोई व्यक्ति अधिक योगाभ्यास नहीं कर सकता, तो केवल सूर्य नमस्कार का अभ्यास ही पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि 12 आसनों का यह समूह बहुत महत्वपूर्ण है और जो व्यक्ति प्रतिदिन पांच बार इसकी सभी क्रियाएं करता है, वह रोगों से मुक्त रहता है। इस कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रभा बरुआ, व्याख्याता श्रीमती अंजलि खरे, मंजू साकवार, जे.के. उपाध्याय, आई.के. दहिया, मनीष दवे, एस.डी. कोरी, दामोदर अहिरवार, लीला आत्मा, ममता सिंह तिवारी, रश्मि विश्वकर्मा, ग्राम पंचायत सचिव अनिल दत्त तिवारी, अभिषेक मेहरा, अजय पाण्डेय, आशीष दहिया, सरोज सिंह, और योग प्रभारी श्रीमती लीला आत्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी परिसर में योग कार्यक्रम

पनागर, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद पनागर द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर में योग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में योग गुरु कुमारी दीक्षा शर्मा द्वारा उपस्थित नागरिकों, कर्मचारियों एवं गणमान्य अतिथियों को विभिन्न योग आसनों का अभ्यास कराया गया तथा योग के लाभों पर प्रकाश डाला गया। योग सत्र में सहभागिता करने वालों ने तन और मन को स्वस्थ रखने हेतु नियमित योग को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल (भीम भैया) की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि विमल जैन पत्रकार आनंद जैन शैलेंद्र साहू, रामनिवास गौतम, राजेश तिवारी, सुरेश पटेल, मुकेश वंशकार ओमकार दहिया की उपस्थिति विशेष रही।

इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषद से सब इंजीनियर श्रीमती नम्रता बरारे श्रीमती चंद्राबेन समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नगर पालिका परिषद, पनागर सभी नागरिकों से अनुरोध करती है कि वे योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएं।

जापान में सैकड़ों लोगों ने मनाया 11वां 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'

टोक्यो, 21 जून (आईएएनएस)। 11वें 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के मौके पर शनिवार को जापान में दो हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। टोक्यो के बौद्ध मंदिर 'त्सुकिजी होंगवानजी' में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा की पत्नी योशिको इशिबा ने किया। योग दिवस पर इस साल की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थी। जापान में भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज ने यहां मौजूद लोगों को संबोधित किया, जो बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। जापानी विदेश मंत्री इवाया ताकेशी की पत्नी सतोको इवाया इस मौके पर मौजूद रहीं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 'त्सुकिजी होंगवानजी' के रेवरेंड म्योकेन हयामा और रेवरेंड तोमोहिरो किमुरा के अलावा भारतीय राजदूत की पत्नी जोइस सिबी मौजूद रहीं। इनके अलावा वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, रेजिडेंट राजदूत और राजनयिक भी यहां मौजूद थे। इससे पहले, शुक्रवार को जापान में ओसाका एक्सपो 2025 में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। टोक्यो में स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और ओसाका प्रांत के उप-राज्यपाल शिगेकी वतनबे ने समारोह का उद्घाटन किया।

भारत-पाक युद्ध 'रोकने' के लिए मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा, क्यों छलका ट्रंप का दर्द?

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान सरकार ने 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया है। यह नामांकन हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को कम करने में उनकी कथित भूमिका के लिए किया गया है। हालांकि, ट्रंप ने इस नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिलेगा क्योंकि यह केवल लिबरल लोगों को दिया जाता है।

ट्रंप ने कहा है कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने या रूस-यूक्रेन और इजरायल-ईरान संघर्षों में उनके प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "मैं चाहे कुछ भी करूं, लेकिन मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट की शुरुआत इस बात से की कि उन्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वह विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष रोकने के वास्ते एक अद्भुत संधि करा रहे हैं। इस संघर्ष को अन्य युद्धों की तुलना में कहीं अधिक हिंसक रक्तपात और मौतों के लिए जाना जाता है और दशकों तक यह जारी रहा।

ट्रंप ने इस बात का उल्लेख किया कि रवांडा और कांगो के प्रतिनिधि इस संबंध में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए सोमवार को वाशिंगटन में होंगे। उन्होंने इसे "अफ्रीका के लिए और पूरी दुनिया के लिए एक महान दिन" बताया। ट्रंप ने हालांकि कहा कि उन्हें उनके किसी भी प्रयास के लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

ट्रंप ने कहा, "मुझे इसके लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। मुझे भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा, मुझे सर्बिया और कोसोवो के बीच युद्ध रुकवाने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।" ट्रंप अनेक बार दावा कर चुके हैं कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराई और संघर्ष रुकवाया।

हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि उन्हें "मिस्र और इथियोपिया के बीच शांति बनाए रखने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।"

भारतीय ही नहीं, इन देशों के नागरिकों को भी ईरान से निकालेगा भारत

तेहरान। ईरान और इजरायल में जारी संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया है। अब इस अभियान के तहत नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी निकाला जाएगा। यह जानकारी तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने दी है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर, ईरान में भारतीय दूतावास की निकासी प्रक्रिया में नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी शामिल किया जाएगा।

इससे पहले शनिवार को भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि अब तक 517 भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित निकाला जा चुका है। उन्होंने बताया कि तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात से एक विशेष विमान 21 जून की सुबह 3:00 बजे नई दिल्ली पहुंचा, जिसमें ईरान से निकाले गए भारतीय नागरिक सवार थे।

जायसवाल ने एक्स पर लिखा, ऑपरेशन सिंधु जारी है। अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान से एक विशेष निकासी विमान 21 जून को सुबह 03:00 बजे नई दिल्ली पहुंचा। इस उड़ान के साथ अब तक 517 भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी हो चुकी है।

नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों के लिए सहायता

भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों सहित नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी निकालने के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर और एक टेलीग्राम चैनल जारी किया है। दूतावास ने कहा कि जो भी भारतीय, नेपाली और श्रीलंकाई नागरिक ईरान से निकाले जाने की इच्छा रखते हैं, वे तत्काल दूतावास से संपर्क करें। इसके लिए निम्नलिखित आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए गए हैं- +989010144557, +989128109115, और +989128109109।

क्या है ईरान-इजरायल संघर्ष?

13 जून को इजरायल ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर एक बड़ा हवाई हमला किया, जिसे 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' कहा गया। इसके जवाब में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3' के तहत इजरायल के लड़ाकू विमानों के ईंधन उत्पादन केंद्र और ऊर्जा आपूर्ति ठिकानों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इस संघर्ष को आज (21 जून) नौवां दिन है, और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

आज का इतिहास

1862-ज्ञानेंद्र मोहन टैगोर 'लिंकन्स इन' से वकालत की डिग्री हासिल करने वाले प्रथम भारतीय बने।

1900- चीन औपचारिक रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और जापान पर युद्ध की घोषणा करता है। यह एक साम्राज्यवाद-विरोधी विद्रोह था, जो चीन में 1899 और 1901 के बीच किंग राजवंश के अंत की ओर हुआ।

1911-जहाज आरएमएस ओलंपिक ने 5 दिनों, 16 घंटे और 42 मिनट की यात्रा के बाद न्यूयॉर्क में अपनी पहली ट्रान्साटलांटिक यात्रा पूरी की।

1919-एडमिरल लुडविग वॉन रेउटर ने जहाजों को जब्त करने और मित्र देशों की शक्तियों के बीच विभाजित होने से रोकने के लिए जर्मन हाई सीस फ्लीटिन स्काप फ्लो को स्कैटल किया।

1919-विन्निपेग, मैनिटोबा, कनाडा में विन्निपेग की सामान्य हड़ताल के दौरान, रॉयल नॉर्थवेस्ट माउंटेड पुलिस के सदस्यों ने घोड़ों पर स्ट्राइकरों की भीड़ में घुसने का आरोप लगाया, उन्हें क्लबों और फायरिंगवैपों से पीटा।

1948-मैनचेस्टर स्माल-स्केल एक्सपेरिमेंटल मशीन, जो दुनिया का पहला स्टोर प्रोग्राम कंप्यूटर है, ने अपना पहला कंप्यूटर प्रोग्राम चलाया।

सुडोकू 6950

6	9		5	7		3		
	8		9					
	4	3			1			
		2	8					9
	6		1		9		4	
9					2	1		
			4			5	6	
					6		9	
		6		9	5		8	1

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

ड्राइविंग सीट पर मुनीर, सेना-सरकार का हाइब्रिड सिस्टम, पाकिस्तान में अपनी ही सरकार पर उठे सवाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सेना और सरकार के गठजोड़ पर सवाल उठने लगा है। पाकिस्तानी मीडिया में इसकी खासी आलोचना हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने इसको लेकर सवाल उठाया है। गौरतलब है कि पाकिस्तानी सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनरो के पिछले दिनों अमेरिकी प्रेसीडेंट ट्रंप के साथ लंच करने गए थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसकी तारीफ की थी। उन्होंने इसे हाइब्रिड सिस्टम बताते हुए ट्वीट भी किया था। इसको लेकर ख्वाजा आसिफ घिरते नजर आ रहे हैं। सेना और सरकार के गठजोड़ की तारीफ करने पर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को अपने ही देश में आड़े हाथों लिया जा रहा है।

मीडिया में उठा सवाल- इस बीच डॉन अखबार ने अपने संपादकीप में मंत्री के इस बयान पर सवाल उठाए हैं। अखबार ने लिखा है कि मंत्री इस मॉडल की तारीफ ऐसे कर रहे हैं मानो यह कोई सम्मान वाली बात हो। ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा था कि पाकिस्तान की बेहतर होती हालत इस्लामाबाद और रावलपिंडी के बीच बेहतर संबंधों का नतीजा है। गौरतलब है कि इस्लामाबाद पाकिस्तान की राजधानी है और रावलपिंडी सेना मुख्यालय। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने ख्वाजा आसिफ की बातों के मतलब निकालने शुरू कर दिए। कुछ लोगों तो यहां तक पूछा कि क्या यह बात उस व्यक्ति ने कही है, जिसकी पार्टी ने कुछ वक्त पहले सिविलियन सुप्रीमेसी का नारा बुलंद किया था।

90 के दशक का हवाला- पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने अरब न्यूज के साथ इंटरव्यू में भी इस हाइब्रिड सरकार की तारीफ की है। उन्होंने कहाकि भले ही यह आदर्श लोकतांत्रिक सरकार न हो, लेकिन यह चमत्कार कर रही है। आर्थिक और अन्य समस्याओं को देखते हुए उन्होंने इसे पाकिस्तान के लिए आदर्श सरकार बताया। ख्वाजा आसिफ ने यहां तक कह डाला कि अगर ऐसा मॉडल 1990 के दशक में अपनाया गया होता- जिसमें नवाज शरीफ के दो बार प्रधानमंत्री रहे, तो चीजें बहुत बेहतर होतीं। उन्होंने कहाकि सेना और राजनीतिक सरकार के बीच टकराव लोकतंत्र की प्रगति को रोकता है।

स्वार्थ सिद्ध कर रहीं पार्टियां- अब पाकिस्तान के विश्लेषक वहां के रक्षामंत्री की बातों के मायने निकाल रहे हैं। डॉक्टर रसूल बख्श रईस ने डॉन से कहाकि असल में यह देश की तीसरी हाइब्रिड सरकार है। उन्होंने कहाकि फर्क यह है कि जनरल जियाउल हक और जनरल मुशर्रफ ने प्रमुख पार्टियों का उपभोग करके राजनीतिक मोर्चे बनाए। इस बार दो प्रमुख पार्टियों ने स्वेच्छा से राजनीतिक मुखौटे का काम किया है। डॉक्टर रईस इसके पीछे की वजहें भी बताते हैं। उन्होंने कहाकि सेना का साथ देकर पीएमएल-एन और पीपीपी अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं। पहले तो वह अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों से छुटकारा चाहते हैं। साथ ही इमरान खान के रूप में एक उभरते हुए विरोधी को भी दबाने में कामयाब हो रहे हैं। उन्होंने कहाकि यह सब मिलकर इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई को उभरने नहीं देना चाहते हैं।

विश्लेषक भी हैं हैरान- पाकिस्तानी विश्लेषक भी ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की गैरमौजूदगी से हैरान हैं। डॉक्टर रसूल बख्श रईस ने कहाकि शाहबाज शरीफ की यहां न होने से तमाम चीजों से पर्दा हट गया है।

मचेगी तबाही, परमाणु ठिकाने पर हमले का क्या होगा अंजाम, ईरान-इजरायल जंग के बीच बड़ी वॉर्निंग

वॉशिंगटन। इजरायल और ईरान के बीच जंग छिड़ी हुई है। इजरायल की मंशा है कि ईरान के परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया जाए। इन सबके बीच यूएन के परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने गंभीर चेतावनी दी है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अगर बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाया गया तो मिडिल ईस्ट में परमाणु आपदा आ सकती है। राफेल ग्रॉसी ने यूएन सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में कहाकि हालांकि अभी तक रेडिएशन लीकेज का पता नहीं चला है। लेकिन बुशहर पर हमले के परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

रेडिएशन का बढ़ेगा खतरा- ग्रॉसी ने चेतावनी देते हुए कि इस क्षेत्र के देशों ने पिछले कुछ घंटों में मुझसे संपर्क किया है। उन्होंने अपनी चिंताएं जाहिर की हैं।

पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगाना ही काफी नहीं

कार्बन उत्सर्जन की हकीकत, हमारे दैनिक जीवन की भूमिका और समाधान की दिशा में एक जरूरी पड़ताल

पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ यह नारा अब हमारी सामूहिक चेतना का हिस्सा बन चुका है। पर्यावरण संरक्षण की बात होते ही सबसे पहले पौधरोपण का विचार आता है, लेकिन क्या वास्तव में पेड़ लगाना ही हमारे कार्बन उत्सर्जन की भरपाई के लिए पर्याप्त उपाय है? हालिया शोध और वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है।

औसतन, एक व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 4.7 टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जित करता है। वहीं, एक परिपक्व पेड़ साल भर में केवल 20 किलोग्राम CO_2 ही अवशोषित कर पाता है। इस आधार पर एक व्यक्ति को अपने वार्षिक उत्सर्जन की भरपाई के लिए 235 पेड़ लगाने होंगे।

यह गणना तब की है जब सभी पेड़ जीवित रहें, जबकि वास्तविकता यह है कि लगाए गए पौधों में से केवल 20 प्रतिशत ही दीर्घकाल तक टिक पाते हैं। इसका अर्थ है कि प्रभावी भरपाई के लिए एक व्यक्ति को हर साल लगभग 1,175 पेड़ लगाने होंगे।

यदि इस आंकड़े को वैश्विक आबादी, जो वर्तमान में लगभग 8.3 अरब है, से गुणा किया जाए, तो यह संख्या 9.7 ट्रिलियन पेड़ों तक पहुँचती है। यह वही पेड़ हैं जो हर वर्ष लगाए जाने चाहिए। केवल मानवजाति के वार्षिक उत्सर्जन को संतुलित करने के लिए। तुलना करें तो आज पृथ्वी पर कुल पेड़ों की संख्या ही लगभग तीन ट्रिलियन है। यानी, हर वर्ष पृथ्वी पर मौजूदा पेड़ों की संख्या से तीन गुना अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता होगी जो कि व्यावहारिक रूप से असंभव है।

समस्या केवल गणना की नहीं है, बल्कि हमारी दैनिक जीवनशैली में छिपे उन दर्जनों व्यवहारों की है जो कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। खाना पकाने के लिए एलपीजी और बिजली का उपयोग, निजी वाहन चलाना, एयर कंडीशनर और वॉशिंग मशीन जैसे ऊर्जाखपत वाले उपकरणों का प्रयोग, बार-बार नए कपड़े, जूते, मोबाइल और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद, प्लास्टिक और थर्मोकोल जैसी सामग्रियों का इस्तेमाल, हवाई यात्राएं, ऑनलाइन डिलीवरी, यहां तक कि भोजन की बर्बादी, ये सभी कार्य हमारे कार्बन फुटप्रिंट को चुपचाप बढ़ा रहे हैं।

सौभाग्य से, इन आदतों में परिवर्तन संभव है। हम चाहें तो कम कार्बन जीवनशैली अपना सकते हैं। पैदल चलना, साइकिल और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, ऊर्जा दक्ष उपकरणों को अपनाना, बिना ज़रूरत बिजली बंद करना, स्थानीय और मौसमी भोजन को प्राथमिकता देना, पुनः उपयोग योग्य चीज़ें अपनाना, ज़रूरत से अधिक उपभोग से बचना, पुराने सामानों का पुनर्चक्रण करना और भोजन की बर्बादी को रोकना जैसे कदम बहुत प्रभावी हो सकते हैं। साथ ही, छतों, बालकनियों, और मोहल्लों में हरियाली को बढ़ावा देना भी कारगर है।

विज्ञान और पर्यावरण नीति से जुड़े विशेषज्ञ मानते हैं कि पोधरोपण आवश्यक अवश्य है, पर अकेले यह समाधान नहीं है। यदि हम जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम नहीं करेंगे, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर नहीं बढ़ेंगे और अपने जीवन के ढांचे को अधिक टिकाऊ नहीं बनाएंगे तो लाखों पेड़ भी हमें बचा नहीं पाएंगे। मौजूदा वनों का संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा उतनी ही आवश्यक है जितना नए पौधे लगाना।

अब वक्त आ गया है कि पौधरोपण को केवल एक प्रतीकात्मक या मौसमी कार्यक्रम मानने के बजाय, उसे व्यापक पर्यावरणीय सोच और जीवनशैली बदलाव की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। जब सोच बदलेगी, तभी धरती बचेगी। और अगर हम आज से अपनी आदतें नहीं बदलते, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और संतुलित भविष्य केवल एक सपना बनकर रह जाएगा।

पीयूष गुप्ता
सचिव, अनुभूति फाउंडेशन

वर्ग पहेली 6950

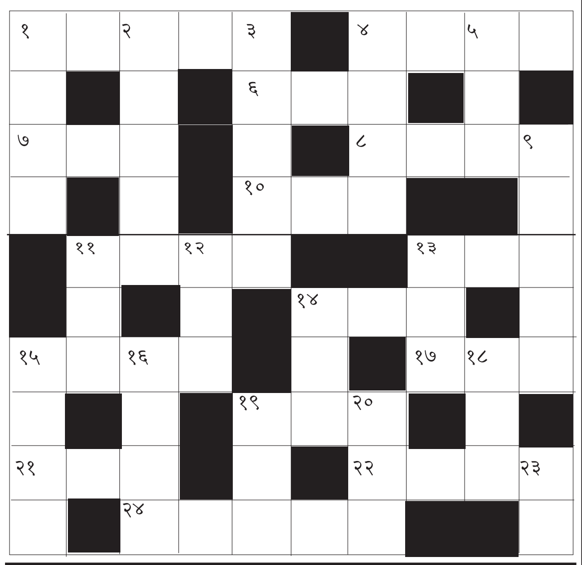

बायें से दायें:-

१.सुध-बुध खोया हुआ जिसके होश हवास ठिकाने में न हो (उर्दू)
४. आह्लादकारक, आनंद कारक, पारस्परिक सद्भाव
६. सीमा, प्रतिष्ठा
७. उत्तराधिकारी (उर्दू)
८. परिमाण, माप तौल(उर्दू)
१०. बिजली, गाज
११. आवश्यक
१३. हारा हुआ, जिस पर किसी ने विजय पा ली हो (उर्दू)
१४. गड़बड़, गोलमाल
१५. सज्जन, भलामानुस
१७. काल, अवसर
१९. यतीम
२१. एकतरह की चपाती जिसे तेल आदि में तलकर या आग में भूनकर खाया जाता है
२२. कन्नी काटना
२४. ख्यातिप्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. शक्तिशाली
२. सहयात्री
३. बुद्धिमान
४. गाज, बिजली
५. मध्य भारत की एक नदी
९. चांदी का बना हुआ
११. निर्धन, कंगाल
१२. जंगल, वन
१३. चमकना, व्यक्त होना, प्रणय क्रीड़ा, आनंद
१४. कम होना, वृतांत, वाकिया
१५. भर पाने या चुकता हो जाने का भाव
१६. कस कर बांधना,
१८. शराब
१९. ज्यादा, बहुत
२०. अत्यधिक श्रम से शरीर शिथिल होना
२३. स्त्री, महिला

वर्ग पहेली-6949

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

यात्रा

सीआरपीएफ सुरक्षित अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक

शांतिपूर्ण यात्रा से कश्मीर के चरमराते पर्यटन क्षेत्र में आएगी नई जान

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए कश्मीर में तैयारियां जोरों पर हैं, ऐसे में सीआरपीएफ ने घाटी में अपनी तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है, खास तौर पर श्रीनगर और गंदरबल जिलों पर ध्यान केंद्रित किया है। क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बल की लगातार कोशिशों की सराहना की गई है, खास तौर पर संवेदनशील समय के दौरान।

पंथा चौक और बालटाल में यात्री भवनों को सुरक्षा के लिए कई परतों में रखा गया है, जहां सीआरपीएफ के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात हैं, निगरानी, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र का प्रबंधन कर रहे हैं। तीर्थयात्रा के महत्व और यात्रियों (तीर्थयात्रियों) की सुरक्षा सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को देखते हुए इस साल तैनाती बढ़ा दी गई है।

नाम न बताने की शर्त पर सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल की यात्रा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने

की कुंजी है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं कि हर तीर्थयात्री सुरक्षित महसूस करे। हमारे जवान राजमार्गों से लेकर बेस कैंपों तक सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ खुफिया ग्रिड को मजबूत करने और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। नियमित माक ड्रिल, क्षेत्र वर्चस्व अभ्यास और आधुनिक निगरानी प्रणाली की स्थापना पहले से ही चल रही है। पिछले कुछ वर्षों में, सीआरपीएफ कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ बनकर उभरी है, जो विभिन्न चुनौतियों से निपट रही है। पिछली यात्राओं के दौरान इसकी उपस्थिति ने अप्रिय घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इस साल, बल अपनी सतर्कता को और बढ़ा रहा है।

अधिकारी का कहना था कि सीआरपीएफ केवल जमीन पर तैनात बल नहीं है, यह आम लोगों और तीर्थयात्रियों दोनों के लिए एक आश्वासन है। वे कहते थे कि हम समझते हैं कि यह तीर्थयात्रा कितनी महत्वपूर्ण है, न केवल धार्मिक सद्भाव के लिए बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए भी, खासकर पहलगाम हमले के कारण पर्यटकों की संख्या में आई गिरावट के बाद। अमरनाथ यात्रा, जिसमें पूरे भारत से लाखों श्रद्धालु आते हैं, में इस साल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, बशर्ते सुरक्षा व्यवस्था संभावित तीर्थयात्रियों में विश्वास पैदा करती रहे।

खेल जगत

भारत की युवा ब्रिगेड ने पहले दिन इंग्लैंड को किया निराश: साउथी

लीड्स। इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी सलाहकार टिम साउथी ने कहा कि टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला कप्तान बेन स्टोक्स ने परिस्थितियों को देख कर लिया था मगर भारत की युवा ब्रिगेड ने अपने प्रतिभाशाली प्रदर्शन से उनके गेंदबाजों को अब तक निराश किया है। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में साउथी ने शुक्रवार को कहा कि इंग्लैंड को उम्मीद थी कि खेल के पहले सत्र में पिच गेंदबाजों को मदद करेगी और शुरुआती विकेट निकाल कर मेहमान टीम पर दवाब बनाया जा सकता है मगर यशस्वी जायसवाल के साहस और कप्तान शुभमन गिल के संयम ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। गौरतलब है कि हेडिंग्ले की सूखी पिच पर भारत ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन तीन विकेट खोकर 359 रन बनाये थे जिसमें यशस्वी जायसवाल (101) और शुभमन गिल (127 नाबाद) के शानदार शतक शामिल है।

टीम इंडिया ने पहली पारी में बनाए 471 रन

शुभमन गिल ने बनाए सर्वश्रेष्ठ 147, ऋषभ पंत ने भी ठोका शतक

लीड्स, 21 जून (एजेंसियां)। ओपनर यशस्वी जायसवाल (101) और कप्तान शुभमन गिल (147) के शतकों के बाद विकेटकीपर ऋषभ पंत (134) ने भी शतक ठोका जिसकी बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी पहली पारी में 471 रन बनाए। भारत ने लंच तक सात विकेट खोकर 454 रन बनाये थे लेकिन लंच के बाद 17 रन जोड़कर उसके शेष तीन विकेट निकल गए। पहला सत्र कह सकते हैं कि इंग्लैंड के नाम रहा क्योंकि उन्होंने चार विकेट निकाले। हालांकि तीन शतकों की बदौलत भारत 450 रन से अधिक का स्कोर पार कर चुका है।भारत ने अपने कल के स्कोर में 112 रन जोड़े और सात विकेट गंवाए। दूसरे दिन का खेल जब शुरू हुआ तो यही लगा कि भारत आराम से 500 के आंकड़े को पार करेगा। गिल और पंत की जोड़ी मिलकर भारत को 430 के स्कोर तक ले भी गई लेकिन अचानक भारतीय पारी लड़खड़ा गई और मात्र 41 रनों के भीतर भारत ने सात विकेट गंवा दिए। पहले सत्र में गिल, पंत, नायर और शार्दुल का विकेट गंवाने के बाद भारत दूसरे सत्र में पांच ओवर भी नहीं खेल पाया। हालांकि इंग्लैंड की वापसी में योगदान ओवरकास्ट परिस्थितियां का भी रहा। भारत ने सुबह तीन विकेट पर 359 रन से आगे खेलना शुरू किया । गिल ने 127 और पंत ने 65 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों भारत के स्कोर को 400 के पार ले गए। गिल टीम के 430 के स्कोर पर स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर आउट हुए। गिल ने 227 गेंदों का सामना किया और अपनी बेहतरीन पारी में 19 चौके और एक छक्का लगाया। करुण नायर चार गेंदों में खाता खोले बिना बेन स्टोक्स की गेंद पर आउट हो गए। पंत ने बशीर की गेंद पर एक हाथ से छक्का मारकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने फिर कलाबाजी लगाते हुए शतक का जश्न मनाया। पंत को जोश टंग ने पगबाधा किया। पंत ने कोई शॉट ऑफर नहीं किया और आउट हो गए।

लालचंद ने जायसवाल और गिल की जमकर तारीफ की

मुंबई। इंग्लैंड दौरे पर पहले दिन टीम इंडिया ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अनुभवी कोच लालचंद राजपूत बेहद खुश हैं। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की जमकर तारीफ की है। लालचंद राजपूत ने भारत के पहले दिन के खेल की तारीफ करते हुए आईएएनएस से कहा कि मैं बहुत खुश हूं। टॉस हारने के बावजूद नए खिलाड़ियों के साथ जिस तरह से हमने पहले दिन का समापन किया, वह बहुत ही बढ़िया था। यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा कि केएल राहुल दुर्भाग्यवश 42 पर आउट हो गए, लेकिन उन्होंने अच्छा किया। ओपनिंग साझेदारी बेहद अहम होती है। किसी भी टीम को जब ओपनिंग साझेदारी अच्छी मिलती है, तो बड़ा स्कोर होता है। दोनों ओपनर ने अच्छी शुरुआत दी और बाद में गिल और पंत के बीच साझेदारी हुई।

पंत शतकों की हैट्रिक लगाने वाले विशिष्ट क्लब में हुए शामिल

लीड्स। ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में धमाकेदार शतक जड़कर एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशिया के बाहर एक ही टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने का यह चौथा मौका है। पंत ने शोएब बशीर की गेंद पर एक हाथ से छक्का लगाकर अपने ट्रेडमार्क अंदाज में नाबाद शतक बनाया, इससे पहले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक जड़े थे। तीनों के शतकों ने विदेश में भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए एक दुर्लभ और विशिष्ट उपलब्धि दर्ज की। एशिया के बाहर एक ही टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने का यह चौथा मौका है। इससे पहले 1986 में सुनील गावस्कर, श्रीकांत और मोहिंदर अमरनाथ ने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। 2002 में राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा किया था और 2006 में वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और मोहम्मद कैफ ने ग्रॉस आइलेट में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि दोहराई थी।

शतक के साथ दौरे की शुरुआत करना यादगार क्षण: जायसवाल

लीड्स। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट शतक को भारतीय क्रिकेट में एक नए युग का हिस्सा बताया और हेडिंग्ले में यादगार प्रदर्शन के लिए गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम के माहौल, नेतृत्व और तैयारी को श्रेय दिया।हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड में पदार्पण शतक लगाने वाले जायसवाल ने कहा कि इस तरह से दौरे की शुरुआत करना एक विशेष क्षण था। उन्होने कप्तान शुभमन गिल के साथ सौहार्द की प्रशंसा की, जिन्होंने भी शतक बनाया। दिन के खेल की समाप्ति पर जायसवाल ने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने, कड़ी मेहनत करने और देश के लिए प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। टीम का माहौल शानदार रहा है। हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आज़ादी दी गई है और इससे वाकई मदद मिली है। अपनी तैयारी के बारे में जायसवाल ने बताया कि गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में बेंगलुरु में इंडिया ए के लिए खेलना बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा कि हमारे पास कुछ गहन सत्र और बहुत सारी तकनीकी चर्चायें थीं। गौतम सर बहुत सहायक थे। मुझे कड़ी मेहनत करने में मज़ा आया और इससे मुझे यहाँ आने का आत्मविश्वास मिला।

महिला हॉकी प्रो लीग : बेल्जियम से हारा भारत

■ बेल्जियम के सभी पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से हुए

एंटवर्प, 21 जून (एजेंसियां)। भारत की महिला हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (महिला) में बेल्जियम से 1-5 से हार गई। बेल्जियम के लिए 17 पेनल्टी कॉर्नर वाले रोमांचक मुकाबले में दीपिका (6%) ने भारत को बढ़त दिलाई, इससे पहले हेलेन ब्रासेर (37%, 55%), लूसी ब्रेने (41%), एम्ब्रे बॉलेनघिएन (54%) और चार्लोट एंगलबर्ट (58%) ने गोल करके मेजबान टीम की जीत पक्की कर दी। खास तौर पर बेल्जियम के सभी पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से हुए। भारत की शुरुआत खराब रही, क्योंकि बेल्जियम ने पहले मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। शुरुआती डर टल गया, और सविता ने जल्द ही स्कोरबोर्ड को अछूता रखने के लिए एक तेज बचाव किया। भारत के हाफ में एक अनफोर्स्ड एरर ने बेल्जियम को फिर से कब्जा दे दिया, लेकिन वैष्णवी ने एक महत्वपूर्ण इंटरसेप्शन के साथ दरवाजा बंद कर दिया। भारत ने दबाव की लहरों को झेलते हुए धैर्यपूर्वक ब्रेक पर अपने मौके का इंतजार किया। जब मौका आया, तो उन्होंने इसका फायदा उठाया। उनके पहले सर्कल में प्रवेश के परिणामस्वरूप एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, और दीपिका के शॉट ने बेल्जियम के डिफेंडर से डिफ्लेक्शन लिया और फिर नेट में जाकर भारत को आगे कर दिया। जैसे-जैसे दूसरा क्वार्टर आगे बढ़ा, भारत ने बेल्जियम के दबाव के बावजूद मिडफील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया और जगह बनाई। हालांकि, बेल्जियम ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारत ने चुनौती का सामना किया। नवनीत के एक कुशल रन ने सलीमा टेटे को दाएं फ्लैंक पर सेट किया, जिससे लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। रिबाउंड पर, नवनीत ने सर्कल के अंदर एक जोरदार शॉट लगाया, लेकिन गोलकीपर एलेना सोटगियू ने अच्छा बचाव किया। हाफ-टाइम से कुछ मिनट पहले, लिसा मूर्स ने सर्कल के अंदर से एक शक्तिशाली स्ट्राइक के साथ स्कोर को बराबर करने की धमकी दी, लेकिन भारत की गोलकीपर बिचू देवी ने इसे रोक दिया। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में भारत के चार के मुकाबले 10 सर्कल एंट्री करके डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। हेलेन ब्रासेर द्वारा बेल्जियम को बराबरी दिलाने से पहले पांच पेनल्टी कॉर्नर लिए गए। दो और पेनल्टी कॉर्नर आए, और सविता द्वारा कई बेहतरीन बचाव के बावजूद, लूसी ब्रेने ने एक और सेट-पीस के दौरान करीब से गोल करके बेल्जियम को 2-1 की बढ़त दिला दी। भारत ने अंतिम क्वार्टर में ओपनिंग की तलाश में फ्लैंक्स के माध्यम से वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम तीसरे में बेल्जियम की रक्षा काफी हद तक परेशान नहीं हुई।

श्रीलंका, बांग्लादेश ने मैथ्यूज के अंतिम टेस्ट मैच में ड्रॉ खेला

गाले, 21 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच गाले में 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का पहला टेस्ट तनावपूर्ण ड्रा में समाप्त हुआ, जिसमें श्रीलंका ने अंतिम सत्र में 32 ओवर बल्लेबाजी की और मैच 72/4 पर समाप्त हुआ। हालांकि परिणाम कागज पर सीधा लग सकता है, लेकिन यह घटनापूर्ण नहीं था, क्योंकि बांग्लादेश ने गेंद के साथ कड़ी मेहनत की, और श्रीलंका ने समय रहते तूफान का सामना किया। 37 ओवरों में 296 रनों के सैद्धांतिक लक्ष्य का पीछा करते हुए, श्रीलंका ने कभी भी गंभीरता से रन बनाने की कोशिश नहीं की, लेकिन उनकी सुरक्षा का रास्ता भी आसान नहीं था। उन्होंने अंतिम सत्र में चार विकेट गंवाए, जिसमें तैजुल इस्लाम और नईम हसन ने तेजी से मुड़ने वाली सतह का कुशलतापूर्वक फायदा उठाया। तैजुल बांग्लादेश के बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 23 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांडीमल के विकेट शामिल थे। हालांकि, मैच बांग्लादेश के लिए एक 'क्या होता अगर' की आशंका छोड़ गया। लंच के बाद बारिश के कारण ढाई घंटे की देरी के बाद, मेहमान टीम ने तुरंत पारी घोषित करने के बजाय बल्लेबाजी फिर से शुरू की। उनका स्पष्ट उद्देश्य कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को मैच का दूसरा शतक पूरा करने देना था - यह उपलब्धि उन्होंने मैच के फिर से शुरू होने के 50 गेंदों में हासिल की।

सार संक्षेप

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए सैम कोंस्टास तैयार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास बैगी ग्रीन में वापस आ गए हैं - इस बार अधिक परिपक्वता, अधिक आत्म-जागरूकता और शायद थोड़ी कम हिम्मत के साथ, जो छह महीने पहले भारत के खिलाफ उनके आकर्षक पदार्पण की विशेषता थी। महज 19 साल की उम्र में कोंस्टास की क्रिकेट यात्रा पहले ही उन्हें बॉक्सिंग डे टेस्ट की कड़ी मेहनत से लेकर शांत कैरेबियाई हवा तक ले जा चुकी है, जहां वे बुधवार से ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। कोंस्टास ने ब्रिजटाउन में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो यह एक सपना सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि 19 साल की उम्र में अपने देश के लिए खेलना, दुनिया भर की यात्रा करना, विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करना और साथ ही सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना... मैं भाग्यशाली हूं कि मैं जहां हूं, वहीं हूं।

बुब्लिक ने सिनर को हराकर हाले ओपन में किया उलटफेर

बर्लिन। कजाकिस्तान के टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक ने हाले ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को हराकर टूर्नामेंट अगले दौर में जगह बना ली है। गत चैंपियन सिनर गुरुवार को कजाकिस्तान के बुब्लिक से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। अगस्त 2023 के बाद रैंकिंग के हिसाब से सिनर की यह बहुत बड़ी हार है। अगस्त 2024 के बाद से यह पहली बार है जब सिनर दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी से हारे हैं। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ को भी ग्रास-कोर्ट सीजन के अपने पहले मैच में आश्चर्यजनक हार का सामना करना पड़ा, बर्लिन ओपन में उन्हें चीन की वांग जिन्यू से 6-3, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी वांग ने रोलांड गैरोस में जीत के 12 दिन बाद गॉफ को हराकर उनके सात मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने सात विकेट से जीत दर्ज की

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) में टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसिस की मेहनत पर पानी फेरते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने सात विकेट से जीत दर्ज की। एमएलसी 2025 के 10वें मैच में हार के साथ सुपर किंग्स को सीजन का पहला झटका लगा है। टीम ने इससे पहले सभी तीन मैच अपने नाम किए थे। टेक्सास सुपर किंग्स भी चार में से तीन मुकाबले जीतकर दूसरे पायदान पर है, जबकि लगातार चौथी जीत के साथ यूनिकॉर्न्स ने पहले स्थान पर कब्जा जमा रखा है। डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सुपर किंग्स ने 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 198 रन बनाए।

वियतनाम में अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय महिलाओं ने ट्रॉफी जीती

वुंग ताऊ (वियतनाम), 21 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला अंडर-23 पहलवानों ने वर्तमान में वुंग ताऊ (वियतनाम) में चल रही अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया, उन्होंने कुल 10 पदक जीते। कौशल और दृढ़ संकल्प के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने सभी 10 भार वर्गों में पदक हासिल करते हुए चैंपियन ट्रॉफी जीती - चार स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य। 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत, 55 किग्रा वर्ग में रीना, 68 किग्रा में सृष्टि और 76 किग्रा भार वर्ग में प्रिया ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते। नेहा शर्मा ने 57 किग्रा में रजत पदक, प्रगति ने 62 किग्रा में रजत पदक, शिक्षा ने 65 किग्रा में रजत पदक, तन्वी ने 59 किग्रा में रजत पदक और ज्योति बेरवाल ने 72 किग्रा में रजत पदक जीता। हिनाबेन खलीफा ने 53 किग्रा में कांस्य पदक जीता। ग्रीको-रोमन कुश्ती में सुमित ने 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

अमनदीप द्राल ने चेक लेडीज में कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ राउंड खेला

मैं ग्रीन को लेकर बहुत उलझन में थी। लेकिन इस हफ्ते में आते ही मैंने अपने पटिंग पर बहुत ध्यान दिया :अमनदीप द्राल

बेरौन (चेक गणराज्य), 21 जून (एजेंसियां)। अमनदीप द्राल, जो 2022 में अपने घरेलू इवेंट में अपना पहला लेडीज यूरोपियन लीग (एलईटी) खिताब जीतने के करीब पहुंच गई थीं, ने शानदार 8-अंडर 64 का स्कोर बनाया और टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन के पहले राउंड के बाद बढ़त हासिल कर ली। एक बोगी के मुकाबले नौ बर्डी के साथ, अमनदीप ने लेडीज यूरोपियन टूर पर अपना सर्वश्रेष्ठ राउंड खेला। सीजन के अपने दूसरे एलईटी इवेंट में खेल रही और रॉयल बेरौन गोल्फ क्लब में कम स्कोरिंग की स्क्रिप्ट पढ़ रही अमनदीप ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। खास तौर पर पिछले हफ्ते (बेल्जियम में कट मिस करने के बाद) लाइन रीडिंग ने निश्चित रूप से अंतर पैदा किया। मैंने पिछले हफ्ते बॉल को अच्छी तरह मारा, लेकिन मैं लाइन को बिल्कुल नहीं पढ़ पाई। मैं ग्रीन को लेकर बहुत उलझन में थी। लेकिन इस हफ्ते में आते ही मैंने अपने पटिंग पर बहुत ध्यान दिया। मैंने अपने स्ट्रोक और अपनी लाइन पर ध्यान केंद्रित किया अन्य भारतीयों की बात करें ।

क्लब विश्व कप: बायर्न ने नॉकआउट में प्रवेश किया

मियामी, 21 जून (एजेंसियां)। बायर्न म्यूनिख ने शुक्रवार को बोका जूनियर्स पर 2-1 की शानदार जीत के साथ क्लब विश्व कप में अपने यूरोपीय गौरव को फिर से जगाया, एक तनावपूर्ण और कड़े संघर्ष के बाद अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की। बोका समर्थकों से भरी एक उत्साही भीड़ के सामने - जिन्होंने हार्ड रॉक स्टेडियम को एक मिनी 'बॉम्बोनेरा' में बदल दिया - अर्जेंटीना की टीम ने जी-जान से लड़ाई लड़ी। लेकिन खेल के अंत में बायर्न का दृढ़ संकल्प प्रबल हुआ। हैरी केन ने पहले हाफ की शुरुआत में जर्मन चैंपियन के लिए गोल किया, लेकिन बोका ने मिगुएल मेरेंटिएल के माध्यम से वापसी की। खेल अधर में लटकने के साथ, माइकल ओलिस ने देर से विजयी गोल करके बायर्न को छह अंकों के साथ ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंचा।

सबालेंका को हरा कर वोंद्रोसोवा बर्लिन ओपन के फाइनल में

बर्लिन, 21 जून (एजेंसियां)। छठी वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रौसोवा ने शनिवार को बर्लिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की एरिना सबालेंका को 6-2,6-4 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। स्टेफी ग्राफ स्टेडियम में वोंद्रौसोवा ने शुरु से आक्रामक रवैया अख्तियार किया और पहलला सेट आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में 27 वर्षीय सबालेंका ने वापसी का प्रयास किया मगर वोंद्रौसोवा के आगे उनकी नहीं चली और उन्होने आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले सबालेंका ने शुक्रवार को एलेना रयबाकिना को 7-6, 3-6, 7-6 से हराया था। वोंद्रौसोवा ने अब तक दो एकल खिताब अपने नाम किये जीते हैं, जिसमें 2023 विंबलडन चैंपियनशिप भी शामिल है। वह विंबलडन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। वह 2019 फ्रेंच ओपन में उपविजेता भी रही और 2020 टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता है।

कभी 'बिस्किट के पैकेट' के लिए खेला करते थे जावेद, आज रग्बी प्रीमियर लीग में हैं 'नंबर-1' भारतीय

चार मुकाबलों में 20 प्वाइंट्स के साथ जावेद प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर हैं

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। रग्बी प्रीमियर लीग-2025 (आरपीएल) के एक हफ्ते में 'हैदराबाद हीरोज' अपने सभी चार मैच जीत चुकी है। टीम 15 प्वाइंट्स के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। 'हैदराबाद हीरोज' की सफलता का श्रेय काफी हद तक जावेद हुसैन को जाता है, जिनका सफर असाधारण रहा है। चार मुकाबलों में 20 प्वाइंट्स के साथ जावेद प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर हैं। वह इस सीजन लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले भारतीय हैं।

नई दिल्ली के वसंत कुंज में रहने वाले जावेद एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। झुग्गी में पले-बढ़े जावेद के घर के पीछे एक जंगल था, जहां उन्हें मजबूरन शौच के लिए जाना पड़ता था, क्योकि उनके घर शौचालय नहीं था। धीरे-धीरे एक एनजीओ (अर्थ फाउंडेशन) आया, जिसने जंगल को साफ करते हुए यहां एक मैदान बनाया। 'दिल्ली हरिकेंस रग्बी क्लब' के कोच एनजीओ के सहयोग से यहां आए और बच्चों को ट्रेनिंग देनी शुरू की। जावेद वहां अपने दोस्तों को खेलते हुए देखा करते थे, लेकिन यह खेल उनकी समझ में नहीं आ रहा था। इसके साथ ही वह खुद से बड़े बच्चों से डरते थे। एक दिन कोच ने जावेद को देखा और कहा कि वह ट्रेनिंग के बाद उन्हें 'टाइगर' बिस्किट का पैकेट देंगे। ...फिर क्या था, 'बिस्किट' के लालच में जावेद ने रग्बी खेलना शुरू कर दिया। शुरुआत में जब जावेद खेलते थे, तो परिवार के पास ज्यादा पैसे नहीं होते। इसके बावजूद उनके पिता ने बेटे के लिए हर संभव कोशिश की।

अपनी साधारण शुरुआत के बावजूद, जावेद ने यह स्पष्ट किया कि वह पैसे या प्रसिद्धि के लिए नहीं, बल्कि अनुभव और प्रदर्शन के लिए आरपीएल' खेल रहे हैं। जावेद बताते हैं कि जब वह लीग में शामिल हुए, तो पैसे या किसी और चीज की परवाह नहीं थी। वह सिर्फ उन लोगों के साथ खेलना चाहते थे, जिन्हें टीवी पर देखते थे। वह उनसे सीखना चाहते थे। 'हैदराबाद हीरोज' कैंप में जावेद विश्व स्तरीय खिलाड़ियों से घिरे हुए हैं।

SENSEX BSE 82408.17 ▲ 1046.30 NSE 25112.40 ▲ 319.15 MCX Gold 99096 ▼ 13 silver 106275 ▲ 51

देशबन्धु

अर्थ जगत

डॉलर में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली। ब्याज दरों में बढ़ोतरी से नुकसान और बढ़ जाता है. जैसे-जैसे ग्लोबल ऋणदाता अमेरिकी घाटे के फंडिंग के लिए उच्च रिटर्न की मांग करने लगते हैं, वैसे-वैसे सभी के लिए उधार लेने की लागत बढ़ती जा रही है. राजकोषीय संकट और भी गहराता जा रहा है. वहीं दूसरी ओर अगर निवेशकों का सरकार की फाइनेंशियल मैनेजमेंट क्षमता पर भरोसा खत्म हो जाता है तो ब्याज दरों में तेज उछाल या डॉलर में गिरावट आ सकती है. इससे ग्लोबल स्तर पर नुकसान हो सकता है।

तेल की कीमतों में तीन साल की सबसे बड़ी छलांग

भारत समेत दुनिया के लिए 5 बड़े खतरे!

__नई दिल्ली।__ ईरान और इज़राइल के बीच जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को झकझोर कर रख दिया है। बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में एक ही दिन में बीते तीन वर्षों की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई। दोनों देशों के बीच मिसाइल हमले तेज हो गए हैं और हालात जल्द शांत होने की उम्मीद नहीं दिख रही।

तेल की कीमतों में उछाल ने भारत समेत कई तेल आयातक देशों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। इस संघर्ष का वैश्विक आपूर्ति पर क्या असर पड़ा है और भारत किस तरह प्रभावित हो सकता है- **5 प्रमुख बिंदुओं में-**

1. तेल आपूर्ति पर खतरा मंडराया- अगर ईरान पर इजराइल और अमेरिका का दबाव बढ़ता है तो वह तेल की आपूर्ति रोक सकता है। खाड़ी क्षेत्र के अन्य उत्पादक देशों की तेल साइट्स भी ईरानी मिसाइलों की रेंज में हैं। इससे सप्लाई ठप हो सकती है और कीमतों में अप्रत्याशित तेजी आ सकती है, जिसका असर भारत पर भी होगा।

2. ईरान से शिपमेंट में गिरावट- ईरान वैश्विक क्रूड ऑयल आपूर्ति में लगभग 2 प्रतिशत का योगदान देता है। खरग द्वीप के ज़रिए ईरान का 90 प्रतिशत तेल निर्यात होता है लेकिन हालिया सैटेलाइट इमेज से शिपमेंट में गिरावट सामने आई है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य- जहां से 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आता-जाता है- अभी चालू है लेकिन खतरा मंडरा रहा है।

3.सऊदी अरब बन सकता है विकल्प- तेल संकट की स्थिति में दुनिया की उम्मीदें सऊदी अरब और यूएई पर टिकी होंगी। दोनों मिलकर 30-40 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन कर सकते हैं। सऊदी अरब पहले ही 12.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है और इसके पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है।

4. भारत को झेलना पड़ सकता है बड़ा झटका- भारत अपनी तेल जरूरतों का 85-88 प्रतिशत आयात करता है, मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, रूस और यूएई से। यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है तो न केवल आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा और महंगाई में भी इजाफा हो सकता है। आईसीआरए के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत में प्रति बैरल .10 की वृद्धि से भारत का आयात बिल 13-14 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इससे निजी निवेश और आर्थिक स्थिरता पर भी असर पड़ सकता है।

5. होर्मुज पर खतरा, सप्लाई चेन पर असर- अगर हालात युद्ध में बदलते हैं तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जो दुनिया की एक-तिहाई तेल और 20 प्रतिशत नेचुरल गैस का रूट है। इससे कच्चे तेल की कीमत में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। भारत के कुल तेल आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत इसी रास्ते से आता है।

एयर इंडिया हादसे के बाद यात्रियों में डर, धड़ाधड़ टिकटें हो रही कैंसिल, किराए में भी भारी गिरावट

__नई दिल्ली।__ एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के भयावह हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही यह उड़ान टेक-ऑफ के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 274 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे का असर सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि एयरलाइन की कारोबारी स्थिति पर भी साफ दिखने लगा है। घटना के बाद यात्रियों के मन में डर बैठ गया है और इसका नतीजा यह हुआ है कि एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में करीब 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि किराए में भी 8 से 15 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने ये जानकारी दी।

डोमेस्टिक और इंटरनेशनल बुकिंग पर असर- आईएटीओ अध्यक्ष के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद इंटरनेशनल रूट्स पर बुकिंग में 18-22 प्रतिशत और घरेलू फ्लाइट्स में 10-12 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह रुझान फिलहाल अस्थायी और भावनात्मक प्रतिक्रिया जैसा प्रतीत होता है।

डीजीसीए की कार्रवाई, एयर इंडिया के 3 अधिकारी बर्खास्त

नागर विमानन महानिदेशालय ने एयर इंडिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए क्रू रोस्टरिंग के लिए जिम्मेदार तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने का आदेश दिया है। यह कदम एयर इंडिया द्वारा खुद किए गए खुलासे के बाद उठाया गया है, जिसमें पायलटों के लाइसेंस, जरूरी आराम और हालिया उड़ानों से जुड़ी शर्तों के उल्लंघन की बात स्वीकार की गई थी। डीजीसीए का यह आदेश 20 जून को जारी किया गया। यह फैसला उस वक्त लिया गया जब एयर इंडिया अपने क्रू शेड्यूलिंग प्लेटफॉर्म में बदलाव कर रही थी और इस दौरान डीजीसीए ने उसके क्रू रोस्टरिंग सिस्टम की समीक्षा की। जांच में कई ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां पायलटों को ऐसे समय उड़ान ड्यूटी पर भेजा गया, जब वे नियमानुसार इसके योग्य नहीं थे।

एयरफेयर में नरमी, कैंसिलेशन में उछाल- हादसे के बाद एयर इंडिया ने किराये में भी कटौती की है। डोमेस्टिक रूट्स पर किराया 8-12 प्रतिशत कम हुआ है। इंटरनेशनल रूट्स, खासकर यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया की उड़ानों पर 10-15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। गोसायन के अनुसार, टिकट कैंसिलेशन में भी बढ़ोतरी हुई है, खासकर कॉरपोरेट ट्रैवलर्स और हाई एंड वेकेशन यात्रियों के बीच, जिन्होंने वैकल्पिक एयरलाइनों का रुख किया है।

1 जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं?

10 साल पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों पर हुआ फैसला

__नई दिल्ली।__ वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि परिचालन की तय अवधि पार कर चुके किसी भी वाहन को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं मिलेगा।

सीएक्यूएम ने कहा कि देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल चालित वाहन इस फैसले के दायरे में आएंगे। सीएक्यूएम ने अप्रैल में पेट्रोल पंप को निर्देश जारी करते हुए कहा था कि एक जुलाई से मियाद पूरा कर चुके किसी भी वाहन को ईंधन नहीं दिया जाना चाहिए।

दिल्ली के 520 ईंधन आपूर्ति केंद्रों में से 500 ने स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे लगा दिए हैं और शेष को 30 जून तक लगाना होगा। सीएक्यूएम के मुताबिक, ये कैमरे 10 वर्ष (डीजल) या 15 वर्ष (पेट्रोल) से अधिक पुराने वाहनों का पता लगाएंगे और कमान केंद्र तथा यातायात एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों से युक्त प्रवर्तन टीम को अलर्ट भेज दिया जाएगा, जो वाहनों को जब्त कर लेंगी।

यह प्रणाली इस वर्ष एक नवंबर से दिल्ली से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत में लागू की जाएगी तथा एएनपीआर कैमरे लगाने का कार्य 31 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। शेष एनसीआर जिलों को कैमरे लगाने के लिए 31 मार्च, 2026 तक का समय दिया गया है।

तेजी से भर रहा सरकार का खजाना

80 दिनों में इनकम टैक्स कलेक्शन ने पार किया 5.45 लाख करोड़ का आंकड़ा

__नई दिल्ली।__ देश के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआती 80 दिनों के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं। सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, कॉरपोरेट और नॉन-कॉरपोरेट टैक्स के साथ-साथ एडवांस टैक्स और टैक्स रिटर्न में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि टैक्सपेयर्स को बेहतर सेवाएं और तेज प्रोसेसिंग मिलने से टैक्स रिफंड में भी बड़ा उछाल आया है।

5.45 लाख करोड़ रुपए हुआ डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन- वित्त मंत्रालय के अनुसार, 19 जून 2025 तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 4.86 प्रतिशत बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो बीते साल इसी अवधि में 5.19 लाख करोड़ रुपए था। हालांकि, टैक्स रिफंड में तेज बढ़ोतरी के चलते शुद्ध टैक्स संग्रह (नेट कलेक्शन) में हल्की गिरावट देखी गई।

टैक्स रिफंड में 58 प्रतिशत की जबरदस्त छलांग- सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, टैक्स रिफंड में साल-दर-साल 58.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह रिफंड 2024 में 54,661 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 86,385 करोड़ रुपए हो गया है। इसके चलते नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 1.39 प्रतिशत घटकर 4.58 लाख करोड़ रुपए रह गया।

एडवांस टैक्स में भी बढ़त- एडवांस टैक्स कलेक्शन में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। कुल एडवांस टैक्स 3.87 प्रतिशत बढ़कर 1,55,533 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 1,21,604 करोड़ रुपए रहा, जो करीब 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, नॉन-कॉरपोरेट एडवांस टैक्स में 2.68 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह घटकर 33,928 करोड़ रुपए रह गया है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	86. 58
एक यूरो	99. 51
एक ब्रिटिश पाउंड	117. 00
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	56· 27
एक जापानी येन	0· 59

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 100 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-118 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -74 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 98800 चांदी -107300

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 98800 चांदी -107300

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 115000-12000, एकस्ट्रा बोल्ड 13000-13500, चना दाल एवरेज 7200-7300 चना दाल मार्का 7500-7700, मसूर दाल एवरेज 7500-7600, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका9000-9200, फाइन 9200-9500, उड़द धुली 10500-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9800- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4500-4600, फाइन 4600-4800, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6४00, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

भारत में निर्यात प्रतिबंध होने के बाद सेंधा नमक बेचने के लिए यहां-वहां भटक रहा पाकिस्तान

__नई दिल्ली।__ सेंधा नमक की खास किस्म हिमालयन पिंक सॉल्ट के एक्सपोर्ट पर भारत में रोक लगाए जाने के बाद से पाकिस्तान के स्थानीय कारोबारियों ने अब नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से व्यापारिक संबंध पूरी तरह तोड़ दिए हैं।

इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान इस खास किस्म के सेंधा नमक के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। पंजाब प्रांत में स्थित खेवड़ा में पाकिस्तान की सबसे बड़ी सेंधा नमक की खदान है और इसमें 30 प्रोसेसिंग यूनिट्स हैं।

2024 में 3.5 लाख टन सेंधा नमक का हुआ था निर्यात- पाकिस्तान ने साल 2024 में कुल 3,50,000 टन सेंधा नमक का निर्यात किया था जिसकी अनुमानित कीमत 12 करोड़ डॉलर है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद लगे व्यापार प्रतिबंधों से इस सेंधा नमक के निर्यातकों को झटका लगा है, जिसकी भारत में काफी मांग है। सेंधा नमक और उससे जुड़े उत्पादों की निर्यातक गनी इंटरनेशनल के सीनियर डायरेक्टर मंसूर अहमद ने कहा, ''भारत पाकिस्तान से इस सेंधा नमक का सबसे बड़ा आयातक रहा है। प्रतिबंध का मतलब है कि उस देश को कोई निर्यात नहीं हो रहा है।''

पाकिस्तान में ही होता है हिमालयी सेंधा नमक का उत्पादन- मंसूर ने कहा कि भारत, पाकिस्तान और चीन के साथ नमक के शीर्ष तीन निर्यातकों में शामिल है। लेकिन सिर्फ पाकिस्तान ही हिमालयी सेंधा नमक का उत्पादन करता है, भारत या चीन नहीं। हालांकि, पाकिस्तान के निर्यातक इस प्रतिबंध से चिंतित नहीं हैं, क्योंकि इसमें उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। पाकिस्तान नमक विनिर्माता संघ की प्रमुख साइमा अख्तर ने कहा कि पाकिस्तान के सेंधा नमक की पहले से ही विश्व स्तर पर भारी मांग है, क्योंकि इसके स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे होते हैं। जब हमने इसे भारत में निर्यात किया, तो भारतीय खुदरा बाजार में नमक 45 से 50 रुपये प्रति किलो पर बेचा गया। अब इसे 70 से 80 रुपये प्रति किलो पर बेचा जा रहा है।''

क्या आईसीआईसीआई बैंक चाहता था एचडीएफसी लिमिटेड का अधिग्रहण?

__नई दिल्ली।__ दिग्गज बैंकर और एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक ने एचडीएफसी लिमिटेड को अपने नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव दिया था लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया।

एचडीएफसी बैंक की मूल इकाई एचडीएफसी लिमिटेड ने बाद में अपनी बैंकिंग अनुषंगी कंपनी के साथ विलय कर देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का ऋणदाता बनाया। यह विलय एक जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ। रिवर्स विलय के साथ, 44 वर्षीय संस्था एचडीएफसी लिमिटेड पुरानी यादों में खो गई। दिलचस्प बात यह है कि एचडीएफसी लिमिटेड के निर्माण में आईसीआईसीआई बैंक की मूल इकाई आईसीआईसीआई लिमिटेड ने वित्तीय सहायता दी थी।

दीपक पारेख ने किया खुलासा

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर के साथ बातचीत के दौरान पारेख ने कहा, मुझे याद है कि आपने मुझसे एक बार बात की थी आपने कहा था कि आईसी-आईसीआई ने एचडीएफसी की शुरुआत की थी। आप घर वापस क्यों नहीं आते?, यह आपका प्रस्ताव था। इस बातचीत को यूट्यूब पर जारी किया गया।

दाल-तेल उत्पादन में हुई बढ़ोतरी, सांसदों की आयात पर चिंता के बीच सरकार का जवाब

__नई दिल्ली।__ सरकार ने कहा कि पिछले एक दशक में दालों और खाद्य तेलों के उत्पादन पहले की तुलना में तेजी से बढ़ा है। सांसदों ने मांग पूरे करने के लिए भारत की आयात पर निर्भरता को लेकर चिंता जताई । 20 जून को हुई समिति की बैठक में कृषि मंत्रालय ने बताया कि आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार काम हो रहा है।

आयात पर सालाना 80 हजार करोड़ रुपये हो रहा खर्च - कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर संसद की स्थायी समिति को दी गई एक प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि 2023-24 में खाद्य तेलों की घरेलू मांग में 56 प्रतिशत हिस्सा 15.66 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) आयात से पूरा हुआ। बताया गया कि खाद्य तेल आयात पर भारत की भारी निर्भरता के कारण सालाना 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है।

तिलहन उत्पादन में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई- मंत्रालय ने कहा कि 2014-15 से 2024-25 के बीच तिलहन उत्पादन में 55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक बीते वित्त वर्ष में उत्पादन 426.09 लाख टन तक पहुंच गया है। तुलना करें तो 2004-05 से 2014-15 के बीच यह वृद्धि केवल 13 फीसदी थी।

सूरजमुखी और सोयबीन तेल आयात पर निर्भर - मंत्रालय ने कहा कि इस अवधि में सरसों और मूंगफली तेल की जरूरत देश में उत्पादित तेल से पूरी हो रही है, लेकिन सूरजमुखी तेल की खपत 3.55 एमएमटी के मुकाबले 3.49 एमएमटी का आयात करना पड़ा। सोयाबीन तेल की खपत का 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सा भी आयात से पूरा किया गया।

दाल के उत्पादन ने हुई 47 प्रतिशत की वृद्धि- दालों का उत्पादन भी 2014-25 के दौरान 47 फीसदी बढ़ा, जबकि 2004-14 में यह वृद्धि 31 फीसदी रही। बैठक में सांसदों ने धान और गेहूं उगाने वाले किसानों को दलहन और अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। मंत्रालय ने 2030-31 तक दलहन और तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार के रोडमैप और इस वर्ष के बजट में घोषित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि दालों का 75 फीसदी उत्पादन वर्षा पर आधारित है और इन्हें ज्यादातर छोटे और सीमांत किसान कम उपजाऊ जमीनों पर उगाते हैं, जिससे उत्पादन में चुनौतियां बनी हुई हैं।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

प्लॉट उपलब्ध हैं
न्यू भेड़ाघाट के निकट प्रस्तावित रिंग रोड के पास फार्म हाउस हेतु लगभग 6000, 12000, 18000+ वर्गफुट के प्लॉट @ रु. 350 प्रति वर्गफुट उपलब्ध हैं. संपर्क करें - अनिल यादव, ग्राम सकरी
संपर्क: 6264760614
देवेन्द्र : 9993737969

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

जिला अस्पताल में बेपटरी हुई स्वास्थ्य व्यवस्था

परिजन खुद ही मरीजों को ले जाने मजबूर

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई हैं। हाल हीं में पुन: तेजी से पांव पसार रहा कोरोना तो दूर की बात शहर के प्रमुख शासकीय अस्पतालों के हालात ये हैं कि रोजमर्रा के मरीज भी संभाले नहीं संभल रहे हैं। महिलाओं के एल्गिन हॉस्पिटल के साथ खास तौर पर विक्टोरिया जिला अस्पताल में भी यही हालात हैं।

रानी दुर्गावती महिला चिकित्सालय (लेडी एल्गिन) जैसे अस्पताल में जहां शनिवार को चिकित्सक न होने की वजह से कई मरीजों को बगैर उपचार के ही वापस लौटना पड़ा वहीं कुछ प्रकरणों को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। विक्टोरिया जिला अस्पताल के हालात ऐसे हो गए हैं कि यहां वार्ड बॉय मरीजों की व्हील चेयर और स्ट्रैचर को हाथ लगाना भी मुनासिब नहीं समझते। आलम ये हैं कि अपने किसी मरीज को अस्पताल लेकर पहुंचने वाले परिजनों की स्थिति काटो तो खून नहीं जैसी हो जाती हैं। पहले अपने मरीज के लिए वे स्ट्रैचर और व्हील चेयर ढूढ़ते नजर आते हैं, किसी तरह स्ट्रेचर या व्हीलचेयर मिल जाए तो वार्ड बॉय से गुहार लगाने के बाद आखिर में उन्हें स्वयं ही अपने मरीज को व्हीलचेयर या फिर स्ट्रेचर पर ले जाने विवश होना पड़ता हैं। यही स्थिति अस्पताल से घर लौटने वाले मरीजों की बन जाती हैं जिन्हें वापसी के लिए न तो एंबुलेंस उपलब्ध हो पाती हैं न हीं अन्य वाहन। मरीजों के परिजन किसी तरह स्वयं स्ट्रेचर, व्हीलचेयर पर अपने मरीजों को ले जाने तैयार रहते हैं लेकिन मरीजों की मानें तो आवश्यकता के समय न तो स्ट्रैचर उपलब्ध हो पाता हैं न हीं व्हीलचेयर, इस वजह से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

किसी से नहीं छिपी स्थिति फिर भी प्रबंधन मौन

विक्टोरिया जिला अस्पताल की स्थितियां भी किसी से छिपी नहीं हैं पहले आईसीयू के खराब पड़े एसी और उपचार की आस में फर्श पर पड़े मरीज के वायरल वीडियो यहां की बेपटरी व्यवस्थाओं की बानगी जब तब देते रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की मानें तो चिकित्सा विभाग में शीर्ष पदों पर आसीन कुछ चिकित्सक जहां निजी अस्पतालों में पहले छापा और फिर 10 से 20 फीसदी पार्टनरशिप में अस्पताल चलाने की अनुमति के खेल में उलझे हैं वहीं कुछ अपनी कुर्सी बचाने और कुछ विभागीय राजनीति में उलझ कर रह गए हैं।

हर दूसरे मरीज को किया जा रहा रेफर

मरीजों के परिजनों की मानें तो सामान्य प्रकरणों में भी विक्टोरिया जिला अस्पताल में इन दिनों मरीजों को मेडिकल रैफर करने या फिर बाद में आने की बात कहीं जाती हैं। लंबी कतारों में पहले पर्ची बनवाने, फिर कतारों में लग कर बीपी और वजन नपवाने के बाद ओपीडी में लंबी कतार से जूझने के बाद जब मरीज चिकित्सक से मिलते हैं तो उन्हें उपचार के बजाए या तो मेडिकल रैफर करने की बात कही जाती हैं या फिर बाद में आने की, जिसे सुनने के बाद इतनी कवायद करने वाले मरीज स्वयं को ठगा सा महसूस करते हैं।

मेडीकल कॉलेज के जैसे हालात जिला अस्पताल में

इसी तरह नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज परिसर में एक से दूसरे अस्पताल जाने के मार्ग के लिए स्ट्रेचर, व्हील चेयर मिल जाए तो मरीज और उनके परिजन भगवान को धन्यवाद देते हैं। व्हील चेयर और स्ट्रेचर को मरीजों के परिजन ही ढ़केलकर गंतव्य तक ले जाने के दृश्य यहां आम हैं। वर्तमान में यहां अव्यवस्थाओं का आलम ये हैं कि आकस्मिक कक्ष-ओपीडी में वार्ड बाय तक नहीं हैं। मरीजों के परिजनों को पहले व्हील चेयर और स्ट्रेचर जुटाने की कवायद और फिर इसे स्वयं खींचना पड़ रहा हैं।

ठीक ऐसी ही अव्यवस्थाओं को विक्टोरिया जिला अस्पताल में भी आत्मसात कर लिया गया हैं। कैजुअल्टी पहुंचने पर मरीजों के परिजनों को ओपीडी से व्हील चेयर या स्ट्रैचर लेने कहा जात हैं। जहां, न तो स्ट्रैचर मिल पाता हैं न हीं व्हील चेयर। आलम ये हैं कि यदि गंभीर अवस्था में कोई मरीज यहां उपचार के लिए पहुंच जाए तो उसके परिजनों को व्हीलचेयर या स्ट्रैचर के लिए भी घंटो मशक्कत करनी पड़े। सूत्रों की मानें तो मेडिकल कालेज में भी वार्ड बॉय मरीजों के स्ट्रैचर या व्हील चेयर को हाथ नहीं लगाते। यदि परिजनों के आग्रह के बाद कुछ राशि उनकी जेब में डाल दी जाए तो कभी-कभी उनकी सहृदयता जाग उठती हैं।

जबलपुर में जोरदार बारिश, गर्मी से राहत

जबलपुर, देशबन्धु। मानसून सक्रिय हो गया है इसके चलते शनिवार को भी जहां दिन में कई बार बूंदाबांदी हुई वहीं शाम ढलते ही झमाझम बारिश का दौर चला इससे धूप और उमस भरी गर्मी से सभी को राहत रही। अगले 24 घंटे में मानसून की सक्रियता बनी रहने की संभावना जताई गई है। जिसे जबलपुर के लिये अच्छी खबर माना जा सकता है। इसके साथ ही संभाग के सभी जिलों में बारिश का दौर शुरु हो गया है।

एसआई की रिवाल्वर छीनने वाले को पुलिस ने मारी गोली

जबलपुर, देशबन्धु। लूट के अपराध में गिरफ्तार कर लाये जा रहे आरोपी ने सब इंस्पेक्टर की रिवॉल्वर लेकर भागने का प्रयास किया। चेतावनी देने पर आरोपी पुलिस टीम पर फायरिंग कर प्रयास कर रहा था। पुलिस टीम द्वारा जवाबी फायरिंग किए जाने के कारण पैर में गोली लगने से अपराधी युवक घायल हो गये। इस घटना के कारण क्षेत्र में सनसनी का माहौल निर्मित हो गया था।

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि लूट के अपराध में कटनी पुलिस को इतवार सिंह उम्र 25 साल निवासी गांधी ग्राम पन्ना की तलाश थी। पुलिस टीम उसे छतरपुर से गिरफ्तार कर कटनी ला रही थी। ट्रांसपोर्ट नगर के पास पुलिस टीम की गाडी का टायर पंचर हो गया। गाड़ी का पंचर बनवाने के दौरान आरोपी ने मौका पाकर सब इंस्पेक्टर कर रिवाल्वर छीनकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने चेतावनी देते हुए आरोपी युवकों को रूकने की चेतावनी दी थी।

पुलिस द्वारा चेतावनी दिये जाने पर आरोपी ने भागने हुए पुलिस टीम पर फायरिंग का प्रयास किया। जिसके कारण पुलिस को जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने के कारण आरोपी घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है और उसका उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस अभिरक्षा से भागने तथा फायरिंग करने का प्रयास किये जाने के संबंध में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

साइबर ठगों के निशाने पर अब किसान

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के साथ ही प्रदेश भर के किसान अब साइबर ठगों के निशाने पर हैं। किसानों को सतर्क करने के लिए कृषि विभाग ने चेतावनी जारी की हैं। साइबर ठगी का दायरा प्रदेश में लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक तो शहरी क्षेत्रों के लोग ही इनके निशाने पर थे लेकिन अब इनकी पहुंच किसानों तक हो गई है।

यह सायबर ठग कस्टमर हायरिंग सेंटर के नाम पर भोलेभाले किसानों को अपना निशाना बना रहे है। किसानों के साथ कृषि विभाग की योजनाओं के नाम पर ठगी के मामले लगातार प्रकाश में आ रहे है। इसे लेकर अब प्रदेश के कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने किसानों को एडवाईजरी जारी करते हुए कृषि विभाग के नाम पर आने वाले फोन को लेकर किसानों को सावधान रहने की सलाह दी है।

कस्टमर हायरिंग योजना के नाम पर हो रही ठगी

कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जारी एडवाईजरी में बताया गया कि बीते कुछ दिनों से सायबर ठग किसानों को कृषि विभाग के अधिकारी बनकर फोन कर रहे हैं। इन फोन कॉल पर यह लोग किसानों को विभाग की कस्टमर हायरिंग योजना में सस्ती दरों पर ट्रेक्टर, थ्रेसर सहित अन्य कृषि यंत्र देने का प्रलोभन देकर मोटी रकम ठग रहे हैं। किसान भी कृषि अधिकारी के नाम से आने वाले फोन कॉल पर जल्द यकीन कर मांगी गई राशि प्रदान कर देते हैं। जो बाद में ठगी का शिकार होते हैं।

दबिश देते ही पुलिस पर पथराव

फर्जी गोल्ड बिस्किट, गांजा, संदेहास्पद मोटरसाइकिल सहित धारदार हथियार बरामद

जबलपुर, देशबन्धु। कटनी पुलिस ने दरम्यानी रात पारधियों के ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान पारधी समुदाय के लोगों ने पथराव कर दिया। जिसके कारण पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। पुलिस ने एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से फर्जी गोल्ड बिस्किट, गांजा,संदेहास्पद मोटरसाइकिल सहित धारदार हथियार बरामद किये है। पुलिस ने जबलपुर-कटनी हाईवे में विगत एक पखवाड़े में राहगीरों से हो रही लूट के सिलसिले में पारधियों के ठिकानों में दबिश दी थी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जबलपुर-कटनी हाईवे में विगत एक पखवाड़े में लूट की आधा दर्जन से अधिक घटनाएं हुए थी। लूट की घटना जबलपुर तथा कटनी जिले में घटित हुई थी।

एमपी बोर्ड 5वीं, 8वीं के पुनः परीक्षा के परिणाम जारी

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 5वीं और 8वीं कक्षा के री-एग्जाम 2025 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। विद्यार्थी अब राज्य शिक्षा केन्द्र के पोर्टल पर जाकर अपने परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा 2 से 9 जून तक आयोजित की गई थी, जिसमें 2 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने 5वीं और 8वीं कक्षा के री-एग्जाम परिणाम 2025 को अपनी आधिकारिक एग्जाम पोर्टल पर अपलोड किया है। अब विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षकगण इसे आसानी से देख सकते हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र के वेबसाइट के माध्यम से परिणाम ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को अपनी रोल नंबर दर्ज करने की आवश्यकता होगी। यह एक सरल और आसान तरीका है, जिससे विद्यार्थी अपने परिणाम की जाँच कर सकते हैं। पोर्टल का लिंक एचटीटीपीएस: // आरएसकेएमपी डॉट इन/रिजल्ट डॉट एएसपीएक्स हैं। परिणाम देखने की प्रक्रिया में वेबसाइट पर जाएं और सबसे पहले, राज्य शिक्षा केन्द्र की इस आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं इसके बाद साइट पर रोल नंबर डालें वेबसाइट पर पहुंचने के बाद, आपको अपना रोल नंबर डालने का विकल्प मिलेगा।

यह रोल नंबर आपकी परीक्षा की जानकारी है, जिसे आपके एडमिट कार्ड या अन्य परीक्षा दस्तावेज़ों से प्राप्त किया जा सकता है। रोल नंबर दर्ज करने के बाद, आपको अपने परीक्षा परिणाम की पूरी जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जाएगी। परिणाम देखने के बाद, आप उसे प्रिंट आउट ले सकते हैं, जो भविष्य में संदर्भ के लिए उपयोगी हो सकता है।

जून में हुई थी परीक्षा

एमपी बोर्ड द्वारा आयोजित की गई 5वीं और 8वीं कक्षा की री-एग्जाम का आयोजन 2 जून से 9 जून 2025 तक किया गया था। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी जो पहले अपनी कक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए थे। इस परीक्षा में कुल 2 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जो राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से थे। परीक्षा के आयोजन के लिए कुल 322 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे, जिससे विद्यार्थियों को परीक्षा देने में कोई भी कठिनाई न हो। परीक्षा के आयोजन में राज्य शिक्षा केंद्र ने पूरी पारदर्शिता और कड़ी निगरानी सुनिश्चित की ताकि छात्रों को सही परिणाम मिल सके।

रेलवे में रिटायर्ड कर्मियों को मिलेगी पुनः नियुक्ति

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे बोर्ड दिल्ली द्वारा अपने अनुभवी कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति के बाद भी पुनः नियुक्ति आदेश जारी करेगी। इस संबंध में रेलवे बोर्ड ने सेवा से रिटायर्ड कर्मियों को पुनः सेवा में रखने के संबंध मं 20 जून को आदेश जारी करते हुए इसकी प्रति पमरे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जयपुर मध्य रेलवे मुंबई, कोलकाता पश्चिम रेलवे मुंबई हाजीपुर, मुकुल शरण माथुर, हुबली, चैन्नई , गुवाहाटी एवं सभी इकाई के विभागाध्यक्ष को भेजी है।

इस आदेश के तहत वेतन श्रेणी 1 से 9 तक के रिक्त पदों को भरे जाने के लिए उस विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी जो कि तीन स्तर ऊपर तक के पद से रिटायर हुए हों को पुनः नियुक्ति दी जाएगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि पहले उसी स्तर से रिटायर्ड हुए कर्मचारी, जिनके पद खाली हैं उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। यदि ऐसे व्यक्ति उपलब्ध नहीं है,तभी उनके ऊंचे स्तर से रिटायर्ड कर्मियों को पुनः नियुक्त किया जाएगा। जानकारी के अनुसार रिटायर्ड कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त करने का अधिकार मंडल रेल प्रबंधक को दिया गया है। इसी के साथ ही साथ जोनल कार्यालयों में दोबारा नियुक्ति दिये जाने का अधिकार महाप्रबंधकों को होगा। इस नए आदेश को तुरंत से प्रभावशील किया गया है। जानकारी के मुताबिक जिन कर्मचारियों को पुनः नियुक्ति चाहिये वह अपने अपने स्तर से प्रयासरत हैं।

नए रेलवे बोर्ड अध्यक्ष की तलाश शुरु

कई अधिकारी दौड़ में शामिल

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे बोर्ड मुख्यालय दिल्ली में नए अध्यक्ष मुख्य कार्यपालिका अधिकारी के पद के लिए रेलवे बोर्ड के सदस्यों एवं अन्य महाप्रबंधकों द्वारा अध्यक्ष पद पाने के तेजी से प्रयास शुरु किए जा रहे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान अध्यक्ष सतीश कुमार का कार्यकाल 31 अगस्त तक दी है। इनको सेवा निवृत्ति के उपरांत इनके कार्यकाल में सेवावृद्धिकी गई थी।

जानकारी के अनुसार सतीश कुमार ने संघ लोक से वा आयोग यूपीएससी में सदस्य पद पाने के लिए लॉबिंग शुरु कर दी है। यह दिल्ली में रहकर जोधपुर कनेक्शन के साथ ही साथ ओडिशा के एक शक्तिशाली जन प्रतिनिधि के दरबार में आए दिन हाजिरी लगा रहे हैं। यह क्रम बीते कई माह से लगातार यह प्रयास जारी हैं। स्मरणीय है कि सतीश कुमार पूर्व में उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के पद पर कार्य संपादन कर चुके हैं। इसके चलते देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इनके जन प्रतिनिधियों से भी काफी मधुर संबंध हैं। अब इन सभी का वह कितना लाभ उठा सकेंगे यह आने वाले समय में ही पता चल सकेगा।

गौरतलब है कि लगभग आधा दर्जन महाप्रबंधक एवं रेलवे बोर्ड के सदस्यों में भी अध्यक्ष पद पाने को लेकर जो अजमाइश का दौर चल रहा है।

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि चयनित पद के लिए किसी भी प्रकार के कोई नियम नहीं बनाए गए हैं इस पद पर केवल वहीं अधिकारी पदस्थ होंगे जिसको शीर्ष जन प्रतिनिधि का समर्थन मिलेगा। नए अध्यक्ष की कवायद अगले माह जुलाई से शुरु होने की संभावना है।

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 114
मुर्गा मीडियम	- रु. 106
मुर्गा बड़ा	- रु. 96
मुर्गा जम्बो	- रु. 96

मो.-9039925000, 9425800409

ADMISSION OPEN
"THE MAIN AIM OF THE EDUCATION IS ALL ROUND DEVELOPMENT OF THE CHILD"
BULBUL KIDS KINGDOM High School
Uniform FREE
NURSERY, L.K.G., U.K.G. & 1st to 10th
न्यू राम नगर, अमखेरा रोड, अधारताल, जबलपुर
M: 9301408551, 9301408550, 6266655219

जबलपुर आई केयर
डॉ. पूजा मिश्रा (एम.बी.बी.एस., एम.एस., नेत्र सर्जन)
प्रत्येक शुक्रवार निःशुल्क नेत्र परीक्षण
समय-सुबह 11 से 2 बजे तक
पता- खुशी प्लाजा कॉम्पलेक्स, भंवरताल गार्डन, जबलपुर
रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें- 9009101571, 0761-4003010, 8103157419

NH नेशनल हॉस्पिटल
स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612
C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त
सुपर स्पेशिलिटी विभाग
● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग
28 वर्षों से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

अमर शहीद स्मृति मेला
देशभक्ति | पारिवारिक मनोरंजन | खाना | खजाना
रोजाना सायंकाल 5.30 से 10.30 बजे तक
महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट गोलबाजार जबलपुर

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 92
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 102
छोटा ब्रॉयलर - रु. 110
मो.- 9039925999

FOR PRIVATE SCREENING CALL +917999968989
FOR ONLINE BOOKING & OFFER BOOK FROM BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889
समदड़िया सिनेमा
BOOK YOUR TICKET & FOOD NO WHATSAPP SAMDAREEYA CINEMA +917999968989
SITAARE ZAMEEN PAR: 11:15AM 02:00PM 03:30PM 05:00PM 06:30PM 08:00PM 09:30PM 10:45PM
HOUEFULL-5: 10:00AM 12:30PM 03:00PM 06:30PM 08:00PM 10:45PM
BHOOL CHUK MAAF: 01:00PM
ELIO 3D(HINDI): 09:30AM 06:00PM
KUBERA: 03:15PM 10:00PM
28 YEAR LATER: 12:45PM